नई दिल्ली ■ मंगलवार, 15 जुलाई 2025 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 106 ■ पृष्ठ 12

JBT

जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून एवं करनाल से प्रकाशित

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

04 अमेरिका पर ही भारी पड़ने वाला है टैरिफ युद्ध | 11 चेल्सी ने जीता फीफा क्लब वर्ल्ड कप का खिताब | तीसरे दिन बॉक्स ऑफिस पर चमकी 'मालिक' 10

भारत के विदेश मंत्री ने चीनी समकक्ष वांग यी के साथ की मुलाकात

तनाव कम करने की जरूरत, प्रतिस्पर्धा को संघर्ष में नहीं बदलना चाहिए: जयशंकर

बीजिंग/नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को अपने चीनी समकक्ष वांग यी के साथ वार्ता के दौरान कहा कि भारत और चीन को तनाव कम करने समेत सीमा संबंधी मुद्दों के समाधान के लिए द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य बनाने में 'अच्छी प्रगति' पर काम करना चाहिए और 'प्रतिबंधात्मक व्यापार उपायों एवं बाधाओं' से बचना आवश्यक है। बैठक में अपने प्रारंभिक भाषण में जयशंकर ने कहा कि द्विपक्षीय संबंध इस आधार पर 'सकारात्मक रूप' में विकसित हो सकते हैं कि मतभेद विवाद नहीं बनने चाहिए और न ही प्रतिस्पर्धा संघर्ष में बदलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि संबंध केवल पारस्परिक सम्मान, पारस्परिक हित और पारस्परिक संवेदनशीलता के आधार पर ही बनाए जा सकते हैं।

विदेश मंत्री ने कहा कि भारत को उम्मीद है कि एससीओ की आगामी बैठक में 'आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति' को बरकरार रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि इसका प्राथमिक कार्य आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद से मुकाबला करना है। उनकी टिप्पणी को पाकिस्तान द्वारा सीमा पार आतंकवाद को दिए जा रहे समर्थन के संदर्भ में देखा जा रहा है। नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय ने वार्ता को 'रचनात्मक और दूरदर्शी' बताते हुए कहा कि दोनों पक्ष लोगों के बीच संपर्क को सुविधाजनक बनाने के लिए एक-दूसरे के देश की यात्रा और सीधी उड़ान

कनेक्टिविटी सहित 'अतिरिक्त व्यावहारिक कदम' उठाने पर सहमत हुए हैं। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के एक सम्मेलन में भाग लेने के लिए दो दिन की चीन यात्रा पर पहुंचने के कुछ ही घंटों बाद जयशंकर ने वांग से मुलाकात की। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर 2020 में हुए सैन्य गतिरोध और इसके पश्चात दोनों देशों के संबंधों में आए गंभीर तनाव के बाद जयशंकर की यह पहली चीन यात्रा है।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि विदेश मंत्री ने सीमा पार नदियों पर सहयोग की आवश्यकता को रेखांकित किया, जिसमें चीनी पक्ष द्वारा जल विज्ञान संबंधी आंकड़ों का प्रावधान पुनः शुरू किया जाना भी शामिल है। जयशंकर ने चीन के उपराष्ट्रपति हान झेंग के साथ भी वार्ता की और कहा कि भारत-चीन संबंधों के निरंतर सामान्य बने रहने से पारस्परिक रूप से लाभकारी परिणाम प्राप्त हो सकते हैं और 'जटिल' वैश्विक स्थिति के मद्देनजर दोनों पड़ोसी देशों के बीच विचारों का खुला आदान-प्रदान बहुत महत्वपूर्ण है।

वांग के साथ बैठक में अपनी टिप्पणी में जयशंकर ने 'प्रतिबंधात्मक' व्यापार उपायों और 'बाधाओं' से बचने की आवश्यकता को रेखांकित किया, जो कि महत्वपूर्ण खनिजों के निर्यात के साथ-साथ उर्वरकों की आपूर्ति से संबंधित मुद्दों पर बीजिंग के दृष्टिकोण के स्पष्ट संदर्भ में था। उन्होंने कहा कि हमने पिछले नौ महीनों में अपने द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में अच्छी प्रगति की है। यह सीमा पर तनाव के समाधान और वहां शांति बनाए रखने की हमारी क्षमता का परिणाम है। विदेश मंत्री ने कहा कि यह आपसी रणनीतिक

> जयशंकर ने कहा कि इस संदर्भ में यह भी आवश्यक है कि प्रतिबंधात्मक व्यापार उपायों और बाधाओं से बचा जाए। मुझे उम्मीद है कि इन मुद्दों पर और विस्तार से चर्चा होगी। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत और चीन के बीच "स्थिर और रचनात्मक" संबंध न केवल एक-दूसरे के लिए, बल्कि पूरे विश्व के लिए लाभकारी हैं। उन्होंने कहा कि यह सबसे अच्छा तभी होगा जब संबंधों को आपसी सम्मान, आपसी हित और आपसी संवेदनशीलता के आधार पर देखा जाए। जयशंकर ने कहा कि हम पहले भी इस बात पर सहमत हुए हैं कि मतभेद विवाद नहीं बनने चाहिए और न ही प्रतिस्पर्धा कभी संघर्ष में बदलनी चाहिए। इस आधार पर, हम अब अपने संबंधों को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ा सकते हैं। जयशंकर ने कहा कि द्विपक्षीय संबंधों के लिए दोनों पक्षों को 'दूरदर्शी दृष्टिकोण' अपनाने की आवश्यकता है। उन्होंने पिछले वर्ष अक्टूबर में कजान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच हुई बैठक का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि हमारे नेताओं की बैठक के बाद से भारत-चीन संबंध धीरे-धीरे सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। हमारी जिम्मेदारी इस गति को बनाए रखने की है।

विश्वास और द्विपक्षीय संबंधों के सुचारू विकास का मूलभूत आधार है। अब यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम तनाव कम करने सहित सीमा से जुड़े अन्य पहलुओं पर भी ध्यान दें।

जयशंकर ने नई दिल्ली के इस रुख को भी दोहराया कि भारत-चीन संबंध 'परस्पर सम्मान, पारस्परिक हित और पारस्परिक संवेदनशीलता' पर आधारित होने चाहिए। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देशों और आज विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के रूप में, हमारे संबंधों के विविध पहलू और आयाम हैं। हमारे लोगों के बीच संपर्क को सामान्य बनाने की दिशा में उठाए गए कदम निश्चित रूप से पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग को बढ़ावा दे सकते हैं। जयशंकर ने कहा कि हाल के दिनों में, हम दोनों को अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में मिलने और रणनीतिक संवाद करने के कई अवसर मिले हैं। हमारी उम्मीद है कि अब यह नियमित होगा और एक-दूसरे के देशों में होगा। विदेश मंत्री ने कहा कि दोनों पक्षों ने राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ मनाई है और पांच साल के अंतराल के बाद कैलाश मानसरोवर यात्रा फिर से शुरू होने की सराहना की।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि जयशंकर ने द्विपक्षीय संबंधों के सुचारू विकास के लिए सीमा पर शांति और सौहार्द के 'सकारात्मक प्रभाव' पर भी प्रकाश डाला और तनाव कम करने तथा सीमा प्रबंधन की दिशा में निरंतर प्रयासों का समर्थन किया। जयशंकर और वांग ने साझा हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा की तथा द्विपक्षीय यात्राओं और बैठकों सहित संपर्क में बने रहने पर सहमति व्यक्त की।

दुर्घटना की जांच से और सवाल उठे, किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी: एअर इंडिया के सीईओ

नई दिल्ली। एअर इंडिया के सीईओ ने कहा कि पिछले महीने एअर इंडिया की उड़ान संख्या एआई171 के दुर्घटनाग्रस्त होने की प्रारंभिक रिपोर्ट ने और अधिक प्रश्न खड़े कर दिए हैं। उन्होंने पायलटों और विमान की फिटनेस का बचाव करते हुए कहा कि रिपोर्ट में किसी भी यांत्रिक या रखरखाव संबंधी मुद्दे का उल्लेख नहीं किया गया है।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) कैम्पबेल विल्सन ने कहा कि अहमदाबाद में 12 जून को हुई विमान की दुर्घटना की जांच अभी पूरी नहीं हुई है, लिहाजा लोगों को जल्दबाजी में कोई निष्कर्ष नहीं निकालने चाहिए। इस हादसे में विमान में सवार 242 लोगों में से एक को छोड़कर सभी की मौत हो गई थी तथा विमान के एक इमारत से टकराने के कारण 19 अन्य लोगों की जान चली गई थी। एयरलाइन के कर्मचारियों को भेजे गए एक आंतरिक ज्ञापन में उन्होंने कहा कि प्रारंभिक रिपोर्ट के जारी होने से हमारे साथ-साथ दुनिया को भी जो कुछ हुआ उसके बारे में अतिरिक्त विवरण मिलने लगे। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि इससे न केवल अधिक स्पष्टता मिली, बल्कि अतिरिक्त प्रश्न भी उठे।

उन्होंने कहा कि ईंधन की गुणवत्ता में कोई समस्या नहीं थी और 'टेक-ऑफ रोल' में भी कुछ असामान्य नहीं था तथा पायलटों ने उड़ान से पहले श्वास विश्लेषक परीक्षण पास कर लिया था और उनकी चिकित्सा स्थिति के संबंध में कुछ भी असामान्य नहीं पाया गया था। 'टेक ऑफ रोल' वह चरण होता है जब एक विमान रनवे (हवाई पट्टी) पर दौड़ता है ताकि वह उड़ान भरने के लिए पर्याप्त गति प्राप्त कर सके। इस घातक दुर्घटना के कारणों को लेकर विभिन्न हलकों में चल रही अटकलों के बीच एअर इंडिया के प्रमुख ने कहा कि प्रारंभिक रिपोर्ट में न तो कोई कारण बताया गया है और न ही कोई सिफारिश की गई है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि वे समय से पहले कोई निष्कर्ष निकालने से बचें, क्योंकि जांच अभी पूरी नहीं हुई है। वायु यान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआईबी) ने एअर इंडिया के बोइंग 787-8 विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने पर शनिवार को अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट जारी की जिसमें 12 जून को 260 लोग मारे गए थे। विल्सन ने कर्मचारियों को दिए एक संदेश में कहा कि प्रारंभिक रिपोर्ट में विमान या इंजन में कोई यांत्रिक या रखरखाव संबंधी समस्या नहीं पायी गयी है तथा अनिवार्य रखरखाव संबंधी सभी कार्य पूरे किए जा चुके थे।

विल्सन ने कहा कि दुर्घटना के कुछ दिनों के भीतर अत्यधिक सावधानी बरतते हुए और डीजीसीए की निगरानी में बेड़े में शामिल प्रत्येक बोइंग 787 विमान की जांच की गई और उन्हें सेवा के लिए उपयुक्त पाया गया है। उन्होंने कहा कि हम सभी विमानों की आवश्यक जांच जारी रखेंगे और भविष्य में भी जिस भी जांच की सिफारिश अधिकारी करेंगे, वह भी की जाएगी। सीईओ ने कहा कि एयरलाइन जांचकर्ताओं के साथ सहयोग करना जारी रखेगी ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उनके पास गहन और व्यापक जांच करने के लिए आवश्यक सभी जानकारी मौजूद हो। उन्होंने कहा कि पिछले 30 दिनों के दौरान ऐसी अटकलों, आरोपों, और सनसनीखेज सुर्खियों का एक दौर चलता रहा, जिनमें से कई बाद में गलत साबित हो गए।

संक्षिप्त खबरें

असम में 15 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त, दो गिरफ्तार

मोरीगांव/गुवाहाटी। असम में दो अलग-अलग अभियानों में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया और उनके पास से 15 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किये गये। पहली गिरफ्तारी मोरीगांव जिले में की गई, जबकि दूसरी कार्रवाई दक्षिण सलमारा में की गई। पुलिस ने बताया कि मणिपुर की रहने वाली 25 वर्षीय महिला को मोरीगांव में जगीरोड रेलवे स्टेशन के पास से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा कि वह सुबह मणिपुर से बस से जागीरोड पहुंची और रेलवे स्टेशन के पास घूमती हुई पाई गई, तभी संदेह के आधार पर उसे पकड़ लिया गया। पुलिस ने उसके शरीर से बंधी नौ साबुन की डिब्बियों में छिपाकर रखी गई 104.5 ग्राम हेरोइन जब्त की। अधिकारी ने बताया कि जब्त की गई हेरोइन की कीमत करीब पांच करोड़ रुपये आंकी गई है। उन्होंने बताया कि यह पता लगाने के लिए जांच जारी है कि क्या इसमें कोई बड़ा नेटवर्क शामिल है।

भड़काऊ भाषण मामला: आजम खान को राहत देने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एमएम सुंदरेश की अध्यक्षता वाली बेंच ने समाजवादी पार्टी नेता आजम खान को कोई भी राहत देने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने आजम खान की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने यूपी की कोर्ट में लंबित 2007 के एक भड़काऊ भाषण से जुड़े मामले की सुनवाई राज्य से बाहर करने की मांग की थी। सुनवाई के दौरान आजम खान की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने साक्ष्यों से छेड़छाड़ का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आजम खान के कथित भड़काऊ भाषण की जो वीडियो क्लिप पेश की गई थी, उसमें छेड़छाड़ की गई थी। इस मामले में आजम खान के खिलाफ उत्तर प्रदेश में 87 से ज्यादा केस दर्ज किए गए हैं।

लखनऊ में 10 करोड़ रुपये से अधिक के नशीले पदार्थ जब्त, 4 लोग गिरफ्तार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मादक द्रव्य रोधी कार्य बल (एएनटीएफ) ने लखनऊ में 10 करोड़ रुपये से ज्यादा मूल्य के नशीले पदार्थ बरामद कर चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। एएनटीएफ के अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि लखनऊ स्थित उसकी टीम ने रविवार को ठाकुरगंज के गऊघाट इलाके से एक महिला समेत चार तस्करों को पकड़ा और मॉर्फिन एवं एमडीएमए सहित नशीले पदार्थों का जखीरा जब्त किया। बरामद मादक पदार्थों की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में 10 करोड़ 29 लाख रुपये से ज्यादा बतायी जा रही है। पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण और एएनटीएफ के महानिरीक्षक अब्दुल हमीद के निर्देश पर शुरू किये गये अभियान के तहत हुई इस कार्रवाई के दौरान तस्करों के पास से एक किलोग्राम मॉर्फिन, 252 ग्राम चरस, 5.5 किलो गांजा, छह ग्राम एमडीएमए, 79 हजार 530 रुपये नकद, चार मोबाइल फोन और एक कार बरामद की गयी है। अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों की पहचान आयुष निषाद, सूफियान, श्रवण कुमार निषाद और नेहा निषाद के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि ये सभी लखनऊ के गऊघाट और वजीरबाग इलाके के रहने वाले हैं। अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ ठाकुरगंज थाने में स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी तत्व (एनडीपीएस) अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

छात्र आत्महत्या मामले में सुप्रीम कोर्ट ने तीन राज्यों की पुलिस से मांगी जांच रिपोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने तीन राज्यों से छात्रों की खुदकुशी की जांच से संबंधित स्टेटस रिपोर्ट तलब की है। जस्टिस जेबी पारदीवाला की अध्यक्षता वाली बेंच ने मामले की अगली सुनवाई 21 जुलाई को करने का आदेश दिया।

कोर्ट ने आईआईटी दिल्ली, आईआईटी खड़गपुर और कोटा में नीट अभ्यर्थी की खुदकुशी के मामले की जांच की स्टेटस रिपोर्ट दिल्ली सरकार, पश्चिम बंगाल सरकार और राजस्थान सरकार से तलब की है। सोमवार को एमिकस क्यूरी अपर्णा भट्ट ने इस मामले में केंद्रीय गृह मंत्रालय की सहायता लेने का सुझाव दिया, जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय गृह मंत्रालय को पक्षकार बनाने का आदेश दिया। इसके पहले 6 मई को कोर्ट ने आईआईटी खड़गपुर और कोटा में एक कोचिंग सेंटर में छात्रों की खुदकुशी की दो हालिया घटनाओं पर स्टेटस रिपोर्ट तलब की थी। 24 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस रविंद्र भट्ट की अध्यक्षता में एक टास्क फोर्स के गठन का आदेश दिया था।

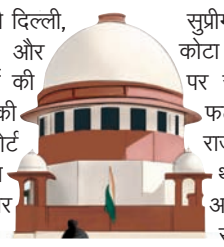

सुप्रीम कोर्ट ने 23 मई को कोटा में छात्रों की आत्महत्या पर राजस्थान सरकार को फटकार लगाई थी। कोर्ट ने राजस्थान सरकार से पूछा था कि छात्र कोटा में ही आत्महत्या क्यों कर रहे हैं। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा था कि अब तक इस साल कोटा में 14 आत्महत्या की खबरें आ चुकी हैं। कोर्ट ने राजस्थान सरकार से पूछा था कि आप राज्य सरकार के रुप में क्या कर रहे हैं। क्या आपने एक राज्य की अवधारणा छोड़ तो नहीं दी है। आपने एफआईआर दर्ज क्यों नहीं की। आप सुप्रीम कोर्ट के फैसले का पालन नहीं कर रहे हैं।

केंद्र ने यमन सरकार से निमिषा प्रिया की फांसी टालने का आग्रह किया

नई दिल्ली। यमन में मौत की सजा पा चुकी केरल की नर्स निमिषा प्रिया की फांसी रुकवाने के मामले में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। केंद्र सरकार की ओर से पेश अटार्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने जस्टिस विक्रम नाथ से कहा कि यमन की संवेदनशीलता को देखते हुए केंद्र कुछ खास नहीं कर सकता है। हालांकि, केंद्र सरकार ने यमन सरकार से निमिषा प्रिया की फांसी की तिथि टालने का आग्रह किया है। मामले की अगली सुनवाई 18 जुलाई को होगी। सुनवाई के दौरान अटार्नी जनरल ने कहा कि केंद्र सरकार ने यमन सरकार से आग्रह किया है कि फांसी की तिथि टाली जाए। तब कोर्ट ने कहा कि हम इसमें आदेश कैसे दे सकते हैं। तब याचिकाकर्ता के वकील सुभाष चंद्रन केआर ने कहा कि नर्स की मां यमन में है, लेकिन वो एक घरेलू कामगार है। केंद्र सरकार पीड़ित परिवार से बात करें। ब्लड मनी का प्रबंध याचिकाकर्ता की ओर से किया जाएगा। क्योंकि अगर यमन में जिस व्यक्ति की मौत हुई है उसका परिवार ब्लड मनी पर राजी हो जाता है तो निमिषा प्रिया को मौत की सजा से बचाया जा सकता है। इससे पहले 10 जुलाई को सुनवाई के दौरान जब कोर्ट ने पूछा था कि निमिषा प्रिया को फांसी क्यों दी जा रही है। तब कोर्ट को बताया गया कि निमिषा प्रिया केरल की रहने वाली है। वो यमन जाकर नर्स की नौकरी कर रही थी। यमन में एक स्थानीय व्यक्ति ने उसे प्रताड़ित करना शुरु कर दिया, जिसके बाद वो मारा गया। उन्होंने कहा था कि निमिषा प्रिया की फांसी 16 जुलाई को सुनाई जानी है। दरअसल, केरल की रहने वाली निमिषा प्रिया यमन में नर्स की नौकरी कर रही थी। यमन के कानून के मुताबिक केवल उसके नागरिकों को ही क्लीनिक और व्यावसायिक फर्म स्थापित करने की अनुमति है।

नूंह की ब्रज मंडल यात्रा में शामिल हुए चीफ इमाम, श्रद्धालुओं पर मुस्लिमों ने बरसाए फूल

नूंह। सावन माह के पहले सोमवार को नल्हड़ेश्वर महादेव मंदिर में ब्रजमंडल जलाभिषेक यात्रा का इस बार मुस्लिम समाज के लोगों ने फूल बरसाकर स्वागत किया। पूरे जोश व उत्साह के साथ भारी संख्या में श्रद्धालु मंदिर में पहुंचे और जलाभिषेक किया। चीफ इमाम डा. उमर अहमद इलियासी भी ब्रज मंडल यात्रा में शामिल हुए और उन्होंने गाय को राष्ट्रीय प्राणी घोषित करने की मांग की। संवेदनशील इलाके को देखते हुए जिला प्रशासन ने व्यापक स्तर पर व्यवस्थाएं व सुरक्षा के इंतजाम किए हुए थे।

ब्रज मंडल की इस पवित्र यात्रा में हरियाणा के खेल मंत्री गौरव गौतम, विधायक तेजपाल तंवर, गुरुग्राम से विधायक मुकेश शर्मा, राजस्थान के कामा से विधायक नौक्षम चौधरी, पूर्व मंत्री कंवर संजय सिंह ने भी सैकड़ों श्रद्धालुओं के साथ नल्हड़ेश्वर मंदिर पहुंचकर जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के लिए मंगलकामना और सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। उपायुक्त विश्राम कुमार

मीणा ने बताया कि आज उत्तर प्रदेश, राजस्थान व हरियाणा से सम्मानित साधु-संत महात्मा बृजमंडल जलाभिषेक यात्रा में भाग लेने के लिए पहुंचे हैं। यात्रा मार्ग पर करीब 60 से अधिक स्थानों पर सभी धर्मों के लोग इस यात्रा का भव्य स्वागत करेंगे।

मंदिरों में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 100 से अधिक वॉलिंटियर सेवा में लगाए हुए हैं। दरअसल, वर्ष 2023 में ब्रज मंडल यात्रा के दौरान हिंसा की घटना हो गई थी, जिसमें कई लोग मारे गए थे। इस बार प्रशासन ने कड़े इंतजाम करते हुए 2500 से अधिक पुलिस जवान तैनात कर दिए। मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया। ड्रोन के माध्यम से क्षेत्र की निगरानी की गई। जिला प्रशासन ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आदेश पर यात्रा के मार्ग पर आने वाली सभी मीट की दुकानों को बंद करा दिया।

यात्रा में कोई खलल ना पड़े और झूठी अफवाहें नहीं फलाई जाए इसके लिए जिला प्रशासन ने 24 घंटों के लिए इंटरनेट सेवाओं को भी बंद कर दिया और स्कूलों को भी बंद करने के आदेश जारी किए गए। ब्रज मंडल की यात्रा में इस बार श्रद्धालुओं की सुविधा का ध्यान रखा है।

शुभांशु शुक्ला का ड्रैगन के आईएसएस से अलग होते ही वापसी का सफर शुरू

नई दिल्ली। ड्रैगन ग्रेस अंतरिक्ष यान के सोमवार को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से अलग होने के साथ शुभांशु शुक्ला और वाणिज्यिक एक्सिओम-4 मिशन के तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों की पृथ्वी की वापसी यात्रा शुरू हो गई। पिछले 18 दिनों से चारों अंतरिक्ष यात्री आईएसएस पर थे। ड्रैगन अंतरिक्ष यान आईएसएस से भारतीय समयानुसार शाम 4:45 बजे अलग हुआ। इसमें मूल कार्यक्रम से 10 मिनट की देरी हुई तथा कक्षीय प्रयोगशाला से दूर जाने के लिए उसने दो बार थ्रस्टर्स चालू किए।

शुक्ला, कमांडर पैगी व्हिटसन, तथा मिशन विशेषज्ञ पोलैंड के स्लावोज उज्नान्स्की-विस्नीव्स्की और हंगरी के टिबोर कापू सहित एक्सिओम-4 के चालक दल ने 26 जून को आईएसएस से जुड़ने के बाद से लगभग 76 लाख मील की दूरी तय करते हुए पृथ्वी के चारों ओर लगभग 433 घंटे या 18 दिन में 288 परिक्रमाएं कीं। गले मिलने और हाथ मिलाने के बाद,

चारों अंतरिक्ष यात्री अनडॉकिंग से लगभग दो घंटे पहले ड्रैगन अंतरिक्ष यान में प्रवेश कर गए, अपने स्पेससूट पहन लिए और भारतीय समयानुसार अपराह्न 2:37 बजे अंतरिक्ष यान को आईएसएस से जोड़ने वाले हैच को बंद कर दिया। रविवार को आईएसएस पर विदाई समारोह में शुक्ला ने कहा कि जल्दी ही धरती पर मुलाकात करते हैं। राकेश शर्मा के 1984 में अंतरिक्ष की यात्रा करने के बाद शुक्ला दूसरे भारतीय अंतरिक्ष यात्री हैं। अंतरिक्ष स्टेशन के आसपास के सुरक्षित क्षेत्र से बाहर निकलने के बाद, अंतरिक्ष यात्रियों ने पृथ्वी पर वापसी की 22.5 घंटे की आरामदायक यात्रा के लिए अपने स्पेससूट उतार दिए। ड्रैगन ग्रेस अंतरिक्ष यान द्वारा मंगलवार को भारतीय समयानुसार दोपहर 3:01 बजे कैलिफोर्निया तट पर पहुंचने के लिए डी-ऑर्बिट प्रक्रिया शुरू करने से पहले, अंतरिक्ष यात्री एक बार फिर स्पेससूट पहनेंगे। चारों अंतरिक्ष यात्रियों को पुनर्वास में सात दिन बिताने होंगे, क्योंकि उन्हें कक्षा में अनुभव की जाने वाली भारहीनता के विपरीत, गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव में पृथ्वी पर जीवन के लिए खुद को ढालना होगा। रविवार को 'एक्सपीडिशन 73' के अंतरिक्ष यात्रियों ने एक्सिओम-4 चालक दल के लिए एक पारंपरिक विदाई समारोह का आयोजन किया। एक्सिओम-4 मिशन चार दशकों से अधिक समय के बाद भारत, पोलैंड और हंगरी के लिए अंतरिक्ष में वापसी का प्रतीक था।

अंतिम तैयारियों में कैप्सूल के ट्रंक को अलग करना और वायुमंडल में प्रवेश से पहले हीट शील्ड को स्थापित करना शामिल है, जिससे अंतरिक्ष यान लगभग 1,600 डिग्री सेल्सियस के तापमान के संपर्क में आएगा। पैराशूट दो चरण में तैनात किए जाएंगे - पहले लगभग 5.7 किमी की ऊंचाई पर स्थिरीकरण पैराशूट, उसके बाद लगभग दो किमी की ऊंचाई पर मुख्य पैराशूट।

अशोक गजपति राजू गोवा के राज्यपाल, कवींद्र गुप्ता लद्दाख के उपराज्यपाल नियुक्त

नई दिल्ली। पूर्व नागर विमानन मंत्री पी. अशोक गजपति राजू को सोमवार को गोवा का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया, जबकि जम्मू-कश्मीर के पूर्व उपमुख्यमंत्री कवींद्र गुप्ता को लद्दाख का उपराज्यपाल नियुक्त किया गया।

आधिकारिक विज्ञप्ति अनुसार, पश्चिम बंगाल से भाजपा के वरिष्ठ नेता अशीम कुमार घोष हरियाणा के नए राज्यपाल होंगे। उनकी नियुक्तियां उनके कार्यभार संभालने की तिथि से प्रभावी होंगी। आंध्र प्रदेश से तेदेपा के नेता राजू गोवा के राज्यपाल के रूप में पी.एस. श्रीधरन पिल्लई का स्थान लेंगे।

लद्दाख के नवनियुक्त उपराज्यपाल गुप्ता जम्मू-कश्मीर के वरिष्ठ भाजपा नेता हैं। वह जम्मू-कश्मीर के पूर्व उपमुख्यमंत्री और पूर्ववर्ती राज्य विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष रह चुके हैं। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के उपराज्यपाल के रूप में वह ब्रिगेडियर बी डी मिश्रा (सेवानिवृत्त) का स्थान लेंगे।

विज्ञप्ति में कहा गया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख के उपराज्यपाल पद से ब्रिगेडियर मिश्रा का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है।

सावन के पहले सोमवार को दूधेश्वरनाथ मंदिर में शिव भक्तों का उमड़ा सैलाब, कड़े सुरक्षा बन्दोबस्त के बीच हुआ जलाभिषेक

गाजियाबाद। सावन के पहले सोमवार को ऐतिहासिक पीठ दूधेश्वरनाथ मंदिर में शिव भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। भगवान शिव के जलाभिषेक के लिए मंदिर के बाहर लंबी-लंबी कतारें लग गयी। मंदिर में महंत नारायण गिरी ने सबसे पहले भगवान शिव का जलाभिषेक किया। रात्रि में दस बजे से ही भगवान शिव के जलाभिषेक और दर्शन के लिए श्रद्धालु रात 10 बजे से ही मंदिर परिसर में जुटने लगे थे। श्रद्धालुओं की लाइन घंटा घर तक पहुंच गई। इस दौरान श्रद्धालु भगवान शिव का उदघोष करते रहे। इस दौरान कड़े सुरक्षा बंदोबस्त किए गए थे। रात्रि में 12 बजे मंदिर के कपाट खोल दिए गए। खास बात ये रही कि श्रद्धालु उत्तर प्रदेश ही नहीं बल्कि दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड, राजस्थान, गुजरात, तमिलनाडु आदि राज्यों से पहुंचे। मंदिर के मीडिया प्रभारी एसआर सुथार ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सुरक्षा व सेवाओं के विशेष प्रबंध किए गए हैं। परिसर और आसपास के क्षेत्रों में पुलिस बल व स्वयंसेवकों की तैनाती, सीसीटीवी निगरानी, जल व चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित की गई। पटेल नगर स्थित प्राचीन मंदिर के महंत विजय गिरि जी महाराज के सानिध्य में सुबह 4 बजे से ही जलाभिषेक शुरू हो गया। सबसे पहले महंत जी ने शिवलिंग का पूजन व अभिषेक किया, उसके बाद मंदिर भक्तों के लिए खोल दिया गया।

दिल्ली को मेडिकल हब बनाना सरकार का लक्ष्य : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली को मेडिकल हब बनाना सरकार का लक्ष्य है। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए दिल्ली सरकार सात अधूरी अस्पताल परियोजनाओं को सुपर स्पेशलिटी आईसीयू केंद्रों में बदल रही है, जहां विभिन्न गंभीर बीमारियों के लिए विशेष इलाज की सुविधा होगी।

मुख्यमंत्री ने यह जानकारी सोमवार को उत्तरी दिल्ली स्थित मॉडल टाउन क्षेत्र में नवनिर्मित यथार्थ मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार सिर्फ स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार ही नहीं कर रही, बल्कि उसे सुलभ, पारदर्शी और जन-संवेदनशील भी बना रही है। सरकार सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बीच सहयोग को बढ़ावा देकर राजधानी को एक मॉडल हेल्थकेयर सिस्टम की ओर ले जा रही है।

हमारा लक्ष्य है कि दिल्लीवासियों को तो बेहतर चिकित्सा सुविधा मिले, साथ ही देश की राजधानी को हम ऐसे मेडिकल हब में बदले, जहां देश-विदेश से लोग इलाज कराने आएं। मुख्यमंत्री ने बताया कि इसी आवश्यकता को देखते हुए दिल्ली सरकार सात अधूरी अस्पताल परियोजनाओं को सुपर स्पेशलिटी आईसीयू केंद्रों में बदल रही है, जहां विभिन्न गंभीर बीमारियों के लिए विशेष इलाज की सुविधा होगी।

हर अस्पताल को अलग बीमारी के इलाज के लिए समर्पित किया जाएगा, जैसे कैंसर, ट्रांसप्लांट या डिलीवरी के जटिल मामले। इसके साथ ही आईसीयू बेड्स की कमी को भी दूर किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व सरकारों के भ्रष्टाचार व विजन की कमी की वजह से दिल्ली का स्वास्थ्य ढांचा अभी भी अनेक गंभीर चुनौतियों से जूझ रहा है। उन्होंने कोविड काल को याद करते हुए बताया कि उस समय अस्पतालों में बिस्तरों की भारी कमी थी और कई लोगों को इलाज न मिलने के कारण अपनी जान गंवानी पड़ी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों के समय दिल्ली की स्वास्थ्य व्यवस्था जर्जर स्थिति में रही। उस समय प्रति 1,000 नागरिकों पर केवल 0.42 अस्पताल बेड उपलब्ध थे। 38 सरकारी अस्पतालों में केवल छह एमआरआई और 12 सीटी स्कैन मशीनें थीं, जो किसी भी महानगर के लिए बेहद चिंता की बात है। डॉक्टरों, मेडिकल स्टाफ, दवाओं और आधुनिक उपकरणों की भारी कमी थी। अब इस कमी को दूर करने और अस्पतालों को अति आधुनिक बनाने के गंभीर प्रयास चल रहे हैं। दिल्ली के लोगों को चिकित्सा के क्षेत्र में बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे।

मुख्यमंत्री ने बताया कि नवनिर्मित अस्पताल अत्याधुनिक चिकित्सा तकनीकों और बहुविशेषज्ञ सेवाओं से सुसज्जित है, जो दिल्ली सरकार की 'स्वस्थ दिल्ली, सशक्त दिल्ली' नीति को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह अस्पताल आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत भी सेवाएं देगा, जिससे समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को भी आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं निशुल्क मिल सकेंगी।

आयुर्वेद में अनुसंधान को आगे बढ़ाने के प्रयास निरंतर जारी रखने की आवश्यकता: जाधव

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान ने शल्यकॉन 2025 का किया उद्घाटन

नई दिल्ली (जनभावना टाइम्स)। केंद्रीय आयुष मंत्रालय के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव गणपतराव जाधव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप आयुर्वेद में अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि अनुसंधान को बढ़ावा देना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता बनी रहनी चाहिए। वैज्ञानिक शोध के माध्यम से हमारी पारंपरिक प्रणालियों की प्रभावकारिता को विश्व स्तर पर स्थापित किया जा सकता है।

जाधव सोमवार को अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) द्वारा सुश्रुत जयंती के मौके पर 13 से 15 जुलाई तक आयोजित शल्य तंत्र पर तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। शल्य चिकित्सा 2025 के उद्घाटन समारोह के मौके पर राज्यमंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार ने पहले ही आयुर्वेदिक चिकित्सकों को 39 शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं और 19 अतिरिक्त ऑपरेशन करने के लिए अधिकृत किया है, जिससे स्वास्थ्य सेवा के प्रति एकीकृत दृष्टिकोण को बल मिलता है।

इसके अतिरिक्त उपचारों की गुणवत्ता और सुरक्षा बनाए रखने के लिए शल्य चिकित्सा प्रोटोकॉल का मानकीकरण आवश्यक है। कार्यक्रम में आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा, उप महानिदेशक सत्यजीत पॉल, राष्ट्रीय सुश्रुत एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रो. मनोरंजन साहू, एआईआईए निदेशक प्रो. मंजूषा राजगोपाला, डीन प्रो. महेश व्यास, प्रो. योगेश बडवे मौजूद रहे। इस अवसर प्रो. मंजूषा राजगोपाला ने कहा कि यह आयोजन आयुर्वेदिक शल्य चिकित्सा के शास्त्रीय सिद्धांतों को आधुनिक स्वास्थ्य सेवा वितरण प्रणालियों के साथ एकीकृत करने के एआईआईए के मिशन को दर्शाता है। शल्यकॉन 2025 युवा आयुर्वेदिक शल्य चिकित्सकों को उभरती हुई शल्य चिकित्सा पद्धतियों का अवलोकन करने और उनसे जुड़ने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है। आयोजन अध्यक्ष डॉ. योगेश बडवे ने बताया कि एआईआईए अब प्रतिदिन 2000 से अधिक रोगियों की सेवा करता है।

इसके साथ शल्य तंत्र विभाग नियमित रूप से सामान्य, लेप्रोस्कोपिक, स्तन, एनोरेक्टल और मूत्र संबंधी सर्जरी करता है। ये प्रगति रोगी-केंद्रित एकीकृत देखभाल प्रदान करने में आयुर्वेद की प्रासंगिकता को रेखांकित करती है। उन्होंने कहा कि नवाचार, एकीकरण और प्रेरणाद्र विषय के साथ, शल्यकॉन 2025 आयुर्वेदिक शल्य चिकित्सा पद्धति में अनुसंधान, सहयोग और ज्ञान-साझाकरण को गति प्रदान करेगा, जिससे एकीकृत स्वास्थ्य सेवा में भारत के नेतृत्व को बल मिलेगा।

एमसीडी दिल्ली में 7 लाख से अधिक पौधे लगाएगी

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने सोमवार को ग्रीन एक्शन प्लान के तहत पौधारोपण अभियान की शुरूआत की। उन्होंने बताया कि पर्यावरण संरक्षण और हरित राजधानी के संकल्प के साथ इस साल दिल्ली में 7 लाख से अधिक पौधे लगाए जाएंगे। स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने एक बयान में बताया कि ग्रीन एक्शन प्लान के तहत वर्ष भर में कुल 7,03,298 पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिसमें 3 लाख पेड़, 4 लाख झाड़ियां और 3,298 बांस के पौधे शामिल हैं। इस अभियान को मानसून सीजन में गति दी गई है। उन्होंने बताया की अब तक दिल्ली के विभिन्न 12 जोनों में 66,242 पौधे रोपे जा चुके हैं। जिनमें 21,493 पेड़, 41,918 झाड़ियां और 2,831 बांस के पौधे हैं। सत्या शर्मा ने कहा कि नगर निगम के उद्यान विभाग ने बारिश के मौसम में अभियान को युद्ध स्तर पर शुरू किया है। यह अभियान

दिल्ली की हवा को साफ करने, तापमान में कमी लाने और जैव विविधता को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। शर्मा ने बताया की ग्रीन एक्शन प्लान को लेकर उद्यान विभाग के उच्च अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक भी की गई है। बैठक में इस वर्ष निर्धारित पौधारोपण लक्ष्य की पूर्ति, उपयुक्त स्थलों का चयन, पौधों की देखरेख और उनके संरक्षण से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए की इन पौधों को चरणबद्ध और सुनियोजित तरीके से दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में लगाया जाएगा। सत्या शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किए गए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि दिल्लीवासियों से अपील है कि वे अपनी मां के नाम पर कम से कम एक पौधा जरूर लगाएं। यह पर्यावरण सेवा के साथ-साथ मातृ भक्ति का प्रतीक बन सकता है। उन्होंने कहा कि हम सबको मिलकर दिल्ली को हरा और स्वच्छ बनाना है। सभी दिल्लीवासी इस हरित आंदोलन का हिस्सा बनें। यह सिर्फ पौधा लगाने का काम नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वस्थ और सुंदर दिल्ली की नींव रखने जैसा है।

अंतरराज्यीय मोबाइल चोरी गिरोह का पर्दाफाश, 27 फोन बरामद

नई दिल्ली(जनभावना टाइम्स)। दिल्ली पुलिस की पूर्वी जिला इकाई की एंटी नारकोटिक्स स्क्वाड ने 400 से अधिक सीसीटीवी फुटेज की जांच के बाद एक अंतरराज्यीय मोबाइल चोरी और तस्करी के गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में गिरोह के प्रमुख सदस्यों को गिरफ्तार किया गया और 27 चोरी के मोबाइल फोन बरामद किए गए।पूर्वी जिले के डीसीपी अभिषेक धनिया ने बताया कि 25 जून की सुबह, पूर्वी दिल्ली के प्रीत विहार, मंडावली और पीआईए पुलिस स्टेशन क्षेत्रों में एक स्कूटी सवार द्वारा मोबाइल फोन छीनने की घटनाएं सामने आई थीं। इन घटनाओं के बाद, पुलिस ने अलग-अलग मामले दर्ज किए और जांच शुरू की। पूर्वी जिला पुलिस ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए एक विशेष टीम का गठन किया, जिसका नेतृत्व डीसीपी और एसीपी पवन कुमार ने किया। टीम ने 400 से अधिक सीसीटीवी फुटेज की जांच की और संदिग्ध स्कूटी सवार की पहचान सलमान (37 वर्ष, न्यू उस्मानपुर, दिल्ली) के रूप में की। 6 जुलाई 2025

को सलमान को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में उसने अपराध कबूल किया और बताया कि वह चोरी के मोबाइल फोन शफी अहमद उर्फ टीपू (33 वर्ष, न्यू उस्मानपुर) को देता था। जांच में पता चला कि शफी अहमद चोरी के फोन नोएडा में एक कूरियर कंपनी में काम करने वाले भूपेंद्र (34 वर्ष, गौतम पुरी फेज-2 बदरपुर) के माध्यम से पश्चिम बंगाल के मालदा भेजता था। भूपेंद्र ने स्वीकार किया कि उसे प्रत्येक फोन पर कमीशन मिलता था। मालदा में चोरी के फोन मोहम्मद रहमान शेख (35 वर्ष) और इमारूल कायूस (36 वर्ष) को भेजे जाते थे, जो इन्हें बांग्लादेश में तस्करी करते थे। पुलिस ने मालदा में छापेमारी कर रहमान और इमारूल को गिरफ्तार किया, जिनके पास से 27 चोरी के मोबाइल फोन बरामद किए गए। इसके अलावा, सलमान की पत्नी गुलबहार (37 वर्ष, जगजीत नगर, न्यू उस्मानपुर) को भी गिरफ्तार किया गया, जो चोरी के फोन की बिक्री से प्राप्त धन अपने बैंक खाते में लेती थी। पुलिस ने छह से अधिक छिनतई मामलों में इस्तेमाल स्कूटी, अपराध के समय पहने गए कपड़े और 27 चोरी के मोबाइल फोन बरामद किए। लाभार्थियों के बैंक खातों की पहचान कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने बलात्कार मामले में दोषी की जेल की सजा कम की

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बलात्कार के मामले में सजायाफ्ता एक व्यक्ति की जेल की सजा 30 साल से घटाकर 20 वर्ष कर दी है। न्यायमूर्ति अमित शर्मा ने 11 जुलाई को पारित आदेश में कहा, रनिचली अदालत ने याचिकाकर्ता को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 376(2)(आई) और (एन) के तहत 30 साल की सजा सुनाते हुए दर्ज किया था कि उसका अपराध जघन्य प्रकृति का था और इसलिए उसे दी गई सजा उचित है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि याचिकाकर्ता का अपराध अत्यंत गंभीर है। अदालत ने कहा कि यह रिकॉर्ड में आने के बाद कि दोषी जेल में रसफाई सहायकश के रूप में काम कर रहा था और उसका आचरण संतोषजनक था, उसकी सजा की अवधि में संशोधन किया गया। अदालत ने कहा कि दोषी छह अप्रैल 2015 को गिरफ्तारी के बाद से ही हिरासत में है। फैसले में आईपीसी की धारा 376(2)(आई) (16 साल से कम उम्र की महिला के साथ बलात्कार) और (एन) (एक ही महिला के साथ बार-बार बलात्कार करना), 450 (घर में जबरन प्रवेश) और 506 (आपराधिक धमकी) के अलावा यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की धारा 3 और 4 (प्रवेशात्मक यौन हमला) के तहत उसे दी गई सजा को बरकरार रखा गया। हालांकि, अदालत ने उसे यौन उत्पीड़न के अपराध से बरी कर दिया। याचिकाकर्ता ने 12 साल की बच्ची के साथ अपराध के लिए दोषी ठहराए जाने के बाद निचली अदालत के 2013 के फैसले के खिलाफ अपील दायर की थी।

पेंशन मुद्दे पर AINPSEF का कश्मीर घाटी में सम्मेलन

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। ऑल इंडिया NPS एम्प्लाइज फेडरेशन जम्मू कश्मीर और ऑल सिख माइनारटीज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पुरानी पेंशन बहाली मुद्दे पर एनपीएस और यूपीएस को लेकर श्रीनगर में जागरूकता कार्यक्रम में दिल्ली के प्रदेश अध्यक्ष विनोद यादव के साथ फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ मनजीत सिंह पटेल बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे और उन्होंने कर्मचारियों के मध्य एनपीएस और यूपीएस को लेकर विचार रखे।

पटेल ने पुरानी पेंशन की बहाली तक के सफर और संघर्ष को कर्मचारियों के बीच साझा किया और कहा कि यूपीएस वस्तुतः ओल्ड पेंशन स्कीम का दरवाजा है जहां से अब ओपीएस की मंजिल ज्यादा दूर नहीं रह गई है। उन्होंने कहा कि नेशनल मिशन फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम भारत, देश के अंतिम कर्मचारी की पेंशन बहाली कराने तक संघर्ष जारी रखेगा। पटेल ने कहा कि ऑल इंडिया एनपीएस एम्पलाइज फेडरेशन दो उद्देश्यों को लेकर सरकार पर लगातार दबाव बनाए हुए है।

पहला 50% पेंशन के लिए 25 वर्ष के स्थान पर 20 वर्ष की सेवा को गणना का आधार और दूसरा वॉलंटरी रिटायरमेंट के दिन से पेंशन देने की शुरुआत। इन दोनों मांगों के पूरा किए बिना फेडरेशन कभी यूपीएस स्वीकार नहीं करेगी। उनके साथ पहुंचे दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष विनोद यादव ने कहा कि पेंशन की लड़ाई में ऑल इंडिया एनपीएस एम्पलाइज फेडरेशन ने अब तक काफी सफलता हासिल की है जैसे डेथ या डिसेबिलिटी के मामलों में पुरानी पेंशन का विकल्प और यूपीएस में ग्रेच्युटी और इस विकल्प का समावेश। इसी तरह हम आने वाले समय में अपने कर्मचारियों को भरोसा दिलाते हैं कि इस लड़ाई को हम पटेल जी के नेतृत्व में अंजाम तक पहुंचाएंगे।

कार्यक्रम का आयोजन जम्मू कश्मीर के अध्यक्ष मलिक रफीक, गुलजार अहमद, शेख आकाश,नासिर अहमद और ऑल सिख माइनारटीज एसोसिएशन की अध्यक्ष जगमीत कौर बाली के द्वारा किया गया जिसमें 250 से अधिक कर्मचारी शामिल हुए। सम्मेलन में गुलजार अहमद चौपान, मलिक रफीक,शेख आकाश, परमजीत सिंह, कुलबीर सिंह और जगमीत कौर बाली ने अपने विचार रखते हुए घोषणा की,कि NPS कर्मचारियों के सभी मुद्दों पर जम्मू कश्मीर के कर्मचारी ऑल इंडिया NPS एम्प्लाइज फेडरेशन के साथ मजबूती के साथ खड़े रहेंगें।

नई दिल्ली। सावन के पहले सोमवार को कांवड़िए गंगाजल लेकर दिल्ली के मंदिरों में पहुंच रहे हैं।

कांवड़ यात्रा सांस्कृतिक संस्कारों की प्रतीक : मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को कहा कि कांवड़ यात्रा आस्था का वह पावन संगम है, जो दिल्ली की सड़कों को तीर्थ बना देती है। यह परंपरा हमारे जीवंत सांस्कृतिक संस्कारों की प्रतीक है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि हम सभी का सौभाग्य है कि इस यात्रा को सहज, सुलभ, सम्मानजनक और भव्य बनाने का अवसर दिल्ली सरकार को प्राप्त हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने सावन के पहले सोमवार पर सभी शिवभक्तों को मंगलकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि भोलेनाथ की कृपा से हर घर में सुख, शांति और समृद्धि का वास हो। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को कांवड़ शिविरों की व्यवस्था परखने के लिए उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की थी। बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने एक विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि इस बार दिल्ली के लोगों में कांवड़ियों के स्वागत का विशेष सेवा भाव है, इसीलिए इस बार शिविर लगाने के लिए 374 आवेदन मिले हैं। इस बार दिल्ली सरकार ने व्यवस्था को पारदर्शी बनाया और एक सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से अनुमति प्रक्रिया को सरल और तेज कर दिया।

अब किसी संस्था को अलग-अलग एजेंसियों के चक्कर नहीं काटने पड़े और सभी को मात्र 48 से 70 घंटों में अनुमति मिल गई। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि सरकार ने इस वर्ष शिविरों को बिजली आपूर्ति के लिए 1200 यूनिट तक निशुल्क सुविधा दी है। इसके अलावा, टॉयलेट्स की पूरी व्यवस्था सरकार स्वयं कर रही है, जिसमें 24 घंटे तैनात सफाईकर्मी भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इससे कांवड़ शिविरों में स्वच्छता और सुविधा का नया मानदंड स्थापित होगा। इसके अतिरिक्त शिविरों में स्वास्थ्य टीमें तैनात की गई हैं, जो पास के अस्पतालों से समन्वय बनाकर सेवाएं देंगी। साथ ही यातायात पुलिस और दिल्ली नगर निगम द्वारा सभी व्यवस्थाएं पहले से सुनिश्चित कर ली गई हैं। उन्होंने कहा कि इस बार कांवड़िये जब दिल्ली में प्रवेश करेंगे तो उन्हें अलग ही नजारा मिलेगा। उनकी सेवा के लिए सरकार और दिल्ली के लोग पलक-पांवड़े बिछाए बैठे हैं।

कांवड़ यात्रा के दौरान किसी भी तरह की बाधा बर्दाश्त नहीं की जाएगी: रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली के शाहदरा में कांवड़ यात्रा मार्ग पर कांच के टुकड़े बिखरे पाये जाने के कुछ दिनों बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को कहा कि यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की बाधा बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

एक कार्यक्रम के दौरान गुप्ता ने यात्रा में किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न करने के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा कि उनकी सरकार कांवड़ियों को सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, ₹कांवड़ यात्रा मार्ग पर लगभग 400 मीटर तक कांच के टुकड़े बिखरे हुए पाए गए। किसी भी प्रकार की बाधा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि कांवड़ यात्रा में कोई सुरक्षा बाधा या रुकावट पैदा की जाती है तो संबंधित व्यक्ति को सरकार को जवाब देना होगा। उन्होंने एक कार्यक्रम से इतर कहा, ''सरकार शिवभक्तों के लिए पूरी तरह सुरक्षित और आरामदायक कांवड़ यात्रा सुनिश्चित करेगी।

हम पूरी सुविधाएं देंगे और कांवड़ियों का स्वागत करेंगे।'' पुलिस ने रविवार को बताया कि एक ई-रिक्शा चालक को हिरासत में लिया गया, क्योंकि उसके वाहन पर ले जाए जा रहे कांच के पैनल टूटकर दिल्ली के शाहदरा में कांवड़ यात्रा मार्ग पर बिखर गए थे। उन्होंने बताया कि ई-रिक्शा 19 ग्लास पैनल लेकर उत्तर प्रदेश के शालीमार गार्डन से दिल्ली के सीलमपुर जा रहा था, तभी चिंतामणि चौक और झिलमिल मेट्रो स्टेशन के बीच उसे कथित तौर पर पीछे से टक्कर मार दी गई।

सीमए रेखा गुप्ता ने की 'तन्वी द ग्रेट' की तारीफ
कहा- सभी बच्चे जरूर देखें फिल्म

नई दिल्ली। दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित पीवीआर में रविवार शाम बॉलीवुड फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' की स्पेशल स्क्रीनिंग हुई। इसका हिस्सा दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता बनीं। फिल्म की अभिनेत्री शुभांगी दत्त और एक्टर-डायरेक्टर अनुपम खेर भी शामिल हुए।

सीएम रेखा गुप्ता ने फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' की तारीफ की और कहा कि दुनिया भर के हर बच्चे को यह फिल्म जरूर देखनी चाहिए। फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' को देखने के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मीडिया से बात करते हुए कहा, "मैं अनुपम खेर को बधाई देती हूं, जिन्होंने इस फिल्म में स्पेशल बच्चों की सुनहरी उड़ान को दिखाया है। इस फिल्म का हर एक पल इतना मार्मिक था कि मैं उसे शब्दों में बयां नहीं कर सकती। इसका विषय अपने आप में इतना सशक्त और सुंदर है कि देश ही नहीं, बल्कि दुनिया भर के हर बच्चे को यह फिल्म जरूर देखनी चाहिए। मैं भी चाहूंगी कि दिल्ली सरकार की तरफ से ज्यादा से ज्यादा बच्चों को ये फिल्म दिखाएं। मैं इस फिल्म के लिए अनुपम खेर और उनकी पूरी टीम को बधाई और शुभकामनाएं देती हूं।" फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' के डायरेक्टर और एक्टर अनुपम खेर ने कहा, "एक फिल्म को बनाने में चार साल लगते हैं, लेकिन मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को फिल्म पसंद आई और उन्होंने इसकी तारीफ की।

मुझे लगता है कि इस तरह की फिल्मों को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचना चाहिए। ये फिल्म एक बच्ची की कहानी है, जिसे हमने सुपर हीरो बनाया है।" इसके अलावा, एक्ट्रेस शुभांगी दत्त ने 'तन्वी द ग्रेट' पर बात करते हुए कहा, "यह पूरा अनुभव बहुत भावुक करने वाला रहा। लोग फिल्म की तारीफ कर रहे हैं और इसे प्यार दे रहे हैं, इसलिए यह बहुत ही भावुक और अभिभूत करने वाला अहसास है। दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता और राष्ट्रपति मुर्मू ने फिल्म को सराहा है। बता दें कि 'तन्वी द ग्रेट' 18 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। यह फिल्म 21 वर्षीय 'ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर' से जूझ रही लड़की तन्वी रैना पर आधारित है, जो अपनी मां विद्या और दादा कर्नल प्रताप रैना के साथ रहती है। फिल्म में अनुपम खेर कर्नल प्रताप रैना का किरदार निभा रहे हैं। एक्ट्रेस शुभांगी दत्त फिल्म में तन्वी का रोल कर रही हैं। इनके अलावा, फिल्म में जैकी श्रॉफ, पल्लवी जोशी और बोमन ईरानी जैसे सितारे भी हैं।

दिल्ली के तीन स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी अफवाह निकली

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के दो स्कूल और एक 'नेवी चिल्ड्रन स्कूल' को सोमवार सुबह मिली बम से उड़ाने की धमकी को गहन जांच के बाद अधिकारियों ने ''अफवाह'' घोषित कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि सोमवार सुबह प्रशांत विहार और द्वारका सेक्टर-16 स्थित केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) विद्यालयों और चाणक्यपुरी स्थित 'नेवी चिल्ड्रन स्कूल' को धमकी भरे ईमेल मिले। बाद में अधिकारियों ने स्कूल परिसर की गहन जांच की, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिलने के उपरांत धमकी को अफवाह घोषित कर दिया। दिल्ली अग्निशमन सेवा ने बताया कि दोनों स्कूलों में दमकल की एक-एक गाड़ी भेजी गईं। अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने कहा, ''विभाग सहित कई एजेंसियों द्वारा गहन जांच के बाद इसे (धमकी) अफवाह घोषित कर दिया गया।'' पुलिस उपायुक्त (द्वारका) अंकित सिंह ने कहा, ''सोमवार सुबह द्वारका उत्तर थाने को सूचना मिली जिसमें सीआरपीएफ स्कूल में बम की धमकी की सूचना दी गई। तुरंत तलाशी ली गई। स्थानीय पुलिस, श्वान दस्ते और बम निरोधक दस्ते स्कूल पहुंचे और गहन जांच की।'' उन्होंने बताया कि साइबर पुलिस विशेषज्ञ ईमेल के स्रोत का पता लगा रहे हैं।

पुलिस उपायुक्त ने कहा, ''स्कूल में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। अभी तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है।'' पुलिस उपायुक्त (रोहिणी) राजीव रंजन ने कहा, ''हमें सुबह करीब आठ बजे स्कूल से सूचना मिली। प्रशांत विहार स्थित सीआरपीएफ स्कूल परिसर में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिलने के बाद इसे अफवाह घोषित कर दिया गया।

पुलिस ने नकली नोटों से 40 लाख की ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया, चार गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिण जिला की स्पेशल स्टाफ ने एक बड़े ठग गिरोह का भंडाफोड़ किया किया है। आरोपित लोगों को नकदी के बदले बैंक में जमा पैसे एक्सचेंज करने का झांसा देकर लाखों की ठगी करते थे। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान निखिल, प्रिंसपाल, परवेज और असगर खान उर्फ अख्तर खान उर्फ बंटी के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से 1.25 करोड़ रुपये की डमी करेंसी (जिन पर मनोरंजन बैंग लिखा था। एक कैश काउंटिंग मशीन, 7.5 लाख नकद, 4.50 लाख बैंक में फ्रीज राशि और एक मोबाइल फोन बरामद किया है। दक्षिणी जिले के डीसीपी अंकित चौहान के अनुसार छह जुलाई को एक व्यक्ति ने सीआर पार्क में शिकायत दी कि वह एक प्रॉपर्टी खरीदना चाहता था और इसके लिए अपने परिचितों से पैसे जुटाए थे। चार जुलाई को उसकी मुलाकात कुछ लोगों से हुई जिन्होंने खुद को बैंक में जमा धनराशि को नकद में बदलने वाले बताए। एक फ्लैट में उसे बुलाकर नकदी दिखाकर विश्वास में लिया और उससे 40 लाख रुपये अपने खाते में ऑनलाइन ट्रांसफर करवा लिए। बदले में उसे एक बैग में नकदी दी गई जो कैश काउंटिंग मशीन में गिनी भी गई थी। लेकिन जब उसने बैग खोला तो उसमें केवल ₹मनोरंजन बैंक₹ के नकली नोट थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए स्पेशल स्टाफ की टीम का गठन किया गया। इंस्पेक्टर गिरीश चंद्र की देखरेख में पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज, व्हाट्सएप कॉल डिटेल्स, बैंक ट्रांजेक्शन की गहराई से विश्लेषण किया गया। नौ जुलाई को गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने सैदुलाजाब स्थित एक फ्लैट से तीन आरोपित निखिल, प्रिंस पाल और परवेज को गिरफ्तार किया गया। अगले दिन असगर खान को भी उसी फ्लैट से दबोचा गया।मुख्य आरोपित असगर खान ने बताया कि उसे यह ठगी का तरीका एक नसीम नामक व्यक्ति ने सिखाया था। गिरोह का हर सदस्य एक निश्चित भूमिका निभाता था। क्लाइंट को "लाइनर" के माध्यम से लाया जाता, फ्लैट किराए पर लिया जाता और नकली नोटों की साजिश वहां रची जाती। कैश गिनने के दौरान असली नोटों को बेडशीट के नीचे बने छेद से गिराकर उनकी जगह डमी नोट रख दिए जाते थे।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली के छत्तरपुर विधानसभा में स्थित संजय कॉलोनी भाटी माइंस में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के चिकित्सा सेवा प्रकोष्ठ, दिल्ली प्रदेश द्वारा एक निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक चला, जिसमें 250 से अधिक मरीजों की मुफ्त स्वास्थ्य जांच की गई। शिविर में डॉ. अविनाश कुमार, डॉ. रवि कुमार, डॉ. साकेत, डॉ. राजीव कुमार गुप्ता सहित कई विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं दीं। आयोजन में विकास अरोरा, नरेश आर्य, नायाब आमिर, शैलेश कुमार, ललित साहू, फूलो देवी, संतोष कुमार, बसंत ठाकुर, सीताराम पासवान, राम अवतार, जितेंद्र कुशवाहा, अमित कुमार, सुबोध पंडित, अशोक पंडित, सविता सिंह कुशवाहा, अमन, कृष्णा, नितिन, अंकित, हरिंदर, सनी, ऋषभ, लक्ष्य जैसे कार्यकर्ताओं और गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के चिकित्सा सेवा प्रकोष्ठ, दिल्ली प्रदेश के संयोजक डॉ. विभू आनंद ने बताया कि इस शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना था। उन्होंने स्थानीय कार्यकर्ताओं के सहयोग की सराहना की और कहा कि भविष्य में दिल्ली के सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में ऐसे निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे। यह पहल समाज के कमजोर वर्गों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आपसी झगड़े में दो दोस्तों ने एक दूसरे पर चाकू से किया हमला, दोनों की मौत

नई दिल्ली। पश्चिमी जिले के तिलक नगर इलाके में रविवार देर रात आपसी झगड़े ने दो दोस्तों की जान ले ली। पुलिस के मुताबिक दोनों युवक बी-ब्लॉक, ख्याला के रहने वाले थे। दोनों काफी समय से एक-दूसरे को जानते थे। रविवार रात करीब 11 बजे दोनों दोस्त तिलक नगर स्थित पार्क में बैठे थे। इसी दौरान किसी बात पर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। बहस इतनी बढ़ गई कि हाथापाई में तब्दील हो गई। पुलिस को शुरुआती जांच में पता चला है कि हाथापाई के दौरान दोनों ने एक-दूसरे पर चाकू से हमला किया। झगड़े में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद आसपास मौजूद स्थानीय लोगों ने दोनों को तुरंत दीन दयाल उपाध्याय (डीडीयू) अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल से पुलिस को सूचना दी गई कि बी-ब्लॉक से दो लोगों को चाकू से घायल अवस्था में अस्पताल लाया गया है।

सूचना पर पुलिस अस्पताल पहुंची। पुलिस जांच में सामने आया कि दोनों घायलों को भर्ती तो किया गया, लेकिन उनकी हालत बेहद गंभीर है। देर रात इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई। जांच में मृतकों की पहचान आरिफ और संदीप के रूप में हुई है। दोनों ख्याला (बी ब्लॉक) के रहने वाले थे और एक ही गली में रहते थे। पश्चिमी जिले के डीसीपी विचित्र वीर के अनुसार पुलिस ने मामले में कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना की बारीकी से जांच की जा रही है। पुलिस टीम ने स्थानीय स्तर पर पूछताछ भी की है। जिससे झगड़े की असली वजह का पता लगाया जा सके। इसके साथ ही पड़ोसियों व प्रत्यक्षदर्शियों से बातचीत कर यह जानकारी जुटाई जा रही है कि आखिर उन दोनों के बीच ऐसा क्या विवाद हुआ कि आपसी विवाद जानलेवा झगड़े में तब्दील हो गया। पुलिस कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट समेत अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के अनुसार, दोनों शादीशुदा थे। जांच में पता चला है कि संदीप का प्रॉपर्टी से जुड़ा कारोबार था और वह पहले एक जिम ट्रेनर भी रह चुका है। वहीं आरिफ प्राइवेट कंपनी में काम करता था।

मामूली कहासुनी में मिस्त्री ने पेट्रोल फेंका
आग लगने से पीड़ित घायल

नई दिल्ली। दिल्ली के आरके पुरम इलाके में कार खड़ी करने को लेकर झगड़ा होने पर एक व्यक्ति ने गाड़ी के अंदर बैठे दूसरे व्यक्ति पर कथित तौर पर पेट्रोल डाल दिया, जिससे वाहन में आग लग गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। उसने बताया कि यह घटना रविवार को आरके पुरम के सेक्टर आठ मार्केट में रात करीब साढ़े नौ बजे हुई जिसमें सफाईकर्मी राहुल चौहान (40) गंभीर रूप से झुलस गया। पुलिस के मुताबिक मैकेनिक गया प्रसाद (42) उर्फ कालू ने खड़ी कार में अपने रिश्तेदारों के साथ बैठे चौहान से अपनी गाड़ी उसकी दुकान के पास से हटाने को कहा। इसी बात पर दोनों के बीच विवाद हो गया तथा प्रसाद ने गुस्से में आकर कथित रूप से चौहान पर पेट्रोल डाल दिया, जिससे कार के अंदर संभवतः जलती हुई सिगरेट की वजह से आग लग गई। पुलिस ने कहा कि प्रसाद से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी-दक्षिण पश्चिम) अमित गोयल ने बताया कि आरके पुरम थाने में एक मैकेनिक द्वारा एक व्यक्ति को जलाने की सूचना देने के लिए एक पीसीआर कॉल आई थी जिसके बाद पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और उसने झुलस गये व्यक्ति को पीसीआर वाहन से तत्काल ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया। डीसीपी ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, ''दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में सफाईकर्मी के रूप में कार्यरत राहुल चौहान अपने चचेरे भाई और दो अन्य लोगों के साथ एक कार में बैठा था, तब यह झगड़ा हुआ।'' गोयल के अनुसार चौहान के चचेरे भाई सिद्धांत राज ने पुलिस को बताया कि उनकी गाड़ी गया प्रसाद की दुकान के पास खड़ी थी तथा प्रसाद ने कथित तौर पर उनसे गाड़ी हटाने को कहा, जिस पर बहस हुई। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि जब चौहान ने मना किया, तो मैकेनिक ने कथित तौर पर उस पर पेट्रोल डाल दिया। उन्होंने कहा, ''प्रारंभिक जांच के अनुसार, संभवतः कार के अंदर जलती हुई सिगरेट के कारण पेट्रोल ने आग पकड़ ली जिससे चौहान का चेहरा और सीना झुलस गया एवं कार को भी आग से नुकसान पहुंचा।'' पुलिस का कहना है कि झुलस गये व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने चिकित्सा -विधिक मामला (एमएलसी) रिपोर्ट में बताया कि वह 20 प्रतिशत तक जल गया है तथा उसकी हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। चौहान के बयान के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 109(1) (हत्या का प्रयास) के तहत कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है।

पीड़ित के भाई ने दी मामले की जानकारी

गोयल के अनुसार चौहान के चचेरे भाई सिद्धांत राज ने पुलिस को बताया कि उनकी गाड़ी गया प्रसाद की दुकान के पास खड़ी थी तथा प्रसाद ने कथित तौर पर उनसे गाड़ी हटाने को कहा, जिस पर बहस हुई। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि जब चौहान ने मना किया, तो मैकेनिक ने कथित तौर पर उस पर पेट्रोल डाल दिया। उन्होंने कहा, प्रारंभिक जांच के अनुसार, संभवतः कार के अंदर जलती हुई सिगरेट के कारण पेट्रोल ने आग पकड़ ली जिससे चौहान का चेहरा और सीना झुलस गया एवं कार को भी आग से नुकसान पहुंचा।

संपादकीय
आदित्य वशिष्ठ

नकली नोट की चोट

हालांकि, भारत पूरी दुनिया में डिजिटल लेनदेन के मामले में अग्रणी बना हुआ है और यहां दुनिया भर में होने वाले लगभग आधे रियल टाइम लेन-देन डिजिटल भुगतान के जरिये ही होते हैं। हालांकि, नकदी रहित अर्थव्यवस्था का सरकारी महत्वाकांक्षी लक्ष्य हासिल करने के मार्ग में अभी तमाम बाधाएं विद्यमान हैं। लेकिन चिंता की बात यह है कि अभी भी अर्थव्यवस्था में नकली करेंसी की मौजूदगी बनी हुई है। केंद्रीय बैंक आरबीआई के गवर्नर ने एक संसदीय समिति को जानकारी दी है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान कुल छह करोड़ से ज्यादा नोटों में से पांच सौ रुपये के 1.18 लाख नोट नकली पाए गए हैं। केंद्रीय बैंक की वार्षिक रिपोर्ट बताती है कि इन नोटों की संख्या में एक साल में 37 फीसदी से ज्यादा की वृद्धि हुई है। जो यह दर्शाता है कि कालाबाजारी करने वाले राष्ट्र विरोधी तत्व देश में मुद्रा की मांग का गलत फायदा उठा रहे हैं। विडंबना यह है कि राजस्व खुफिया निदेशालय द्वारा नोट में इस्तेमाल होने वाले आयातित कागज और नकली नोट छापने में शामिल ऑपरेटरों पर लगातार कार्रवाई के बावजूद यह गंभीर समस्या बनी हुई है। निस्संदेह, हाल के वर्षों में, भारत ने नकली नोटों की कालाबाजारी पर अंकुश लगाने व काले धन पर रोक के लिये डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने के लिये अपनी स्थिति खासी मजबूत की है। सरकार की सोच है कि काले धन पर रोक लगाने के लिए नगद लेन-देन को हतोत्साहित किया जाए। निस्संदेह, यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई ने भारत के आर्थिक लेन-देन तंत्र में क्रांति ला दी है। भुगतान के तमाम विकल्पों ने भारतीय नागरिकों के आर्थिक व्यवहार को बहुत आसान बना दिया है। हालांकि, अभी भी ऐसे लोगों की कमी नहीं है जो डिजिटल माध्यम से लेन-देन में परहेज करते हैं। निस्संदेह, नकदी पर उनकी निर्भरता का मूल कारण डिजिटल शिक्षा का अभाव ही है। साथ ही इसके कारणों में भ्रष्टाचार और कर चोरी की नीयत भी शामिल है। ऐसे में सरकार को डिजिटल खाई को पाटने की दिशा में रचनात्मक पहल करनी चाहिए। वहीं दूसरी आर्थिक अनियमितताएं करने वाले तत्वों से भी सख्ती से निबटा जाना चाहिए। हालांकि, दो हजार के नोट अब प्रचलन से बाहर हो चुके हैं, लेकिन उनका कानूनी आधार बना हुआ है। इस दिशा में यथाशीघ्र निर्णय लिया जाना चाहिए। यह भी चिंता की बात है कि नोटबंदी के आठ साल बाद भी रियल एस्टेट क्षेत्र में काले धन का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल बना हुआ है। निस्संदेह, डिजिटल युग में भी 'नकदी ही राजा है' मानने वालों को रोकने के लिये जांच और कानूनों को सख्ती से लागू करने की जरूरत है। साथ ही इस दिशा में भी गंभीरता से विचार करना चाहिए कि भारतीय अर्थव्यवस्था को कमजोर करने की कोशिश में लगी विदेशी ताकतों की नकली करेंसी के प्रसार में कितनी बड़ी भूमिका है। विगत में पाकिस्तान से ड्रग मनी व आतंकी संगठनों की मदद के लिये नकली करेंसी के उपयोग की खबरें सामने आती रही हैं।

अमेरिका पर ही भारी पड़ने वाला है टैरिफ युद्ध

> *वैश्विक स्तर पर अमेरिका द्वारा छेड़े गए इस टैरिफ युद्ध से निपटने के लिए भारत एक विशेष रणनीति के अंतर्गत कार्य करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत ने वैश्विक मंच पर न तो अमेरिका के टैरिफ की दरों में वृद्धि सम्बंधी निर्णयों की आलोचना की है और न ही भारत में अमेरिका से आयातित वस्तुओं पर टैरिफ बढ़ाने की धमकी दी है। बल्कि, भारत ने तो अमेरिका से आयात होने वाली कुछ विशेष वस्तुओं पर टैरिफ को कम कर दिया है। दरअसल, भारत इस समय विकास के उस चक्र में पहुंच गया है जहां पर भारत को अपना पूरा ध्यान आर्थिक क्षेत्र को आगे बढ़ाने पर केंद्रित करने की आवश्यकता है। भारत को यदि वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में शामिल करना है तो आगे आने वाले लगभग 20 वर्षों तक लगातार लगभग 8 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर को बनाए रखना अति आवश्यक है। इसलिए भारत एक विशेष रणनीति के अंतर्गत अपने आर्थिक विकास पर अपना ध्यान केंद्रित करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत के रूस के साथ भी अच्छे सम्बंध हैं तो अमेरिका से भी अपने सम्बन्धों को सामान्य बनाए रखने के लिए प्रयत्नशील है। भारत के इजरायल के साथ भी अच्छे सम्बंध हैं तो ईरान के साथ भी भारत के व्यापारिक सम्बंध हैं। रूस एवं यूक्रेन युद्ध के बीच भी भारत ने दोनों देशों के साथ अपना संतुलित व्यवहार बनाए रखा है। इसी कड़ी में, चीन के साथ भी आवश्यकता अनुसार बातचीत का दौर जारी रखा जा रहा है, बावजूद इसके कि कई बार अंतरराष्ट्रीय मंचों पर चीन अप्रत्यक्ष रूप से भारत के विरुद्ध कार्य करता हुआ दिखाई देता है।*

– प्रहलाद सबनानी

अमेरिकी में डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के साथ ही दुनिया के लगभग समस्त देशों के साथ अमेरिका द्वारा टैरिफ युद्ध की घोषणा कर दी गई है। किंतु अमेरिका विभिन्न देशों से होने वाले आयात पर भारी भरकम टैरिफ लगाकर एवं टैरिफ की दरों में बार-बार परिवर्तन कर इस टैरिफ युद्ध को किस दिशा में ले जाना चाह रहा है, इस सम्बंध में अब तक स्पष्टता का पूर्ण अभाव दिखाई देता है। इसे यदि भारत के संदर्भ में देखें तो ट्रंप द्वारा कई बार यह घोषणा की गई है कि वह भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता शीघ्र ही सम्पन्न करेगा। इसके लिए भारतीय प्रतिनिधिमंडल अमेरिका गया भी और निर्धारित समय सीमा से अधिक समय तक वहां रहकर द्विपक्षीय समझौते के अंतिम रूप को अमेरिकी राष्ट्रपति के समक्ष प्रस्तुत करने में भी सफल रहा, परंतु अभी तक अमेरिका द्वारा इस द्विपक्षीय व्यापार समझौते की घोषणा नहीं की जा सकी है।

दूसरी ओर इस बीच अमेरिका ने कई देशों के विरुद्ध टैरिफ की दरों को बढ़ा दिया है। विशेष रूप से जापान एवं दक्षिणी कोरिया से अमेरिका को आयात होने वाली वस्तुओं पर 1 अगस्त 2025 से 25 प्रतिशत की दर से टैरिफ लगाया जाएगा। इसी प्रकार, 12 अन्य देशों से अमेरिका में होने वाले आयात पर भी टैरिफ की बढ़ी हुई नई दरें लागू किये जाने का प्रस्ताव किया गया है। इस सम्बंध में अमेरिकी राष्ट्रपति ने इन 14 देशों के राष्ट्राध्यक्षों को पत्र भी लिखा है। फिलहाल भारत इस सूची में शामिल नहीं है। पूर्व में अमेरिका द्वारा चीन से आयात होने वाले उत्पादों पर भारी भरकम टैरिफ की घोषणा की गई थी। चीन ने भी अमेरिका से होने वाली आयातित वस्तुओं पर लगभग उसी दर पर टैरिफ लागू करने की घोषणा कर दी थी। साथ ही, चीन ने विभिन्न देशों को दुर्लभ खनिज पदार्थों (रेयर अर्थ मिनरल) के निर्यात पर रोक लगा दी थी। कहना होगा कि अमेरिका में चीन के इस निर्णय का बहुत गहरा प्रभाव पड़ा था।

जिसके दबाव में अमेरिका ने चीन के साथ व्यापार समझौता करते हुए चीन से आयात होने वाली विभिन्न वस्तुओं पर टैरिफ की दरों को तुरंत कम कर दिया। अमेरिका द्वारा इसी प्रकार का एक द्विपक्षीय व्यापार समझौता ब्रिटेन के साथ भी सम्पन्न किया जा चुका है। पूर्व में, ट्रंप प्रशासन ने 90 दिवस की अवधि में 90 देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते करने की बात कही थी तथा 90 दिवस की समयावधि 9 जुलाई को समाप्त होने के पश्चात भी केवल दो देशों ब्रिटेन एवं चीन के साथ ही द्विपक्षीय व्यापार समझौता सम्पन्न हो सका है।

वैश्विक स्तर पर अमेरिका द्वारा छेड़े गए इस टैरिफ युद्ध से निपटने के लिए भारत एक विशेष रणनीति के अंतर्गत कार्य करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत ने वैश्विक मंच पर न तो अमेरिका के टैरिफ की दरों में वृद्धि सम्बंधी निर्णयों की आलोचना की है और न ही भारत में अमेरिका से आयातित वस्तुओं पर टैरिफ बढ़ाने की धमकी दी है। बल्कि, भारत ने तो अमेरिका से आयात होने वाली कुछ विशेष वस्तुओं पर टैरिफ को कम कर दिया है। दरअसल, भारत इस समय विकास के उस चक्र में पहुंच गया है जहां पर भारत को अपना पूरा ध्यान आर्थिक क्षेत्र को आगे बढ़ाने पर केंद्रित करने की आवश्यकता है। भारत को यदि वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में शामिल करना है तो आगे आने वाले लगभग 20 वर्षों तक लगातार लगभग 8 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर को बनाए रखना अति आवश्यक है। इसलिए भारत एक विशेष रणनीति के अंतर्गत अपने आर्थिक विकास पर अपना ध्यान केंद्रित करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत के रूस के साथ भी अच्छे सम्बंध हैं तो अमेरिका से भी अपने सम्बन्धों को सामान्य बनाए रखने के लिए प्रयत्नशील है। भारत के इजरायल के साथ भी अच्छे सम्बंध हैं तो ईरान के साथ भी भारत के व्यापारिक सम्बंध हैं। रूस एवं यूक्रेन युद्ध के बीच भी भारत ने दोनों देशों के साथ अपना संतुलित व्यवहार बनाए रखा है। इसी कड़ी में, चीन के साथ भी आवश्यकता अनुसार बातचीत का दौर जारी रखा जा रहा है, बावजूद इसके कि कई बार अंतरराष्ट्रीय मंचों पर चीन अप्रत्यक्ष रूप से भारत के विरुद्ध कार्य करता हुआ दिखाई देता है। अभी हाल ही में चीन ने भारत को दुर्लभ खनिज पदार्थों (रेयर अर्थ मिनरल) की आपूर्ति पूर्णतः रोक दी है। साथ ही, मानसून का मौसम भारत में प्रारम्भ हो चुका है एवं भारत में कृषि क्षेत्र में गतिविधियां अपने चरम स्तर पर पहुंच गई हैं, ऐसे अत्यंत महत्वपूर्ण समय पर चीन द्वारा भारत को उर्वरकों की आपूर्ति पर परेशनियां खड़ी की जा रही हैं। चीन द्वारा समय-समय पर भारत के लिए खड़ी की जा रही विभिन्न समस्याओं के हल हेतु भारत ने विश्व के पूर्वी देशों एवं विश्व के दक्षिणी भाग में स्थित देशों की ओर रूख किया है।

अभी हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घाना, नामीबिया, अर्जेंटीना, ब्राजील, त्रिनिदाद एवं टोबैगो जैसे देशों की यात्रा इस उद्देश्य से सम्पन्न की है ताकि दुर्लभ खनिज पदार्थों की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। इन देशों में दुर्लभ खनिज पदार्थ पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। भारत में 140 करोड़ नागरिकों का विशाल बाजार उपलब्ध है, जिसे अमेरिका एवं चीन सहित विश्व का कोई भी देश नजरअन्दाज नहीं कर सकता है। यदि अमेरिका एवं चीन भारत के साथ अपने सम्बन्धों को किसी भी कारण से बिगाड़ने का प्रयास करते हैं तो लम्बी अवधि में इसका नुकसान इन्हीं देशों को अधिक है, क्योंकि ऐसी स्थिति में वे भारत के विशाल बाजार से वंचित हो जाएंगे। वैसे भारत आज फार्मा, ऑटो, कृषि, इंजीनीयरिंग, टेक्नॉलोजी, स्पेस तकनीकी, सूचना प्रौद्योगिकी, आदि क्षेत्रों में बहुत आगे निकल चुका है। देखा जाए तो आज भारत विकास के उस पड़ाव पर पहुंच चुका है, जिसकी अनदेखी विश्व का कोई भी देश नहीं कर सकता।

पूरे विश्व में आज केवल भारत ही युवा देश की श्रेणी में गिना जा रहा है क्योंकि भारत की 65 प्रतिशत से अधिक आबादी 35 वर्ष से कम आयुवर्ग में हैं तथा लगभग 40 प्रतिशत आबादी 15 से 35 वर्ष के आयुवर्ग में शामिल हैं। अतः एक तरह से भारत आज विश्व के लिए श्रम का आपूर्ति केंद्र बन गया है। लम्बे समय से रूस एवं यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध के बाद जब इन देशों में आधारभूत सुविधाओं को पुनर्विकसित करने का कार्य प्रारम्भ होगा तो इन्हें भारतीय श्रमिकों एवं इंजीनियरों की आवश्यकता पड़ेगी ही। एक अनुमान के अनुसार अकेले रूस द्वारा में लगभग 10 लाख भारतीयों की मांग की जा सकती है। इसी प्रकार, इजरायल एवं हमास तथा ईरान के बीच युद्ध की समाप्ति के पश्चात इन देशों में भी बुनियादी ढांचे को पुनः मजबूत करने का कार्य जब प्रारम्भ होगा तो इन देशों को भी भारतीय नागरिकों की आवश्यकता पड़ेगी। इजरायल, जापान सिंगापुर एवं ताईवान आदि देशों द्वारा तो पूर्व में भी भारतीय इंजिनीयरों की मांग की जाती रही है। अमेरिका, ब्रिटेन एवं अन्य यूरोपीय देशों में तो डॉक्टर एवं इंजीनियरों की भारी मांग पूर्व से ही बनी हुई है। अतः आज भारत पूरे विश्व में डॉक्टर, इंजीनियर तथा श्रमिक उपलब्ध कराने के मामले बहुत आगे है। भारत की इस ताकत की अनदेखी आज कोई भी देश नहीं कर सकता है। फिर भी अमेरिका के साथ अभी हम टैरिफ को लेकर इंतजार की स्थिति में है। यदि वह भारतीय संदर्भों को नजरअंदाज करता है, तो यह मान लीजिए कि उसे भविष्य में बड़ा नुकसान होना तय है।

फाइलों में लटकी तबादला नीति: शिक्षक टकटकी लगाए बैठा है

– डॉ. सत्यवान सौरभ

हरियाणा के शिक्षक एक बार फिर से असमंजस, अफवाहों और अधूरी सूचनाओं के बीच फंसे हुए हैं। स्कूलों में रोज सुबह की शुरुआत चाय और स्टाफरूम की बातचीत से होती है- 'ट्रांसफर कब होंगे?' इस प्रश्न का उत्तर किसी के पास नहीं, पर अनुमान सबके पास है। कोई कहता है अगस्त में, कोई कहता है कैबिनेट के बाद, कोई मानता है अब तो सत्र बीच में आ चुका है, इसलिए विभाग कुछ नहीं करेगा। सब कुछ ठहरा हुआ, धुंधला और अधर में लटका हुआ प्रतीत होता है।

मॉडल संस्कृति विद्यालयों और प्रधानमंत्री श्री योजना के तहत चयनित स्कूलों में शिक्षक तैनाती हेतु जो परीक्षा हुई थी, उसके परिणाम बनकर तैयार हैं। लेकिन घोषणा इसलिए नहीं हो रही क्योंकि सामान्य तबादला नीति 2025 को अभी तक कैबिनेट की स्वीकृति नहीं मिली है। यहां यह प्रश्न अनिवार्य हो जाता है कि क्या परीक्षा करवाने से पहले यह सुनिश्चित नहीं किया गया था कि नीति बन चुकी है या उसके अनुमोदन की समयसीमा क्या होगी? यदि परीक्षा का परिणाम नीति पर टिका है, तो उसे पहले क्यों लिया गया? यह एक प्रशासनिक चूक है या राजनीतिक विलंब? परिणाम न घोषित करने का तर्क यह भी दिया जा रहा है कि वे सीलबंद लिफाफों में रखे गए हैं जिन्हें किसी ने नहीं देखा, ताकि कोई हस्तक्षेप संभव न हो। यह 'सीलबंद ईमानदारी' की परंपरा एक ओर दिखाती है कि विभाग पारदर्शिता का ढोंग कर रहा है और दूसरी ओर यह भी स्पष्ट करता है कि परिणामों के साथ कुछ न कुछ संभावित 'खेल' से विभाग खुद भी डरता है।

इस स्थिति को और अधिक हास्यास्पद बनाती है विभाग की दोहरी प्रवृत्ति-जब वह स्कूल मैनेजमेंट कमेटी (एसएमसी) जैसी संरचना बनाकर एक महीने में ही भंग कर देता है। यही विभाग है जो दिसंबर से तबादले करवाने की बात कर रहा है और जुलाई तक कोई भी ठोस कदम नहीं उठाया। हर सप्ताह एक नया आदेश आता है और अगले सप्ताह कोई दूसरा अधिकारी उसे रद्द करा देता है। इससे यह साफ हो जाता है कि विभाग में समन्वय का सर्वथा अभाव है। हर कोई अपने स्तर पर 'फैसला' लेने को तत्पर है, लेकिन शिक्षा व्यवस्था को दिशा देने वाला कोई नहीं। शिक्षक वर्ग इस भ्रम और अपारदर्शिता से मानसिक थकावट का शिकार हो चुका है। हर विद्यालय में इसी एक मुद्दे पर बातचीत होती है-कोई ट्रांसफर की फाइल बनवा रहा है, कोई सीसीएल फॉर्म भरवा रहा है, कोई रिजल्ट आने की प्रतीक्षा में है, और कोई अपने संपर्कों से जानकारी जुटाने की कोशिश में है। एक प्रकार का मानसिक खिंचाव और अस्थिरता है जो शिक्षकों के काम को प्रभावित कर रहा है। ऐसे में यह सोचने योग्य है कि जिस व्यवस्था पर भविष्य की पीढ़ी टिकी है, वह खुद अस्थिर और भ्रामक हो गई है। इसके पीछे प्रशासन की निर्णयहीनता तो है ही, साथ ही यह राजनीतिक प्राथमिकताओं की भी उपेक्षा है। चुनावों, घोषणाओं, और दिखावटी योजनाओं में सरकारें व्यस्त हैं लेकिन शिक्षक तबादला नीति जैसी बुनियादी जरूरतों को लेकर कोई स्पष्टता नहीं है। जब शिक्षक मानसिक रूप से अस्थिर रहेंगे, तो बच्चों की पढ़ाई कैसे स्थिर रह पाएगी? हरियाणा के कई जिलों में एक ही शिक्षक दो-दो स्कूलों में पढ़ा रहा है, कुछ स्कूलों में विषय विशेषज्ञ ही नहीं हैं, और दूसरी ओर जिनका तबादला होना चाहिए, वे वर्षों से एक ही स्थान पर टिके हैं।

मैनजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम (एमआईएस) को आधार बनाकर ऑनलाइन तबादला प्रणाली की बात की गई थी। पर नीति न बनने के कारण यह सिस्टम भी अपडेट नहीं हो पा रहा। तकनीक का नाम लेकर प्रक्रियाओं को पारदर्शी बनाने का दावा तो किया गया, लेकिन जब तक नीति नहीं आती, तब तक सब कुछ एक क्लिक से दूर है। यह एक ऐसा डिजिटल सपना है जो अभी तक साकार नहीं हुआ। शिक्षकों का प्रमोशन हुआ, कई स्थान रिक्त हो गए। अब सवाल यह है कि क्या ट्रांसफर प्रमोशन के बाद होंगे? अगर हां, तो फिर कितने और प्रमोशन लंबित हैं? इन सवालों का कोई जवाब विभागीय वेबसाइट पर नहीं है, केवल शिक्षक संगठनों के व्हाट्सएप ग्रुप में अफवाहें हैं। यही नहीं, विभाग के ही एक अधिकारी के अनुसार कैबिनेट की बैठक अगस्त में प्रस्तावित है। इसका मतलब है कि नीति अगस्त के अंतिम सप्ताह तक आएगी, तब तक तो सत्र का मध्य आ जाएगा। और फिर यही तर्क दिया जाएगा कि बच्चों की पढ़ाई बाधित न हो, इसलिए तबादले अगले सत्र तक स्थगित किए जाएं।

यह चक्र हर साल दोहराया जाता है। नीति नहीं बनती, फिर कहा जाता है सत्र बीच में है। शिक्षक अपनी योजना नहीं बना पाते। न वे सीसीएल ले सकते हैं, न मानसिक रूप से तैयार हो सकते हैं कि उन्हें स्थानांतरण मिलेगा या नहीं। विभाग एक गंभीर संकट में है-जहाँ फाइलें चल रही हैं पर निर्णय नहीं। इस असमंजस का सबसे बड़ा नुकसान विद्यार्थी झेलते हैं। जब कोई शिक्षक दो साल से ट्रांसफर की प्रतीक्षा में है, तो उसका ध्यान स्वाभाविक रूप से पढ़ाई से हटता है। कई शिक्षक ऐसे हैं जो घर से सैकड़ों किलोमीटर दूर कार्यरत हैं और पारिवारिक जिम्मेदारियों के कारण मन से अशांत हैं। क्या यही मानसिकता लेकर वे बच्चों को शिक्षा दे पाएंगे? यह भी सत्य है कि हरियाणा में तबादलों के नाम पर वर्षों से राजनीति हुई है। कभी ट्रांसफर लिस्ट में भाई-भतीजावाद होता है, कभी पंचायत चुनावों से पहले तबादले रुक जाते हैं, कभी किसी नेता के कहने पर नाम जोड़ या घटा दिए जाते हैं। पारदर्शिता की बात केवल नीति पत्रों में होती है, जमीन पर उसका कोई संकेत नहीं मिलता। यदि सरकार और विभाग वास्तव में शिक्षा सुधार को गंभीरता से लेना चाहते हैं, तो उन्हें इस स्थिति को सुधारने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे। सबसे पहले-स्पष्ट समय सीमा दी जाए कि तबादला नीति कब आएगी। दूसरा-जब तक नीति नहीं आती, तब तक परीक्षा परिणामों को लेकर भ्रम न फैलाया जाए। तीसरा-विभागीय समन्वय बढ़ाया जाए ताकि एक आदेश आने के बाद कोई दूसरा अधिकारी उसे रद्द न कर सके। और सबसे महत्वपूर्ण-हर प्रक्रिया को ऑनलाइन ट्रैक करने योग्य बनाया जाए।

ट्रांसफर कोई कृपा नहीं, यह शिक्षक का अधिकार है। उसे 'फेवर' की तरह प्रस्तुत करना, एक अपमानजनक प्रवृत्ति है। शिक्षक न तो कोई राजनैतिक कार्यकर्ता हैं, न ही किसी गुट का हिस्सा। वे उस नींव के पत्थर हैं, जिन पर समाज का भविष्य खड़ा है। और यदि नींव को ही अनिश्चितता में रखा जाएगा, तो शिखर कैसे मजबूत बनेगा? यह लेख एक आग्रह है-शिक्षा विभाग और सरकार से, कि वह इस भ्रम, ढुलमुल रवैये और प्रशासनिक कायरता से बाहर आए। तबादला नीति को केवल फाइलों और लॉकरों में बंद करने के बजाय, ज़मीन पर उतारें। क्योंकि शिक्षक अब थक चुका है। और जब शिक्षक थकता है, तो पूरा समाज सुस्त हो जाता है।

मंगलवार का व्रत करने से दूर होती है नकारात्मक ऊर्जा

मंगलवार का व्रत बल, साहस, सम्मान और पुरुषार्थ को बढ़ाने वाला माना जाता है। व्रत करने से हनुमान जी प्रसन्न होते हैं और हमारे जीवन के सभी संकट दूर करते हैं। साथ ही यह भी माना जाता है कि इस व्रत को करने से सभी प्रकार की बुरी शक्तियां और नकारात्मक ऊर्जा दूर रहती है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि मंगलवार को ही हनुमान जी का व्रत क्यों किया जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार और स्कंदपुराण में बताया गया है कि मंगलवार को हनुमान जी का जन्म हुआ था। इस वजह से मंगलवार का दिन हनुमान जी को समर्पित होता है। मंगलवार का व्रत करने से सभी तरह के कष्ट और संकट दूर होते हैं। इसी वजह से हनुमान जी को संकटमोचन भी कहा जाता है। हनुमान जी का मंगल ग्रह से भी संबंध होता है। ऐसे में मंगलवार का व्रत करने से और सुंदरकांड का पाठ करने से मंगल के अशुभ प्रभाव दूर होते हैं।

धर्मकर्म

व्रत में करें इन नियमों का पालन

- मंगलवार का व्रत करने के दौरान सबसे ज्यादा पवित्रता का ध्यान रखा जाता है।
- पूजा के दौरान शांत मन से प्रभु का स्मरण करें।
- मंगलवार को व्रत के दौरान नमक का सेवन न करें।
- इस दिन मीठी वस्तुओं का दान करते हैं, तो स्वयं उसको ग्रहण न करें।
- व्रत में भूलकर भी काले या सफेद कपड़े पहनकर बजरंगबली की पूजा न करें। इस दिन लाल कपड़े पहनना शुभ माना जाता है।
- व्रत रखने वाले जातक को सिर्फ दिनभर में एक बार भोजन करना चाहिए।

कब से करें व्रत की शुरूआत

अगर आप मंगलवार का व्रत शुरू कर रहे हैं, तो किसी भी महीने के शुक्ल पक्ष के मंगलवार से शुरू कर सकते हैं। वहीं अगर आप किसी मनोकामना के साथ व्रत शुरू कर रहे हैं, तो 21 या 45 मंगलवार व्रत करने का संकल्प लेना चाहिए। ऐसा करने से आपकी मनोकामना पूरी होती है। वहीं 21 या 45 व्रत करने के बाद उद्यापन कर देना चाहिए। इस दिन ब्राह्मणों को भोजन करवाने के साथ दान-पुण्य भी करें।

आज का इतिहास

1904 – अमेरिका के लॉस एंजिल्स में पहला बौद्ध मंदिर बना।
1910 – एमिल क्रेपलिन ने एलॉइस अल्जाइमर के नाम पर अल्जाइमर बीमारी का नाम दिया।
1916 – दुनिया की सबसे बड़ी एयरोस्पेस कंपनी बोइंग की शुरुआत।
1926 – बॉम्बे (अब मुंबई) में पहली मोटरबस सेवा शुरू।
1955 – प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने देश के तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु को सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न देने की घोषणा की।
1961 – स्पेन ने पुरुषों और महिलाओं के लिए समान अधिकारों को स्वीकार किया।
1968 – अमेरिका और तत्कालीन सोवियत संघ के बीच वाणिज्यिक विमान सेवा की शुरुआत।
1979 – भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने अपने पद से इस्तीफा दिया।
2000 – सिएरा लियोन में सैन्य कार्रवाई कर बंधक बनाए गए सभी भारतीय सैनिकों को मुक्त कराया गया।
2002 – पाकिस्तान में अमेरिकी पत्रकार डेनियल पर्ल के हत्यारे उमर शेख को अदालत ने मौत की सजा सुनाई।
2005 – श्रीलंका के सुप्रीम कोर्ट ने सुनामी राहत सामग्री बंटवारे विषयक सरकार-लिट्टे समझौते को निलंबित किया।
2008 – नेपाल में दोनों प्रमुख वामपंथी दलों के बीच देश के प्रथम राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति पद पर नियुक्तियां और नई सरकार के गठन पर सहमति बनी।
2011 – भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने पीएसएलवी सी-17 के जरिए जीसैट-12 ए का श्रीहरिकोटा से सफल प्रक्षेपण किया।

उत्तराखंड ही नहीं, देशभर में चलना चाहिए 'ऑपरेशन कालनेमि'

– डॉ. मयंक चतुर्वेदी

सनातन हिंदू धर्म और संस्कृति पर कई तरह से प्रहार किए जा रहे है, इसके उदाहरण भी आए दिन सामने आते हैं, किंतु जिस तरह से लैंड जिहाद, लव जिहाद, थूक जिहाद जैसे किसी भी नकारात्मक जिहाद के विरोध में उत्तराखंड सरकार द्वारा एक्शन लेने के बाद ऑपरेशन 'कालनेमि' शुरू किया गया है। इसने कुछ ही दिन में यह सच्चाई सभी के सामने ला दी है कि सनातन धर्म को बदनाम करने के लिए जो अनेक षड्यंत्र चल रहे हैं, उनमें से एक साधूवेष धारण करना भी है। एक आस्थावन सनातनी साधु वेष को देखकर अपनी क्या प्रतिक्रिया देगा, यह किसी को आज बताने की जरूरत नहीं, किंतु बदले में उसे क्या मिलेगा, यह अहम है। ऐसे में ये तमाम छद्म वेषधारी हिंदू आस्था पर सीधे प्रहार कर रहे हैं।

वस्तुतः भारतीय शास्त्रों में देखें तो 'कालनेमि' रामायण काल का एक राक्षस था, जिसने छद्मवेश धारण कर 'संजीवनी' लेने जा रहे हनुमानजी का रास्ता रोकने की कोशिश की थी। रामायण की सुप्रसिद्ध मायावी राक्षसनी ताड़का उसकी दादी थी व मारीच उसके पिता। 'कालनेमि' अपनी माया से किसी का भी रूप धारण कर सकता था इसलिए रावण ने उसे यह महत्वपूर्ण कार्य सौंपा कि वह किसी भी हाल में हनुमान जी को 'संजीवनी' हिमालय न लाने दे, ताकि लक्ष्मण की बेहोशी मृत्यु में बदली जा सके। लेकिन जैसे ही हनुमान को 'कालनेमि' के एक साधु वेश में होने का पता चला, उन्होंने अत्यंत क्रोधित हो उसी समय 'कालनेमि' का वध कर दिया था। वर्तमान दौर में भी कई 'कालनेमि' सनातन धर्म को तरह-तरह से समाप्त करने का षड्यंत्र कर रहे हैं। अब हरिद्वार से पकड़े गए इन सभी इस्लामिक कालनेमियों को देखिए, जो साधू के वेश में सनातनधर्मियों को ठग रहे थे। मो. अहमद पुत्र रहु निवासी ग्राम बोडिंग हाउस जिला हरदोई उत्तर प्रदेश। रशीद पुत्र बपाती निवासी वार्ड न. 7 फूलबाग थाना नरसिंह गढ़ जिला राजगढ़। मो. इमरान पुत्र इस्लाम निवासी 11 बी तिलजला थाना कड़ाया कोलकता पश्चिम बंगाल। मो. जैनउद्दीन पुत्र शेख अब्बास निवासी बेलवारी वार्ड न. 13 अंचल पलासी पखरी बिहार। मो. सलीम (पिरान कलियर, हरिद्वार)। रुकन राकम उर्फ शाह आलम- बांग्लादेशी नागरिक, जिसने तिलक और जटा धारण कर रखे थे; वह खुद को 'शिव योगी' बता रहा था। इसी तरह से अन्य अपराधी और ठग पकड़े गए हैं, जोकि सनातन को साधू वेश धारण कर बदनाम कर रहे थे।

इस संदर्भ में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी कह रहे हैं कि वर्तमान समय में भी बहुत सारे 'कालनेमि' छद्म वेष बनाकर अनेक स्थानों पर अपनी पहचान छुपाकर के धार्मिक भावनाओं को आहत करने का काम कर रहे हैं। उनका यह कृत्य सनातन को नुकसान पहुंचाना है और जो सच्चे धर्म की खोज में, पुण्य की खोज में और अपनी आत्मा के प्रकाश को प्राप्त करने के लिए भगवान की शरण में जाते हैं। देवभूमि या अन्य स्थानों पर जाते हैं। उनका किसी न किसी रूप में मार्ग भटकाने का काम ये छद्म वेषधारी ठग करते हैं। ऐसे सभी लोगों की पहचान कर उन्हें रोकने और उनकी सच्चाई उजागर करने के लिए ही हमने ये ऑपरेशन 'कालनेमि' चलाया है। हमारी सरकार जनभावनाओं, सनातन संस्कृति की गरिमा की रक्षा और सामाजिक सौहार्द बनाये रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

हाल ही में एक प्रकरण उत्तर प्रदेश की एटीएस के प्रयासों से भी छांगुर बाबा उर्फ मोहम्मद जलालुद्दीन का सामने आया है। उसके पास से एक किताब 'शिजर-ए-तैयबा' नाम की बरामद हुई है। जिसके बारे में कहा जा रहा है कि इस किताब का इस्तेमाल लव जिहाद और इस्लामिक कन्वर्जन के लिए किया जा रहा था। पुस्तक का मकसद कोई धार्मिक प्रचार नहीं, बल्कि विशेष एजेंडे के तहत ब्रेनवॉश करना था। पुस्तक में मुस्लिम युवकों और हिंदू युवतियों को इस्लाम के नाम पर जोड़ने और प्रेरित करने की बातें की गई हैं। यहां तक कि किताब में 'धर्मी लोगों की सेना' तक का जिक्र किया गया है, यानी ऐसे लोग जो इस्लाम के लिए अपनी जान देने को तैयार हों। साथ ही इसमें विस्तार से बताया गया है कि लोगों को इस्लाम के प्रति कैसे आकर्षित किया जाए और किस तरह धर्मांतरण की मुहिम चलाई जाए। यह किताब सोशल नेटवर्किंग और धार्मिक कार्यक्रमों के जरिए युवाओं तक पहुंचाई जाती थी, जिससे वे धीरे-धीरे कट्टरपंथी विचारधारा की ओर आकर्षित होते जाएं। 'शिजर-ए-तैयबा' की तरह ही आज यह सामने आया है कि देश भर में अनेक नामों से इसी प्रकार की किताबें चलन में हैं, जोकि ब्रेनवॉश का काम करती हैं। दीने-तालीम के नाम पर मदरसों में क्या पढ़ाया जा रहा है, किसी भी राज्य सरकार को इसके बारे में पता नहीं है।

आप सोचिए; एक छांगुर बाबा ने क्या कर दिया! उसने हजारों गैर मुसलमानों का ब्रेनवॉश, 1500 से अधिक हिंदू महिलाओं के साथ लव जिहाद कर इस्लाम कबूल करवाना। हर हिंदू युवतियों को लव जिहाद में फंसाने के लिए 10 से 20 लाख रुपये तक मुस्लिम युवक को देने की व्यवस्था, कई सौ करोड़ का साम्राज्य, दो हजार से अधिक स्लीपर सेल की टीम खड़ी करना, वह भी किसलिए सिर्फ इस्लाम के लिए। भारत को गजबा-ए-हिंद बनाने के लिए। आप यह भी विचार कर सकते हैं कि यह कोई अचानक नहीं हो गया है, पिछले कई सालों से यह सब चल रहा है। छांगुर, पिछले 15 वर्षों से अवैध धर्मांतरण गिरोह चला रहा था। सोचने वाली बात यह है कि इसका पूरा षड्यंत्र कितना गोपनीय रहा होगा कि पुलिस का खुफिया तंत्र एवं देश की सुरक्षा एजेंसी भी इतने सालों तक उसकी भनक नहीं लगा सकीं। गजबा-ए-हिंद की गंदी सोच सिर्फ इस बाबा की नहीं है, हाल ही में एनआईए राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने आईएसआईएस पुणे स्लीपर मॉड्यूल में 11 लोग गिरफ्तार किए हैं, जिसमें कि रिजवान अली (अबु सलमा/मोला) की अहम गिरफ्तारी है। ऐसे ही मो. इमरान खान, मो. यूनुस साकी पकड़ा गया। मध्य प्रदेश एवं राजस्थान में एचयूटी के आतंकवादी पकड़े गए। जिसमें मुह्सिन खान (प्रमुख योजनाकार, वित्तपोषक) की गिरफ्तारी बहुत अहम है। एनआईए द्वारा बिहार, यूपी, गुजरात व केरल में कई स्थानों पर रेड की गई और कई आरोपियों के साथ संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। कर्नाटक से तीन एलईटी सहयोगी पकड़े गए हैं। कुछ कश्मीरी युवक भी पकड़े गए हैं। आज सोचने वाली बात यह है कि देश भर में न जानें इस तरह के कितने षड्यंत्र सनातन के विरोध में चल रहे हैं!

सवाल यह है कि क्या यह ऑपरेशन जो मुख्यमंत्री धामी के विचारों की उपज है, सिर्फ उत्तराखंड तक ही सीमित रहना चाहिए अथवा भारत के हर राज्य में इसी तरह से एक ऑपरेशन चलाया जाना चाहिए? जिसे कि उत्तराखंड की तरह ही राज्य सरकार हाथ में लेकर चलाए। वास्तव में आज इस अभियान में जैसी कार्रवाई फर्जी साधुओं और ठगी करने वालों के खिलाफ हो रही है, वह एक राज्य तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। सनातन धर्म या किसी भी मत, पंथ, संप्रदाय के खिलाफ देश भर में कहीं भी कुछ अपराध घट रहा है तो उस पर तुरंत अंकुश लगाना आवश्यक है, इसलिए कहना होगा कि उत्तराखंड में जो धामी 'ऑपरेशन कालनेमि' के जरिए कर रहे हैं, वह किसी भी रूप में सही देश के हर राज्य में किए जाने की जरूरत है। क्योंकि भारतीय संविधान सभी की सुरक्षा, मौलिकता और धर्म स्वातंत्र्य की गारंटी देता है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 **संपादक - आदित्य वशिष्ठ** कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री ने किया बिम्सटेक पोर्ट सम्मेलन को संबोधित

भारत वैश्विक सीफेयरिंग ताकत: सोनोवाल

नई दिल्ली। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने ओडिशा के विशाखापत्तनम में आयोजित बिम्सटेक बंदरगाह सम्मेलन 2025 में भारत की समुद्री प्रगति और क्षेत्रीय सहयोग को नई उंचाई पर पहुंचाने की बात कही। सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहा कि बंगाल की खाड़ी में साझा समुद्री नियति की दिशा में यह सम्मेलन एक निर्णायक कदम है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'पड़ोसी पहले' नीति का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत अपने बिम्सटेक साझेदारों के साथ मिलकर निर्बाध संपर्क, क्षमता निर्माण और व्यापार को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने अपने एक्स पोस्ट में लिखा कि हाल ही में समुद्री परिवहन सहयोग पर हुआ बिम्सटेक समझौता एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, जो व्यापार में सुगमता, बंदरगाह एकीकरण, जहाजों, चालक दल और माल की पारस्परिक मान्यता के लिए रास्ता खोलता है। उन्होंने कहा कि भारत के बंदरगाह अब केवल व्यापार के प्रवेश द्वार नहीं, बल्कि क्षेत्रीय समृद्धि के इंजन बन चुके हैं। सागरमाला, हरित सागर और 'समुद्री अमृत कालः विजन 2047' जैसी योजनाएं इस दिशा में भारत की दीर्घकालिक सोच को दर्शाती हैं। सम्मेलन को संबोधित करते हुए सोनोवाल ने कहा कि भारत ने 'रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म' की त्रिस्तरीय रणनीति के माध्यम से बंदरगाह क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार किए हैं।

उन्होंने आंकड़ों के साथ बताया कि भारत का बासेल टर्नअराउंड टाइम घटकर चार दिन से कम होकर अब एक दिन से भी नीचे आ गया है, जो कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और जर्मनी जैसे विकसित देशों से बेहतर है। कंटेनराइज्ड कार्गो हैंडलिंग में 70 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है, जो 2024 में 79 लाख 20 फीट लंबे कंटेनर (टीईयूएस) से बढ़कर 2025 में 1.35 करोड़ टीईयूएस हो गया है। उन्होंने बताया कि भारत आज दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा सीफेयरिंग राष्ट्र है, जो वैश्विक स्तर पर 15 फीसदी योगदान देता है। 2014 में 1.08 लाख सीफेयरर्स की संख्या बढ़कर अब 3.20 लाख हो गई है, जो 200 फीसदी की वृद्धि है। माल ढुलाई क्षमता भी पिछले दशक में दोगुनी होकर 140 करोड़ मीट्रिक टन प्रति वर्ष से बढ़कर 276.2 करोड़ मीट्रिक टन हो गई है। समुद्री पर्यटन में भी भारत ने 500 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है, जहां क्रूज टूरिज्म 84,000 से बढ़कर 5 लाख तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि तटीय शिपिंग 87 मिलियन मीट्रिक टन से बढ़कर 165 मिलियन मीट्रिक टन हो गई है, जबकि अंतर्देशीय जल परिवहन में माल ढुलाई 2014 में 18 मिलियन मीट्रिक टन से बढ़कर 140 मिलियन मीट्रिक टन हो गई है, जो 700 फीसदी की वृद्धि को दर्शाता है। सार्वजनिक-निजी भागीदारी को प्रोत्साहन देकर निवेश में 3.5 गुना बढ़ोतरी हुई है और प्रमुख बंदरगाहों पर कार्गो हैंडलिंग में 60 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है।

सोनोवाल ने कहा कि 'सागरमाला' कार्यक्रम ने बंदरगाह आधारित विकास को बढ़ावा दिया है, जबकि 'ग्रीन पोर्ट' दिशा-निर्देशों ने भारत की सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित किया है। निवेश को और अधिक आकर्षित करने के लिए समुद्री विकास कोष की शुरुआत की गई है और 'वन नेशन, वन पोर्ट प्रोसेस' पहल के जरिए सभी प्रमुख बंदरगाहों में संचालन प्रक्रियाओं को एकरूप किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत का अब तक का समुद्री विकास शानदार रहा है और अब हमारा लक्ष्य और भी अधिक ऊंचाइयों को छूना है।

उमर अब्दुल्ला ने शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए कब्रिस्तान का गेट फांदा

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को 13 जुलाई, 1931 को डोगरा सेना की गोलीबारी में मारे गए 22 लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए नक्शबंद साहिब कब्रिस्तान का गेट फांदकर अंदर प्रवेश किया। यह नाटकीय दृश्य उस समय सामने आया जब अब्दुल्ला और नेशनल कांफ्रेंस सहित विपक्षी दलों के कई नेताओं को शहीद दिवस के मौके पर कब्रिस्तान जाने से रोकने के लिए एक दिन पहले घर पर नजरबंद कर दिया गया था।

नेशनल कांफ्रेंस अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला खनयार चौक से शहीद स्मारक तक एक ऑटो रिक्शा में पहुंचे, जबकि शिक्षा मंत्री सकीना इट्टू स्कूटी पर पीछे बैठकर स्मारक तक पहुंचीं। सुरक्षा बलों ने श्रीनगर के व्यस्त क्षेत्र में खनयार और नौहट्टा की ओर से शहीद कब्रिस्तान जाने वाली सड़कों को सील कर दिया था। जैसे ही उमर अब्दुल्ला का काफिला पुराने शहर के खनयार इलाके में पहुंचा, वह अपनी गाड़ी से उतर गए और कब्रिस्तान तक पहुंचने के लिए एक किलोमीटर से अधिक पैदल चले, लेकिन प्राधिकारियों ने कब्रिस्तान का द्वार बंद कर दिया था।

इसके बाद मुख्यमंत्री कब्रिस्तान के मुख्य द्वार पर चढ़ गए और अंदर प्रवेश कर 'फातिहा' पढ़ा। उनके सुरक्षाकर्मी और नेशनल कांफ्रेंस के कई अन्य नेता भी गेट पर चढ़ गए जिसके बाद अंततः गेट खोल दिया गया। उमर अब्दुल्ला ने उन्हें और उनके दल को शहीदों के कब्रिस्तान में प्रवेश करने से रोकने पर उपराज्यपाल और पुलिस की कड़ी आलोचना की।

उमर ने कब्रिस्तान में श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद संवाददाताओं से कहा कि यह दुखद है कि जो सुरक्षा और कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी संभालते हैं, उन्हीं के निर्देश पर हमें यहां 'फातिहा' पढ़ने की अनुमति नहीं दी गई। हमें रविवार को घर में नजरबंद रखा गया। जब द्वार खुले तो मैंने नियंत्रण कक्ष से फातिहा पढ़ने की इच्छा व्यक्त की। कुछ ही मिनटों में बंकर लगा दिए गए और देर रात तक उन्हें हटाया नहीं गया। अब्दुल्ला ने कहा कि देखिए इनकी बेशर्मी, इन्होंने आज भी हमें रोकने की कोशिश की। इन्होंने हमें धक्का देने की भी कोशिश की। पुलिस कभी-कभी कानून भूल जाती है। प्रतिबंध जब रविवार के लिए था, तो आज मुझे क्यों रोका गया? उन्होंने आगे कहा कि हर मायने में यह एक स्वतंत्र देश है। उन्होंने कहा कि लेकिन ये हमें अपना गुलाम समझते हैं। हम गुलाम नहीं हैं। हम सेवक हैं, लेकिन जनता के सेवक है। मुझे समझ नहीं आता कि वर्दी में रहते हुए भी वे कानून की धज्जियां क्यों उड़ाते हैं? अब्दुल्ला ने कहा कि उन्होंने और उनकी पार्टी के नेताओं ने उन्हें पकड़ने की पुलिस की कोशिशों को नाकाम कर दिया।

अब्दुल्ला ने कहा कि उन्होंने हमें पकड़ने की कोशिश की, हमारे झंडे को फाड़ने की कोशिश की, लेकिन सब कुछ व्यर्थ गया। हम यहां आए और 'फातिहा' पढ़ा। उन्हें लगता है कि शहीदों की कब्र केवल 13 जुलाई को यहां होती हैं, लेकिन वे तो सालभर यहीं हैं। उन्होंने कहा कि उपराज्यपाल प्रशासन उन्हें कितने दिन शहीदों को श्रद्धांजलि देने से रोक पाएगा। अगर 13 जुलाई को नहीं, तो 12 जुलाई या दिसंबर, जनवरी या फरवरी की 14 तारीख। उन्होंने कहा कि हम जब चाहेंगे, तब यहां आएंगे।

पति-पत्नी की बातचीत की गुप्त रिकॉर्डिंग का वैवाहिक मामलों में इस्तेमाल हो सकता है: SC

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि वैवाहिक मामलों में पति-पत्नी की गुप्त रूप से रिकॉर्ड की गई बातचीत सबूत के तौर पर स्वीकार्य है।

कोर्ट ने कहा कि पति-पत्नी का एक-दूसरे पर नजर रखना इस बात का सबूत है कि उनकी शादी मजबूत नहीं चल रही है और इसलिए इसका इस्तेमाल न्यायिक कार्यवाही में किया जा सकता है। न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने एक मामले में पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के फैसले को रद्द कर दिया। हाई कोर्ट ने कहा था कि पति-पत्नी के बीच गुप्त बातचीत साक्ष्य अधिनियम की धारा 122 के तहत संरक्षित है और इसका इस्तेमाल न्यायिक कार्यवाही में नहीं किया जा सकता।

हाई कोर्ट के आदेश को रद्द करते हुए, पीठ ने निचली अदालत के आदेश को बहाल रखा और कहा कि वैवाहिक कार्यवाही के दौरान रिकॉर्ड की गई बातचीत को संज्ञान में लिया जा सकता है। उसने कुटुंब अदालत से कहा कि वह रिकॉर्ड की गई बातचीत का न्यायिक संज्ञान लेने के बाद मामले को आगे बढ़ाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पति-पत्नी द्वारा एक-दूसरे की बातचीत रिकॉर्ड करना अपने आप में इस बात का सबूत है कि उनकी शादी मजबूती से नहीं चल रही है और इसलिए इसका इस्तेमाल न्यायिक कार्यवाही में किया जा सकता है।

धारा 122 विवाह के दौरान संचार से संबंधित है और कहती है कि 'कोई भी व्यक्ति जो विवाहित है या रहा है, उसे विवाह के दौरान किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा किए गए किसी भी संचार का खुलासा करने के लिए बाध्य नहीं किया जाएगा जिससे वह विवाहित है या रहा है।' यह मामला बठिंडा की एक कुटुंब अदालत के फैसले पर आधारित है, जिसने पति को क्रूरता के दावों के समर्थन में अपनी पत्नी के साथ फोन कॉल की रिकॉर्डिंग वाली एक कॉम्पैक्ट डिस्क (सीडी) का सहारा लेने की अनुमति दी थी। पत्नी ने इसे हाई कोर्ट में चुनौती दी और तर्क दिया कि रिकॉर्डिंग उसकी जानकारी या सहमति के बिना की गई थी और यह निजता के उसके मौलिक अधिकार का उल्लंघन करती है।

हाई कोर्ट ने पत्नी की याचिका स्वीकार कर ली और साक्ष्य को अस्वीकार्य करार देते हुए कहा कि गुप्त रिकॉर्डिंग निजता का स्पष्ट उल्लंघन है और कानूनी रूप से अनुचित है। हालांकि, न्यायमूर्ति नागरत्ना इस रुख से असहमत थीं। उन्होंने कहा कि कुछ तर्क दिए गए हैं कि इस तरह के साक्ष्य की अनुमति देने से घरेलू सौहार्द और वैवाहिक संबंध खतरे में पड़ जाएगा क्योंकि इससे पति-पत्नी पर जासूसी को बढ़ावा मिलेगा, जिससे साक्ष्य अधिनियम की धारा 122 का उल्लंघन होगा। उन्होंने कहा कि हमें नहीं लगता कि इस तरह की दलील विचारणीय है।

पंजाब कैबिनेट: पवित्र ग्रंथों की बेअदबी के खिलाफ विधेयक मंजूर

चंडीगढ़। पंजाब में हो रही धार्मिक ग्रंथों की बेअदबी की घटनाओं का संज्ञान लेते हुए सख्त कानून बनाने के प्रस्ताव को कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है। उम्मीद की जा रही है कि सरकार आज ही इसे विधानसभा में पेश करेगी। कैबिनेट ने पंजाब रेगुलेशन ऑफ क्रशर यूनिट्स एंड स्टॉकिस्ट्स एंड रिटेलर रूल्स-2025 को भी हरी झंडी दे दी है।

सोमवार को विधानसभा की कार्यवाही शुरू होने से पहले मुख्यमंत्री भगवंत मान की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की आपात बैठक बुलाकर बेअदबी कानून को मंजूरी दे दी गई। इस बिल का नाम 'पंजाब पवित्र ग्रंथों के खिलाफ अपराध रोकथाम विधेयक-2025' होगा। इस बिल को सरकार आज ही विधानसभा में पेश कर सकती है। इसमें धार्मिक ग्रंथों और स्थलों की बेअदबी करने वालों को उम्रकैद की सजा देने का प्रावधान किया गया है।दरअसल, पंजाब में बेअदबी की कई घटनाएं लगातार हो रही हैं। इसके खिलाफ एक सख्त कानून बनाने की मांग उठ रही थी। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि सरकार ऐसा कानून लाना चाहती है, जो स्थायी हो और आने वाले समय में भी मजबूती से लागू रहे। इसलिए इसमें किसी तरह की कमजोरी नहीं छोड़ी जाएगी।

उन्होंने कहा कि फिलहाल बेअदबी जैसे मामलों के लिए भारतीय न्याय संहिता की धारा 298 और 299 के तहत अधिकतम 3 साल की सजा का प्रावधान है। पंजाब सरकार इस सजा को कम से कम 10 साल और उम्रकैद तक बढ़ाने का प्रस्ताव रख रही है। सरकार चाहती है कि कानून में ऐसे प्रावधान जोड़े जाएं जिससे सिर्फ दोषी ही नहीं, उसके परिवार की भी जिम्मेदारी तय की जा सके। मकसद यह है कि कोई दोबारा इस तरह की हरकत के बारे में सोच भी न पाए। उन्होंने बताया कि इस संदर्भ में मंत्रिमंडल ने 'पंजाब पवित्र ग्रंथों के खिलाफ अपराध रोकथाम विधेयक-2025' को मंजूरी दे दी है।

इस विधेयक में पवित्र श्री गुरु ग्रंथ साहिब, भगवद गीता, पवित्र बाइबल, कुरान शरीफ और अन्य पवित्र ग्रंथों की बेअदबी करने वाले दोषियों के लिए आजीवन कारावास सहित कठोर सजा का प्रावधान किया गया है। इस कानून के लागू होने से राज्य में सामुदायिक सद्भावना, शांति, एकता और भाईचारे की डोर को मजबूत करने की कोशिशों को और बल मिलेगा। इस कदम से जघन्य अपराध के दोषियों के लिए कठोर सजा सुनिश्चित करके समाज विरोधी और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों को रोकने में और ताकत मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि अब तक ऐसा कोई विशेष कानून मौजूद नहीं था, जो पवित्र ग्रंथों के खिलाफ अपराधों को सीधे तौर पर संबोधित करता हो, जिसके परिणामस्वरूप अपराधी अक्सर गंभीर कार्रवाई से बच निकलते थे। इस विधेयक का उद्देश्य सभी धर्मों और समुदायों से जुड़े बेअदबी के मामलों में सजा का प्रावधान करके इस कानूनी खालीपन को भरना है। इस प्रस्तावित कानून के तहत बेअदबी का दोषी पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति को 10 साल से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा का सामना करना पड़ सकता है। इस अपराध की कोशिश करने वालों को भी तीन से पांच साल की कैद की सजा का सामना करना पड़ सकता है, जबकि अपराध के लिए उकसाने वालों को अपराध के अनुसार सजा मिलेगी।

पंजाब रेगुलेशन ऑफ क्रशर यूनिट्स, एंड स्टॉकिस्ट्स एंड रिटेलर रूल्स-2025 को हरी झंडी

मंत्रिमंडल ने 'पंजाब रेगुलेशन ऑफ क्रशर यूनिट्स, एंड स्टॉकिस्ट्स एंड रिटेलर रूल्स-2025' को भी मंजूरी दे दी है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्रशर यूनिट, सामग्री विक्रेता और खुदरा विक्रेता निर्धारित ढांचे के भीतर काम करें। ये नियम पंजाब रेगुलेशन ऑफ क्रशर यूनिट्स, एंड स्टॉकिस्ट्स एंड रिटेलर रूल्स-2025 के अनुसार तैयार किए गए हैं, जो क्रशर यूनिटों द्वारा अवैध रूप से खनन की गई रेत और बजरी की खरीद को रोकने के लिए लागू किया गया था। नए नियम अधिनियम के प्रभावी, पारदर्शी और जवाबदेह ढंग से लागू करने की सुविधा के लिए विस्तृत प्रक्रियाओं, निर्धारित फॉर्म, समय-सीमाओं, अधिकारियों और अनुपालन विधियों को परिभाषित करते हैं। इनका उद्देश्य कार्यप्रणाली में अस्पष्टता को खत्म करना, रॉयल्टी चोरी और अवैध खनिज व्यापार को रोकना और पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ और कानूनी रूप से अनुकूल व्यापारिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करना है। इसके अलावा, इन नियमों से पूरे राज्य में पारदर्शिता बढ़ाने और अवैध खनन गतिविधियों को रोकने की उम्मीद है।

महाराष्ट्र विधान परिषद: मादक पदार्थ तस्करों पर लगेगा मकोका, विधेयक को दी मंजूरी

मुंबई। महाराष्ट्र विधान परिषद ने मादक पदार्थ तस्करों और संबंधित अपराधों को कड़े संगठित अपराध-निरोधक कानून 'मकोका' के दायरे में लाने के लिए एक विधेयक में संशोधन को सोमवार को मंजूरी दे दी। महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) में संशोधन करने वाले इस विधेयक को उच्च सदन ने सर्वसम्मति से पारित कर दिया। इससे पहले, विधानसभा ने नौ जुलाई को इसे पारित किया था। राज्यपाल की मंजूरी मिलने के बाद कानून के प्रभावी होने के परिणामस्वरूप मादक पदार्थों के तस्करों के लिए गिरफ्तारी के बाद जमानत पाना मुश्किल हो जाएगा। महाराष्ट्र के गृह राज्य मंत्री (शहरी) योगेश कदम ने कहा कि दो जुलाई को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विधान परिषद में कहा था कि सरकार मौजूदा कानूनों में संशोधन करेगी, ताकि मादक पदार्थ तस्करों पर इस कड़े अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया जा सके। फडणवीस के पास गृह मंत्रालय का प्रभार भी है। मुख्यमंत्री की घोषणा के एक सप्ताह बाद ही यह विधेयक विधानसभा में पेश किया गया और अब इसे राज्य विधानमंडल के दोनों सदनों से मंजूरी मिल गई है। इस संशोधन का उद्देश्य 'संगठित अपराध' की परिभाषा का विस्तार करना था, ताकि स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थों से संबंधित गतिविधियों को मकोका के दायरे में लाया जा सके।

मिजोरम के मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से मुलाकात में विकास के मुद्दों पर की चर्चा

नई दिल्ली। मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने सोमवार को यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार मुलाकात की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने दोनों नेताओं की मुलाकात की तस्वीरें एक्स पर साझा करते हुए यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री कार्यालय ने बताया कि इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के साथ राज्य के प्रमुख विकास मुद्दों और योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने मिजोरम की भौगोलिक और सामाजिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार से अधिक वित्तीय सहायता, सड़कों और कनेक्टिविटी इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, और शिक्षा प्रणाली के सशक्तिकरण जैसी आवश्यकताओं पर विशेष ध्यान देने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को राज्य में चल रही विभिन्न केंद्रीय योजनाओं की प्रगति से भी अवगत कराया और उनके सफल क्रियान्वयन के लिए केंद्र से सहयोग की मांग की। उन्होंने यह भी प्रस्तावित किया कि मिजोरम की सीमा सुरक्षा और उत्तर-पूर्वी राज्यों के साथ सहयोग को और मजबूत किया जाए। मोदी ने लालदुहोमा की बातों को गंभीरता से सुना और उन्हें केंद्र की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने मिजोरम को भारत के उत्तर-पूर्व में एक रणनीतिक और सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्य बताया और कहा कि केंद्र सरकार पूर्वोत्तर के समावेशी विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

बैग, पठन व राहत सामग्री से स्कूली बच्चों की शिक्षा में नहीं आएगी कोई बाधा: ठाकुर

मंडी। पूर्व केंद्रीय मंत्री व हमीरपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने आज प्राकृतिक आपदा से बुरी तरह प्रभावित मंडी जिले के सराज विधानसभा के बगस्याड़, थुनाग व सराज बाजार में आपदाग्रस्त परिवारों को मिलकर ढाढस बंधा कर समस्याओं की सुनवाई की व राहत सामग्री का वितरण किया। ठाकुर ने आपदाग्रस्त क्षेत्र का दौरा कर राहत व पुनर्वास कार्यों को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने अपने निजी प्रयासों से आज सराज विधानसभा में 1000 स्कूल बैग, 2000 कॉपी, 2000 पेंसिल, 1000 बॉक्स, 1000 पेन, 1000 शार्पनर, 5000 बिस्किट पैकेट, 5000 प्रोटीन बॉक्स 1000 क्लिप बोर्ड स्कूली बच्चों को बांटने का काम किया है।

ठाकुर ने कहा कि हिमाचल में प्राकृतिक आपदा का रूप बहुत भयावह है खासकर मंडी क्षेत्र में आपदा ने विकराल कहर ढाया है। कई लोगों ने पाई पाई जोड़कर जो घर बनाये थे वो बारिश में बह जाने से आज सार्वजनिक जगहों जगहों पर रहने के लिए मजबूर हैं। त्रासदी से हजारों करोड़ का नुकसान तो हुआ ही साथ ही जान-माल का नुकसान अत्यंत भयावह है। सराज में पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने स्थानीय विधायक होने के नाते गांव-गांव जाकर हालात का जायज़ा लिया व पीड़ितों की मदद करने का सराहनीय कार्य किया। मंडी में में प्रदेश भर से मदद पहुंच रही है और हमने भी सांसद मोबाइल स्वास्थ्य सेवा के माध्यम से 2000 से ज्यादा लोगों को जांच, उपचार, दवा व सेनेट्री पैड के वितरण का काम किया है। सोमवार को भी 338 लोगों को इस सेवा का लाभ मिला है। आपदाग्रस्त क्षेत्र में क्षेत्रों में पुनर्वास हमारी प्राथमिकता है और साथ मिलकर जल्द ही हम हालत को सामान्य करने में कामयाब होंगे।

ठाकुर ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में भाजपा परिवार पीड़ितों की हरसंभव मदद करने का प्रयास कर रहा है। प्राकृतिक आपदा के चलते लोगों की घर-गृहस्थी बिखर जाने से हुए नुकसान को देखते हुए मेरे अपने निजी प्रयासों से जरूरतमंदों को बर्तन, गृहउपयोगी सामान, दवाएं व सेनेट्री पैड वितरण का कार्य किया जा रहा है। मैंने इसी क्रम में आज मंडी के आपदा प्रभावित क्षेत्र में स्कूली छात्रों को 1000 बैग, 2000 कॉपी, 2000 पेंसिल, 1000 बॉक्स, 1000 पेन, 1000 शार्पनर, 5000 बिस्किट पैकेट, 5000 प्रोटीन बॉक्स 1000 क्लिप बोर्ड बांटकर उनका दुःख साझा करने व उनका हौसला अफजाई करने का प्रयास किया है। स्कूली छात्रों की पढ़ाई में कोई बाधा ना आने पाए, व शिक्षा को लेकर उनका उत्साह ना कम होने पाये इसी को ध्यान में रहते हुए यह कार्य किया गया है।

हिमाचल: भूस्खलन से चंडीगढ़-मनाली नेशनल हाईवे समेत 208 सड़कें बंद, भारी वर्षा का यलो अलर्ट

शिमला। हिमाचल प्रदेश में सोमवार को भी मौसम बिगड़ा हुआ है और रुक-रुक कर हो रही बारिश के कारण भूस्खलन की घटनाएं हो रही हैं। इससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के मुताबिक सोमवार सुबह तक प्रदेश में एक नेशनल हाईवे और 208 सड़कें भूस्खलन की वजह से बंद पड़ी हैं। 139 बिजली ट्रांसफार्मर और 745 पेयजल योजनाएं भी ठप हैं। मंडी जिला सबसे ज्यादा प्रभावित है, जहां एक नेशनल हाइवे व 157 सड़कें बंद हैं। वहीं47 बिजली ट्रांसफार्मर और 133 पेयजल स्कीमें भी ठप हैं। कांगड़ा जिला में 612 पेयजल स्कीमें बंद पड़ी हैं।

मंडी जिला में चंडीगढ़-मनाली नेशनल हाईवे चार मील के पास आज सुबह फिर से मलबा गिरने से बंद हो गया है। इसी स्थान पर पहले भी लैंडस्लाइड हुआ था, जिसके बाद 28 घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद हाईवे को बहाल किया गया था। लेकिन बीती रात फिर से पत्थर गिरने और मलबा आने के चलते सड़क पर यातायात ठप हो गया है। लगातार मलबा गिरने से सड़क खोलने में भी भारी दिक्कतें आ रही हैं। कांगड़ा जिला में 612 पेयजल स्कीमें बंद हैं। मौसम विभाग के अनुसार सिरमौर के राजगढ़ में सर्वाधिक 72 मिमी, खदराला में 42 मिमी, पच्छाद में 36 मिमी और मंडी शहर में 26 मिमी बारिश दर्ज हुई है। बारिश से गिरी जटोंन डैम का जलस्तर बढ़ने पर मैदानी इलाकों के लिए अलर्ट जारी किया गया है, वहीं गिरि और यमुना नदी का जलस्तर भी बढ़ गया है। विभाग ने 20 जुलाई तक प्रदेश के कुछ स्थानों पर भारी वर्षा को लेकर यलो अलर्ट जारी किया है।

मानसून सीजन के दौरान अब तक प्रदेश में बारिश जनित हादसों में 98 लोगों की जान जा चुकी है, 35 लोग लापता और 178 लोग घायल हुए हैं। सबसे ज्यादा 21 मौतें मंडी में, कांगड़ा में 14, कुल्लू में 10, चंबा में 9, हमीरपुर में 8 और बिलासपुर में 7 लोगों की मौत हुई है। इस अवधि में 1038 मकान आंशिक या पूरी तरह क्षतिग्रस्त, 188 दुकानें और 788 गौशालाएं तबाह हो गईं। अकेले मंडी जिले में ही 854 घर, 166 दुकानें और 638 गौशालाएं प्रभावित हुई हैं। 30 जून की रात मंडी में बादल फटने की 12 घटनाओं से भारी तबाही हुई।

भाकपा माओवादी के सबजोनल कमांडर सहित चार नक्सली गिरफ्तार

रांची। सीसीएल कर्मी से एक करोड़ की लेवी मांगने वाले भाकपा माओवादी के सबजोनल कमांडर सहित चार नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से हथियार और नक्सली सामग्री भी मिली है। डीआईजी सह एसएसपी ने पुष्टि की है। गिरफ्तार नक्सलियों में सब-जोनल कमांडर योगेन्द्र गंझू, मुकेश गंझू, मनु गंझू और राजकुमार नाहक शामिल हैं। इनके पास से एक लोडेड देशी पिस्टल, तीन गोली, लेवी मांगने वाला मोबाईल फोन और सात पीस प्रतिबंधित संगठन का पर्चा बरामद किया गया है। डीआईजी सह एसएसपी चंदन सिन्हा ने सोमवार को बताया कि भाकपा माओवादी के कोयल शंख जोन क्षेत्र के चार सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया है। ये सभी लेवी वसूलने के लिए इकट्ठा हुए थे और इनके पास से हथियार व नक्सली पर्चे भी बरामद हुए हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारी वर्षा के बाद जलभराव और बाढ़ की आशंका पर की समीक्षा

जलनिकासी और बचाव कार्यों में लापरवाही नहीं चलेगी: सीएम

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में हाल की बरसात के कारण उत्पन्न परिस्थितियों, विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में जलभराव और नदियों के जलस्तर में आई वृद्धि की सोमवार को उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आमजन को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, यह सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के कई हिस्सों में भारी वर्षा के चलते जलभराव, सड़क क्षति और कुछ क्षेत्रों में नदियों के जलस्तर में तेज वृद्धि देखी गई है। इस पर सतत निगरानी रखी जाए। संबंधित विभागों, नगर निगमों, विकास प्राधिकरणों और जिला प्रशासन को निर्देश दिए गए कि जलनिकासी की व्यवस्था को तत्काल प्रभाव से सुचारु बनाया जाए। सभी जलभराव प्रभावित क्षेत्रों से जल निकासी यथाशीघ्र की जाए, ताकि नागरिकों को राहत मिल सके।

उन्होंने कहा कि किसी भी शिकायत या आपात सूचना पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि बुंदेलखंड सहित प्रदेश के उन क्षेत्रों में, जहां भारी वर्षा हुई है, वहां जलशक्ति मंत्री और विभाग के प्रमुख सचिव स्वयं स्थलीय निरीक्षण करें। जलभराव, बाढ़ की स्थिति तथा जल संरचनाओं की स्थिति का मूल्यांकन कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित कराएं। साथ ही, उन्होंने पूर्वी उत्तर प्रदेश के उन 16 जिलों का विशेष उल्लेख किया जहां अब तक औसत से कम वर्षा हुई है। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध हो, इसकी अग्रिम व्यवस्था की जाए ताकि खेती-किसानी पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। मुख्यमंत्री ने नगर निकायों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि सीवर लाइनें और ड्रेनेज सिस्टम नियमित रूप से साफ हों। जलभराव के कारण क्षतिग्रस्त हुई सड़कों की मरम्मत प्राथमिकता पर की जाए।

विद्युत विभाग को निर्देशित किया गया कि जलभराव वाले इलाकों में विद्युत आपूर्ति प्रबंधन अत्यंत सावधानी से करें, ताकि किसी प्रकार की दुर्घटना न हो। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि बाढ़ की आशंका वाले संवेदनशील इलाकों में पहले से ही पर्याप्त प्रबंध कर लिए जाएं। राहत और बचाव दलों को सतर्क रखा जाए और नाव, सर्च लाइट, जीवन रक्षक उपकरण, मेडिकल किट जैसी सभी आवश्यक सामग्रियां पूरी तत्परता के साथ तैयार रहें। तटवर्ती क्षेत्रों में एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों को सक्रिय मोड में रखा जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी स्थिति में जनहानि या पशुहानि न हो, इसके लिए प्रशासन पूर्ण सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करे। संकट की घड़ी में प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करने, उन्हें भोजन, पेयजल, चिकित्सा आदि मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने में कोई लापरवाही न हो। मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारी और नगर निकाय प्रमुखों को अपने क्षेत्रों में जलभराव और बाढ़ की स्थिति की भौतिक समीक्षा करने और 24×7 नियंत्रण कक्षों के माध्यम से निरंतर निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि जनसामान्य को मौसम, वर्षा और जलस्तर से जुड़ी अद्यतन जानकारी समय-समय पर दी जाए।

इसके लिए स्थानीय मीडिया, सोशल मीडिया और आपदा प्रबंधन ऐप का उपयोग प्रभावी ढंग से किया जाए, ताकि लोग पहले से सतर्क और सावधान रह सकें। पशुपालन, कृषि और राजस्व विभाग को भी निर्देश दिए गए कि बारिश और जलभराव से फसलों, पशुधन या संपत्ति को जो नुकसान हुआ है, उसका त्वरित आंकलन कर राहत और मुआवजा वितरण की प्रक्रिया तत्काल प्रारंभ की जाए।

मुख्यमंत्री ने कांवड़ यात्रा में विघ्न डालने वालों से सख्ती से निपटने के निर्देश दिए

▸▸ श्रावण मास में कांवड़ यात्रा के सुचारु संचालन हेतु मुख्यमंत्री ने की उच्चस्तरीय बैठक

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांवड़ यात्रा में विघ्न डालने वालों से सख्ती से निपटने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि ऐसे लोगों के खिलाफ तत्काल कठोर कार्रवाई की जाए।

श्रावण मास के दौरान उत्तर प्रदेश में संचालित हो रही कांवड़ यात्रा की तैयारियों और व्यवस्थाओं की समीक्षा के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को एक उच्चस्तरीय बैठक की। बैठक में उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि यह पवित्र यात्रा पूरी तरह शांतिपूर्ण, सुरक्षित और श्रद्धामय वातावरण में सम्पन्न हो। इसके लिए शासन-प्रशासन पूरी सजगता, संवेदनशीलता और सक्रियता से कार्य करे। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि यात्रा मार्गों पर साफ-सफाई, चिकित्सा, पेयजल, भोजनालय, विश्रामालय और शौचालयों की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। महिला श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए उन्होंने विशेष निर्देश दिए कि महिला कांवड़ियों की सुरक्षा और सुविधा के पुख्ता इंतजाम हों तथा महिला पुलिस बल की प्रभावी तैनाती की जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर वहां ड्रोन कैमरों और सीसीटीवी के माध्यम से 24 घंटे निगरानी की जाए।

खुफिया तंत्र को पूरी सक्रियता से कार्य करने के निर्देश दिए, ताकि किसी भी प्रकार की घुसपैठ या अराजकता की कोशिश को समय रहते रोका जा सके। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि यात्रा मार्गों पर पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से जरूरी सूचनाओं का प्रचार-प्रसार किया जाए और शिव भजनों का प्रसारण सुनिश्चित हो, जिससे श्रद्धालु भावनात्मक और आध्यात्मिक रूप से जुड़ाव महसूस करें। मुख्यमंत्री योगी ने श्रद्धालुओं के स्वागत हेतु प्रमुख अवसरों पर हेलिकॉप्टर से पुष्पवर्षा कराने की व्यवस्था करने को कहा।

उन्होंने निर्देश दिए कि सभी प्रमुख स्थलों पर चिकित्सा शिविर, प्राथमिक उपचार केंद्र और एम्बुलेंस सेवाएं पूरी तरह सक्रिय रहें, ताकि किसी भी आपात स्थिति से तत्काल निपटा जा सके। खाद्य पदार्थों की शुद्धता को लेकर मुख्यमंत्री ने खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन तथा स्थानीय प्रशासन को निर्देशित किया कि वे खानपान सामग्री की गुणवत्ता और शुद्धता की नियमित जांच सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री योगी ने सभी श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धा, मर्यादा और अनुशासन का पालन करें। सभी शिवभक्त पवित्र नदियों से जल लेकर भोलेनाथ का जलाभिषेक करें और इस दौरान प्रशासन से पूर्ण सहयोग बनाए रखें। राज्य सरकार श्रद्धालुओं की सेवा, सुविधा और सुरक्षा हेतु पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

बेसिक शिक्षा विभाग में शिक्षकों के रिक्त पदों पर भर्ती के सीएम ने दिए निर्देश

▸▸ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने परिषदीय छात्रों के लिए 1200 की डीबीटी सहायता शीघ्र अभिभावकों के खातों में भेजने के दिए निर्देश

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को बेसिक शिक्षा विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। मुख्यमंत्री ने बेसिक शिक्षा में शिक्षकों के रिक्त पदों को भरने के निर्देश दिए हैं। शिक्षकों के रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्ति की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी विद्यालयों में शिक्षक-छात्र अनुपात आदर्श स्थिति में होना चाहिये।

उन्होंने निर्देश दिये कि रिक्तियों के सापेक्ष अधियाचन तत्काल भेजा जाए और नियुक्ति प्रक्रिया समयबद्ध ढंग से पूरी की जाए। मुख्यमंत्री ने राज्य में प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने, बच्चों की शत-प्रतिशत विद्यालयी उपस्थिति सुनिश्चित करने, संसाधनों के कुशल उपयोग तथा अधोसंरचना सुदृढ़ीकरण के संबंध में कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि छह से 14 वर्ष की आयु का एक भी बच्चा विद्यालय से वंचित नहीं रहना चाहिए, विद्यालय प्रबन्ध समिति (प्रधानाध्यापक व ग्राम प्रधान) इसे सुनिश्चित कराए। इस दिशा में स्कूल चलो अभियान को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए ताकि कोई भी बच्चा स्कूल जाने से न छूटे।

मुख्यमंत्री ने परिषदीय विद्यालयों में अध्ययनरत प्रत्येक छात्र के अभिभावक के बैंक खाते में यूनिफॉर्म, जूता-मोजा, स्टेशनरी एवं पाठ्य सामग्री के लिए 1200 रुपये की सहायता राशि को डीबीटी के माध्यम से शीघ्रता से अंतरित किए जाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यह कार्य पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ किया जाए ताकि लाभार्थियों को समय पर मदद मिल सके और विद्यालयीन सामग्री की व्यवस्था बाधित न हो। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि जिन विद्यालयों में आधारभूत संरचना की कमी है, वहां अविलंब संसाधनों की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए ताकि बच्चों को सुरक्षित, स्वच्छ और सुविधाजनक वातावरण में अध्ययन का अवसर प्राप्त हो। मुख्यमंत्री ने विद्यालयों की पेयरिंग व्यवस्था को दूरगामी और व्यापक दृष्टिकोण से लागू किए जाने की आवश्यकता बताई।

उन्होंने कहा कि यह प्रणाली छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों तीनों के हित में है। इससे न केवल संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता में भी सुधार सुनिश्चित किया जा सकेगा। जिन विद्यालयों में 50 से अधिक छात्र अध्ययनरत हैं, उन्हें स्वतंत्र विद्यालय के रूप में संचालित करने का निर्देश दिया गया, जिससे प्रशासनिक सुविधा, जवाबदेही और शैक्षणिक निगरानी और अधिक प्रभावी ढंग से की जा सके। पेयरिंग व्यवस्था के कारण खाली हुए विद्यालय भवनों को लेकर मुख्यमंत्री ने निर्देशित किया कि वहां बाल वाटिकाएं/प्री-प्राइमरी स्कूल संचालित की जाएं। साथ ही, इन भवनों में आंगनबाड़ी केंद्रों को स्थानांतरित किया जाए, ताकि शिशु शिक्षा का आधार सुदृढ़ हो और विद्यालय परिसरों का उपयोग बहुपर्यायी रूप से हो सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह प्रक्रिया तय समय सीमा के भीतर पूरी की जाए और इस कार्य में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए।

बैठक में शिक्षकों के रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्ति की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी विद्यालयों में शिक्षक-छात्र अनुपात आदर्श स्थिति में होना चाहिये। उन्होंने निर्देश दिये कि रिक्तियों के सापेक्ष अधियाचन तत्काल भेजा जाए और नियुक्ति प्रक्रिया समयबद्ध ढंग से पूरी की जाए।

छांगुर बाबा से वसूली जाएगी ध्वस्तीकरण की लागत

छांगुर के सहयोगी नीतू के बंगले पर हुई बुलडोजर कार्यवाही की क्षतिपूर्ति वसूली का नोटिस जारी

बलरामपुर। जिले में प्रशासन ने अवैध धर्मांतरण के आरोपी जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा और उसके सहयोगियों से सरकारी जमीन पर अवैध निर्माण के ध्वस्तीकरण में खर्च हुए 8.55 लाख रुपये धनराशि की वसूली करने का फैसला किया है। जिले के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। बलरामपुर के जिलाधिकारी पवन अग्रवाल ने सोमवार को संवाददाताओं को बताया कि उतरौला क्षेत्र के मधपुर गांव स्थित गाटा संख्या 370 एवं 337 में अवैध कब्जा कर भवन का निर्माण किया गया था, जिसको हटाने के लिए प्रशासन द्वारा नोटिस जारी कर एक सप्ताह में अवैध कब्जा हटाने का निर्देश दिया गया था।

जिलाधिकारी ने कहा कि नोटिस जारी करने के एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी कब्जा नहीं हटाया गया। विवश होकर प्रशासन को ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करनी पड़ी। अग्रवाल ने कहा कि अवैध रूप से बने भवन के ध्वस्तीकरण में आठ बुलडोजर के माध्यम से तीन दिन में कुल 24 बुलडोजर के जरिए अवैध कब्जा हटाया गया। डीएम के मुताबिक इस ध्वस्तीकरण की कार्रवाई में कुल खर्च आठ लाख 55 हजार रुपये आया है। उन्होंने कहा कि इस धनराशि को जमीन पर अवैध रूप से कब्जा करने वाले लोगों से वसूला जाएगा। उन्होंने बताया कि वसूली का नोटिस जारी किया जा रहा है और क्षतिपूर्ति न जमा होने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उत्तर प्रदेश पुलिस के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने जबरन धर्म परिवर्तन कराने वाले एक गिरोह के कथित सरगना जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा को एक सप्ताह की हिरासत में लिया था, जिसके कुछ दिनों बाद यह कार्रवाई की गई है। एटीएस की एक टीम ने शुक्रवार को मधपुर स्थित उसके घर का दौरा किया और चल रही जांच के सिलसिले में महत्वपूर्ण दस्तावेज एकत्र किए। जलालुद्दीन और सह-आरोपी नीतू उर्फ नसरीन को पांच जुलाई को गिरफ्तार किया गया था।

बलरामपुर। धर्मांतरण मामले के मुख्य आरोपित छांगुर बाबा मामले में नीतू नवीन बोहरा को प्रशासन ने बीते दिन बुलडोजर कार्यवाही की क्षतिपूर्ति वसूली का तहसील प्रशासन ने नोटिस जारी किया है।

तहसील प्रशासन ने सोमवार को चस्पा किए नोटिस में बताया गया कि उतरौला के मधुपुर निवासी नीतू नवीन बोहरा के गाटा संख्या 337/370 क्षेत्रफल के 00.06 हेक्टेयर भूमि जो कि अवैध रूप से कब्जा किया था, जिसे प्रशासन ने अवैध कब्जे को हटाया है। इस अवैध कब्जे को

हटाने को लेकर 46,200 रुपये सरकारी भूमि कब्जा का क्षतिपूर्ति तथा 80,9198 रुपये का सरकारी कर्मियों की खर्च व अन्य खर्च जो कि अवैध कब्जा को हटाने को लेकर हुई है। कुल तहसील प्रशासन के द्वारा 8,55000 रुपये राजस्व वसूली को जमा करने का नोटिस जारी किया गया है। बताया कि तीन दिन के अंदर यदि रुपये जमा नहीं होगा तो भू राजस्व नियमों के तहत वसूली की जाएगी।

पुलिस क्षेत्राधिकार राघवेंद्र सिंह ने बताया कि मामले को लेकर उच्च स्तरीय जांच चल रही है। बाबा और उसके सहयोगी के मकान के पास एहतियातन पुलिस बल तैनात किया गया है।

सिमरधा बांध पर रील बनाने के चक्कर में गई दो ममेरे भाइयों की डूबने से मौत

झांसी। सीपरी बाजार थाना क्षेत्र स्थित सिमरधा डैम में पार्टी करने और रील बनाने पहुंचे तीन साथियों में से दो ममेरे भाइयों की गहरे पानी में डूबने से मौत हो गई। करीब पांच घंटे बाद देर रात गोताखोरों की मदद से दोनों के शव बरामद हो सके। दोनों के परिवार में मातम का माहौल है। सिमरधा डैम पर साथ गए शिखर ने बताया कि वह दोनों दोस्तों ऋषभ सिजौरिया और अभिषेक वर्मा के साथ रविवार दोपहर सिमरधा डैम पर पार्टी के लिए गया था।

अपराह्न लगभग पांच बजे ऋषभ और अभिषेक डैम के किनारे बनी पट्टी पर बैठे थे। इस दौरान दोनों ने उससे कहा कि वह पानी के बीच पत्थर पर जा रहे हैं। तुम हमारे फोटो और वीडियो बना लेना। उधर पानी गहरा होने की हिदायत देने के बावजूद वे दोनों चले गए। गहराई में जाते ही दोनों डूबने लगे। उन्हें बचाने के लिए मैं पानी में कूद गया। पीछे से वहां मौजूद दो

अन्य व्यक्ति भी पानी में कूदे। काफी देर तक दोनों का कुछ पता नहीं चला। इसके बाद पुलिस और परिजनों को सूचना दी गई। ऋषभ के चाचा रमेश कुमार सिजौरिया ने बताया कि अभिषेक ऋषभ का ममेरा भाई है।

ऋषभ ने इसी वर्ष बीटेक किया है। शाम चार बजे ऋषभ घर पर ही मिला था। लगभग पांच बजे शिखर ने ऋषभ और अभिषेक के डैम में डूबने की सूचना दी। आकर जानकारी मिली तीनों यहां घूमने के लिए आए थे। ऋषभ और अभिषेक पानी में डूब गए हैं। पुलिस ने गोताखोरों की मदद से लगभग पांच घंटे के बाद दोनों के शवों को बरामद किया। सीपरी थाना प्रभारी आनंद सिंह ने बताया कि डायल 112 के द्वारा दो लड़कों के डैम में डूबने की सूचना मिली थी।

तत्काल मौके पर पहुंच कर गोताखोरों की मदद से सर्च अभियान चलाया गया। पानी के बहाव तेज होने के कारण दोनों लड़के बहकर दूर चले गए थे। काफी देर के बाद दोनों के शवों को बरामद कर पोस्टमार्टम लिए भेजा गया है।

बस ने ऑटो सवारों को रौंदा, चालक समेत दो की मौत

बाराबंकी। रामनगर थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार परिवहन निगम की बस ने ऑटो सवारों को रौंद दिया। इस हादसे में ऑटो चालक समेत दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति को इलाज के लिए जिला चिकित्सालय भेजा गया है।

रामनगर थाना के ग्राम कटियारा निवासी प्रद्युम्न चौहान (22) पुत्र घनश्याम अपने एक साथी विजय के साथ बाराबंकी शहर से सीएनजी ऑटो संख्या यूपी 41 सीटी 0746 पर सवार होकर सोमवार अपने घर आ रहे

थे। सुबह करीब 11:00 बजे जब वह अपने ग्राम के पास पहुंचे तभी बहराइच की तरफ से आ रही तेज रफ्तार परिवहन निगम की बस संख्या यूपी 78 केटी 1108 ने ऑटो सवारों को रौंद दिया। घटना के बाद चालक बस लेकर मौके से भाग निकला। इस हादसे में ऑटो के परखच्चे उड़ गए और चालक गुड्डू (35) पुत्र तसव्वर निवासी ग्राम नहामऊ थाना मसौली व विजय पता अज्ञात की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं प्रद्युम्न चौहान घायल हो गया। थाना प्रभारी रामनगर अनिल कुमार पांडेय ने बताया कि इलाके में एक मार्ग दुर्घटना में ऑटो सवार दो युवकों की मौत हो गई है। जबकि घायल युवक प्रद्युम्न चौहान को गंभीर हालत में जिला चिकित्सालय भेजा में भर्ती कराया गया है।

मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया गया है। घटना के चलते राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों तरफ जाम लग गया था जिसे वरिष्ठ उप निरीक्षक प्रमोद यादव, उप निरीक्षक अखिलेश कुमार के साथ थाना पुलिस ने खुलवाते हुए यातायात को बहाल करवा दिया है।

सुभासपा प्रमुख को गोली मारने की धमकी मामले की जांच शुरू

बलिया। केंद्र में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दल सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश सरकार के पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर को गोली मारने की धमकी मामले की जांच पुलिस ने शुरू कर दी है।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को इसकी पुष्टि की। ओम प्रकाश राजभर के पुत्र और सुभासपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अरुण राजभर ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उप्र के पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर को सोशल मीडिया मंच फेसबुक के जरिये गोली मारने की

धमकी दी जा रही है। अरुण ने इसी पोस्ट में कहा, "करणी सेना बलिया के नाम की फेसबुक आईडी से सुभासपा प्रमुख एवं मंत्री ओम प्रकाश राजभर को गोली मारने की धमकी दी गई है। तत्काल ऐसे अराजक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।यह पोस्ट सामने आने के बाद पुलिस सक्रिय हो गई है।

बलिया के पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने सोमवार को बताया कि यह मामला संज्ञान में आया है। एसपी ने कहा कि मामले को गंभीरता से लेते हुए इसकी जांच पुलिस के साइबर प्रकोष्ठ को सौंपी गई है। एसपी ने कहा कि जांच के उपरांत मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

डीसीएम पेड़ से टकराई, हादसे में 15 कांवड़िए घायल

मुरादाबाद। उत्तराखंड के हरिद्वार गंगाजल लेने जा रहे जिले के थाना भगतपुर क्षेत्र निवासी लोगों की डीसीएम सोमवार को थाना ठाकुरद्वारा क्षेत्र में एक पेड़ से टकरा गई। हादसे में 15-16 श्रद्धालु घायल हो गए, जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। थाना भगतपुर क्षेत्र के खैरखाता गांव निवासी प्रदीप, अनिल, राधा, आरती, ईशान, माही, प्रियंका, साहिल, सुनील, ज्ञानवती, मुन्ना, शिवांश, अवनी आदि लोग आज सुबह 11 बजे डीसीएम गाड़ी से हरिद्वार गंगा जल लेने जा रहे थे।

इन सभी लोगों को सावन मास में अपने गांव में स्थित चामुंडा मंदिर पर हरिद्वार के गंगाजल से जलाभिषेक करना था। जैसे ही यह मुरादाबाद के थाना ठाकुर के क्षेत्र में पहुंचे तो इनकी डीसीएम एक पेड़ से टकरा गई। डीसीएम में सवार 15 - 16 लोग घायल हो गए। सभी को एंबुलेंस से जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

जिला अस्पताल के इमरजेंसी में ड्यूटी पर तैनात डॉ. पवन कुमार ने बताया कि हादसे में घायल सभी लोगों को एम्बुलेंस जिला अस्पताल लेकर आई थी जहां सभी को भर्ती कर लिया गया और उनका उपचार शुरू कर दिया गया।

अन्याय रोकने को साक्ष्य एकत्र करना अदालत का दायित्व : हाईकोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने पारित एक आदेश में कहा कि न्यायालय को यह उत्तरदायित्व निभाना चाहिए कि वह स्वयं साक्ष्य एकत्र करने की दिशा में जरूरी कदम उठाए, जिससे किसी प्रकार का अन्याय न हो। हाईकोर्ट ने यह आदेश तब पारित किया जब बीमारियों से पीड़ित एक 80 वर्षीया महिला द्वारा केस में दाखिल राजीनामा कोर्ट में उसके न आने के चलते सत्यापित नहीं हो पा रहा था।

जस्टिस शेखर कुमार यादव ने सिविल जज सीनियर डिवीजन झांसी को आदेश दिया कि वह इस आशय का एक अनुरोध पत्र मध्य प्रदेश होशंगाबाद क्षेत्र के क्षेत्राधिकार प्राप्त न्यायिक मजिस्ट्रेट को भेजकर अनुरोध करें कि वह एक सप्ताह के भीतर पक्षकार जया

पुरोहित का कथित राजीनामा सत्यापित कर अगली नियत तिथि से पूर्व इस न्यायालय में प्रेषित करें। हाईकोर्ट ने यह आदेश राधा कृष्ण शर्मा की तरफ से दायर द्वितीय अपील पर पारित किया है। हाईकोर्ट के पूर्व पारित आदेश के क्रम में सिविल जज झांसी, दिव्या चौधरी ने आख्या प्रस्तुत कर कहा कि काफी प्रयास के बावजूद, वाद में पक्षकार जया पुरोहित का राजीनामा सत्यापित नहीं हो पा रहा है। कोर्ट की नोटिस तामील होने के बाद भी न तो वह स्वयं अथवा वकील के मार्फत उपस्थित हुईं। अपीलार्थी के अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि जया पुरोहित एक 80 वर्ष की वृद्ध महिला हैं। वह की बीमारियों से पीड़ति हैं। जिस कारण वह कोर्ट में उपस्थित नहीं हो पा रही हैं और उनके द्वारा प्रस्तुत राजीनामा सत्यापित नहीं हो पा रहा है।

हाईकोर्ट ने इस मामले को गंभीरता से लिया तथा कहा कि कोर्ट को खुद साक्ष्य एकत्र करने की दिशा में जरूरी कदम उठाने चाहिए, जिससे अन्याय से बचा जा सके। हाईकोर्ट अब इस केस की सुनवाई 28 जुलाई को करेगी।

खेत में गन्ने की फसल देखने गया किसान की बाघ के हमले में मौत

पीलीभीत। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले में सोमवार सुबह बाघ के हमले में एक किसान की मौत हो गयी। वन विभाग के एक अधिकारी ने घटना की पुष्टि की है। वन विभाग के अधिकारी के मुताबिक सोमवार सुबह जिले के न्यूरिया थाना क्षेत्र के बड़ी फुलहर गांव में बाघ ने एक किसान दयाराम (39) पर हमला कर दिया। बाघ के हमले में गंभीर रूप से घायल होने के बाद किसान की मौत हो गयी।

दयाराम सुबह अपने घर के सामने खेत में गन्ने की फसल देखने गया था, जहां पहले से बैठे बाघ ने उस पर हमला कर दिया और गन्ने के खेत में 20 मीटर अंदर तक घसीट ले गया। उसकी चीख सुनकर आसपास के खेतों में काम कर रहे लोग पहुंचे तब तक दयाराम की मौत हो चुकी थी। प्रभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) भरत कुमार ने घटना की पुष्टि करते

हुए बताया कि वन विभाग की टीम को मौके पर भेजकर पूरे क्षेत्र को घेर लिया गया है। क्षेत्र के ग्रामीणों को सतर्क कर दिया गया है। मृतक किसान दयाराम के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस और वन विभाग की टीम को ग्रामीणों ने बताया कि दो माह से क्षेत्र में बाघ घूम रहा है। इस संबंध में ग्रामीणों द्वारा वन विभाग से कई बार शिकायत की गई, लेकिन अधिकारियों ने ध्यान नहीं दिया। इस घटना के बाद ग्रामीणों और मृतक के परिजनों में रोष व्याप्त है।

सावन के पहले सोमवार को काशी सहित प्रदेशभर के शिवालयों में गूंजा हर हर महादेव

- काशी बाबा का जलाभिषेक को आए श्रद्धालुओं पर हुई पुष्पवर्षा
- लखनऊ व प्रयागराज के शिवालयों में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

वाराणसी। सावन माह के पहले सोमवार को बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी, राजधानी लखनऊ सहित पूरा प्रदेश में महादेव की आराधना की धूम दिखी। प्रदेशभर के प्रमुख शिव मंदिरों में कांवड़ियों और शिवभक्तों का सैलाब उमड़ा और हर हर महादेव और बोल बम के उद्घोष से पूरा इलाका गूंजता रहा। प्रशासन ने मंदिरों के आसपास सुरक्षा और सुविधा के व्यापक प्रबंध किये।

धर्मनगरी काशी में चंहुओर कंकर-कंकर शंकर का नजारा दिखा है। भक्तों की सुविधा के लिए श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के गर्भगृह से पूजन-अर्चन का सजीव प्रसारण हो रहा। आज भोर में 3:30 बजे बाबा के पावन ज्योर्तिलिंग की विधिविधान से वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भव्य श्रृंगार कर मंगला आरती हुई। इसके बाद मंदिर का पट खुलते ही श्रद्धा की अटूट कतार स्वर्णिम दरबार के दरस-परस के लिए उमड़ पड़ी। दरबार में बाबा के पावन ज्योर्तिलिंग का झांकी दर्शन कर शिवभक्त अपने घर परिवार, देश, समाज में सुख शान्ति की कामना की।

कतारबद्ध शिवभक्तों ने मंदिर के स्वर्णमंडित गर्भगृह के बाहर लगे पात्र से ज्योर्तिलिंग का जलाभिषेक किया। मंदिर में बाबा का झांकी दर्शन और धाम का नव्य, भव्य और विस्तारित स्वरूप देख शिवभक्त और कावंड़िये आह्लादित दिखे और हर-हर महादेव का परम्परागत कालजयी उद्घोष करते दिखे। हर-हर, बम-बम के बोल संग गूंजती कांवड़ियों की टोली और आस्थावानों की कतार गोदौलिया से लगातार दरबार में दर्शन-पूजन के लिए आगे बढ़ती रही। सावन के पहले सोमवार को देखते हुए पूरे मंदिर परिक्षेत्र में सुरक्षा का व्यापक प्रबंध किया गया। चप्पे-चप्पे पर चौकसी बरती जा रही है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए एटीएस के कमांडो तैनात किए गये।

इसके पहले रविवार देर शाम से ही दर्शन पूजन के लिए खड़े शिवभक्त और कावंड़िये बाबा की एक झलक पाने के लिए बेताव दिखे। कतारबद्ध शिवभक्तों पर जिलाधिकारी सत्येन्द्र कुमार, पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल, मंदिर के सीईओ विश्व भूषण सहित प्रमुख अफसरों ने पुष्प वर्षा की। कांवड़िये दशाश्वमेध घाट पर गंगा स्नान के बाद पात्रों में जल भरकर मंदिर में दर्शन पूजन के लिए लाइन में लग रहे हैं। मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी के अनुसार धाम तक बुजुर्ग श्रद्धालुओं को पहुंचाने के लिए मैदागिन और गोदौलिया से ई-रिक्शा व व्हीलचेयर की निःशुल्क व्यवस्था की गई है।

उधर, सावन के पहले सोमवार पर ही काशी के अन्य प्रमुख शिवालयों कैथी स्थित मार्कंडेय महादेव, महामृत्युजंय, शूलटंकेश्वर महादेव, तिलभाण्डेश्वर महादेव, गौरी केदारेश्वर महादेव, त्रिलोचन महादेव, रामेश्वर महादेव, कर्मदेश्वर महादेव, सारंगनाथ, गौतमेश्वर महादेव, बीएचयू विश्वनाथ मंदिर, ओमकालेश्वर महादेव, लाटभैरव सहित सभी छोटे-बड़े शिवालयों में जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ रहा है। सावन के पहले सोमवार को उप्र की राजधानी लखनऊ भी शिवमय दिखी। यहां के प्रसिद्ध मनकामेश्वर मंदिर में भोर के समय से ही भक्तों की भीड़ बाबा भोले के दर्शन पूजन के लिए लाइन में लग रही। इसी तरह राजेंद्र नगर स्थित महाकाल मंदिर के अलावा जिले के सभी शिव मंदिरों में सुबह से बम-बम भोले के जयघोष से गूंजायमान रहे।

विश्वप्रसिद्ध प्रयागराज में भी सोमवार भोर से ब्रह्म महेश्वर महादेव, मनकामेश्वर, घंटेश्वर महादेव महादेव, नागवासुकी, कोटेश्वर महादेव, पड़िला महादेव, नर्मदेश्वर महादेव, फूटा हवन महादेव मंदिर सहित सभी मंदिरों में बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक करने के लिए भक्तों की भीड़ लगी रही। झांसी महानगर के शिवालयों में श्रावण मास के प्रथम सोमवार के दिन भोलेनाथ के दर्शनों व उनके जलाभिषेक करने को लोगों का तांता लगा रहा। मऊरानीपुर स्थित केदारेश्वर व वीरांगना नगरी के सिद्धेश्वर महादेव समेत मढ़िया महाकालेश्वर मंदिर में भक्तों की भीड़ पहुंची। वहीं सिद्धेश्वर महादेव का गंगाभिषेक किया। इसके अलावा मढ़िया महाकालेश्वर महादेव, दीक्षित बाग स्थित महादेव मंदिर, पानी वाली धर्मशाला पर स्थित प्राचीन शिव मंदिर, ऐतिहासिक दुर्ग स्थित महादेव मंदिर, नगरा नैनागढ़ स्थित शिव मंदिर समेत गांव-गांव व कस्बों में स्थित शिवालयों में भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं।

कानपुर में भी परमट इलाके में स्थित इतिहास महाभारत काल से जुड़ा बाबा आनंदेश्वर मंदिर पर भी सावन के पहले सोमवार को बड़ी संख्या मेंश्रद्धालु पहुंचे और भगवान शंकर का दर्शन पूजन किया। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन ने व्यापक बंदोबस्त किए हैं। यहां देर शाम तकभक्तों का रेला दिखा। कानपुर देहात के अकबरपुर में ऐतिहासिक शुक्ल तालाब परिसर में प्राचीन नर्मदेश्वर महादेव मंदिर में आस्था का सैलाब दिखा। यहां सावन के हर सोमवार को भक्त बड़ी संख्या में भगवान शंकर की पूजा अर्चना व जलाभिषेक करते हैं। वहीं अंतिम सोमवार को यहां भव्य श्रंगार के साथ रुद्राभिषेक व विशेष पूजन का आयोजन होता है।

बरेली शहर भी पहले सोमवार के दिन शिवमय दिखी। यहां के किला स्थित बाबा अलखनाथ मंदिर, प्रेमनगर के बाबा त्रिवटीनाथ मंदिर, कैंट स्थित बाबा धोपेश्वरनाथ मंदिर, सुभाषनगर स्थित तपेश्वरनाथ मंदिर, मढ़ीनाथ मंदिर, पीलीभीत रोड स्थित पशुपतिनाथ मंदिर समेत जिले के सभी शिवालयों में आस्था की गंगा बहती रही। कांवड़ियों और श्रद्धालुओं के जयघोष से शहर का हर कोना गूंजता रहा। मंदिरों में घंटियों की ध्वनि और भक्तों की भीड़ ने पूरी तरह से शिवमय बना दिया। बलिया के पुराधिपति बाबा बालेश्वरनाथ में भी पहले सोमवार को श्रद्धालुओं की भीड़ दर्शन पूजन के लिए पहुंची।

औरैया के सिद्ध पीठ देवकली शिव मंदिर भी आज सुबह से श्रद्धालुओं के बम-बम जयकारों से गूंजता रहा। इस मन्दिर का नाम भले ही देवकली हो, लेकिन इस मंदिर में विशाल शिवलिंग है और शिवलिंग प्रतिवर्ष बढ़ता भी है। मंदिर की रोचकता इस बात से ज्यादा है कि शिवलिंग पर चढ़ाये जाने वाले जल के बारे में आज तक कोई पता नहीं लगा सका कि यहां चढ़ने वाला जल आखिर कहां कहां है। प्रथम सोमवार को मंदिर में आसपास के जिलों से भी लाखों श्रद्धालु दर्शन और रुद्राभिषेक करने आते हैं। यहीं आलम प्रदेश के सभी जिलों में शिवालयों में देखा गया। देर शाम तक शिव मंदिरों में सावन के पहले सोमवार को भक्त की भीड़ पहुंची।

प्रधानमंत्री के समक्ष मुख्यमंत्री ने प्रस्तुत किया विकास का रूट मैप

पुष्कर सिंह धामी ने 3500 करोड़ की सहायता का किया अनुरोध

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार भेंट कर उत्तराखंड के विकास से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा किया। मुख्यमंत्री ने राज्य के विकास में सहयोग के लिए केंद्र सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में उत्तराखंड विकसित भारत 2047 के विजन में प्रभावी भूमिका निभाने को तत्पर है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व के 27 देशों द्वारा प्रधानमंत्री को देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रदान किए जाने से सभी भारतवासी गौरवान्वित हैं। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को कार्तिक स्वामी मंदिर के प्रतिरूप और आदि कैलाश यात्रा पर कॉफीटेबिल बुक के साथ ही उत्तराखंड के उत्पाद कनार (धारचूला) का घी, लाल चावल पुरोला, बासमती चावल, काला जीरा, गंध रैण, जम्बू और स्थानीय शहद भेंट किया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से केदारनाथ धाम और बदरीनाथ धाम की भांति ही हरिद्वार गंगा कॉरिडोर, ऋषिकेश गंगा कॉरिडोर और चम्पावत में शारदा कॉरिडोर के मास्टर प्लान के अनुरूप अवस्थापना विकास के लिए सीएसआर के माध्यम से वित्त पोषण के लिए संबंधित को निर्देशित करने का अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड के ऊधमसिंहनगर स्थित नेपा फार्म को सेमी कंडक्टर हब के रूप में विकसित करने लिए सेमी कंडक्टर उद्योग लगाए जाने, दिल्ली व मेरठ के मध्य रीजनल रैपिड ट्रान्जिट सिस्टम को हरिद्वार तक विस्तारित करने और टनकपुर-बागेश्वर व ऋषिकेश - उत्तरकाशी रेल परियोजनाओं में मार्ग निर्माण का प्रावधान भी शामिल किये जाने के लिए संबंधित मंत्रालयों को निर्देशित किये जाने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को उत्तराखंड में वर्ष 2026 में होने जा रही नंदा राजजात यात्रा की जानकारी देते हुए कहा कि इसके संचालन के लिए व्यापक रूप से पर्यावरण अनुकूल अवस्थापना सुविधाएं विकसित की जानी हैं। मुख्यमंत्री ने अगस्त 2026 में आयोजित इस पर्वतीय महाकुंभ नंदा राजजात यात्रा के लिए प्रधानमंत्री जी को आमंत्रित किया और साथ ही यात्रा में अवस्थापना सुविधाएं सुनिश्चित किए जाने के लिए 400 करोड की धनराशि केंद्र से उपलब्ध कराए जाने का अनुरोध भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2027 में हरिद्वार में दिव्य और भव्य महाकुंभ का आयोजन किया जाना है। राज्य सरकार द्वारा इसकी तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। इसके सफल आयोजन के लिए हरिद्वार में पुलों की मरम्मत, पार्किंग, विद्युत, पेयजल, शौचालय, परिवहन, श्रद्धालुओं के लिए पैदल मार्ग सहित अन्य कार्य कराए जाने हैं।

मुख्यमंत्री ने इसके लिए 3500 करोड रुपये की वित्तीय सहायता दिये जाने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने ऋषिकेश और हरिद्वार शहरों में एचटी व एलटी विद्युत लाईनों को भूमिगत करने के साथ ही विद्युत प्रणाली को स्वचालित करने के लिए उत्तराखंड सरकार द्वारा भेजी गई 1015 करोड की डीपीआर को आरडीएसएस योजना के अंतर्गत स्वीकृत किये जाने के लिए संबंधित को निर्देशित करने का भी अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऋषिकेश के निकट स्थित अनोखी धरोहर चौरासी कुटिया को अपने पुराने रूप में लाने के लिए राज्य सरकार प्रयासरत है। इसके लिए अपेक्षित धनराशि की व्यवस्था भी कर ली गई है। मुख्यमंत्री ने चौरासी कुटिया के प्रस्ताव का अनुमोदन राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड से कराए जाने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हिम आधारित नदियों को वर्षा आधारित नदियों से जोड़ने के लिए प्रथम चरण में पिण्डर-कोसी लिंक परियोजना का प्रारम्भिक प्रस्ताव तैयार किया गया है। ग्लेशियर आधारित पिंडर नदी के पानी को वर्षा आधारित कोसी, गगास, गोमती व गरूड़ नदियों में मिलाया जाये तो बागेश्वर, अल्मोड़ा व नैनीताल जिलों के 625 गांवों की लगभग 2 लाख जनसंख्या पेयजल व सिंचाई से लाभान्वित होगी। साथ ही गरूड़, कौसानी, द्वाराहाट, रानीखेत और अल्मोड़ा नगरों की लगभग सवा लाख आबादी के लिए पेयजल आपूर्ति बेहतर हो सकेगी। मुख्यमंत्री ने इस परियोजना को भारत सरकार की विशेष योजना के अंतर्गत लिये जाने का अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से कैबिनेट सचिव, भारत सरकार की अध्यक्षता में गठित समिति की संस्तुतियों के क्रम में कुल 596 मेगावाट क्षमता की पांच जल विद्युत परियोजनाओं के विकास की अनुमति प्रदान किये जाने का भी आग्रह किया। प्रधानमंत्री मोदी ने मुख्यमंत्री धामी से चारधाम यात्रा, आदि कैलाश यात्रा, नंदा राजजात यात्रा, हरिद्वार में होने जा रहे कुम्भ के साथ ही प्रदेश में जल जीवन मिशन के बारे में विस्तार से जानकारी ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को उत्तराखंड के विकास के लिए केंद्र सरकार से हर सम्भव सहयोग के प्रति आश्वस्त किया।

दिशा बैठक में विकास का खाका केंद्रीय मंत्री ने मांगी जवाबदेही

मीरजापुर। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, रसायन एवं उर्वरक राज्यमंत्री व सांसद अनुप्रिया पटेल की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक हुई।

बैठक में केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं की बिंदुवार समीक्षा की गई। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन व सीडीओ विशाल कुमार ने योजनाओं की प्रगति पर प्रस्तुति दी। मनरेगा, एनआरएलएम, पीएम आवास योजना, फसल बीमा, पीएम किसान, पीएम कुसुम, ई-नाम, स्वच्छता अभियान, स्वास्थ्य सेवाओं, महिला समूहों और अपशिष्ट प्रबंधन जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। मंत्री ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, ग्रामीण सड़कों की मरम्मत, महिला समूहों को स्वावलंबी बनाने, कृषि आधारित यूनिट स्थापित करने और योजनाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजनाओं को गुणवत्तापूर्वक व पारदर्शी ढंग से समयबद्ध पूरा किया जाए। बैठक में विधायक, एमएलसी, जनप्रतिनिधि व सभी विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

स्कूल मर्जर को लेकर नौनिहाल पहुंचे कलेक्टर ऑफिस, लगाई गुहार

जालौन। प्रदेश सरकार के द्वारा मर्ज किए जा रहे सरकारी विद्यालयों को लेकर घमासान मचा हुआ है, वहीं कई राजनैतिक दल इसे शिक्षा के अधिकार के तहत षड्यंत्र बता रहे हैं। वहीं, सोमवार को स्कूल मर्ज किए जाने से परेशान करीब एक दर्जन नौनिहाल व ग्रामीणों सहित डीएम कार्यालय पहुंचकर स्कूल को मर्ज न किये जाने की गुहार लगाई है। बता दें कि सोमवार को ग्राम दौलतपुर निवासी छात्र अपने परिजनों के साथ जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे और उन्हें मांग पत्र देते हुए बताया कि गांव में एक मात्र सरकारी विद्यालय है, जिसमें करीब दो दर्जन छात्र-छात्राएं पढ़ते हैं। अब इस विद्यालय को पड़ोस के गांव रगेदा में शिफ्ट किया जा रहा है। ग्रामीणों बताया कि रगेदा जाने वाले रास्ते के बीच में एक नाले का रपटा पड़ता है, जो कि बारिश के साथ-साथ अन्य मौसम में अधिक पानी आ जाने के कारण डूब जाता है, जिससे वहां से निकलने में ग्रामीणों को परेशानी होती है। ऐसे में नौनिहाल छात्र इस रपटे से नहीं निकल पाएंगे, जिससे न सिर्फ उनकी पढ़ाई बाधित होगी बल्कि उनके साथ कोई हादसा भी हो सकता है। ऐसे में उन्होंने जिलाधिकारी से उक्त विद्यालय को बंद न किये जाने की मांग उठाई है। इस दौरान केदारनाथ, महेश कुमार, खेमराज, प्रवेश कुमार, राजेंद्र सिंह, जयकरन, रामकरण, हरदयाल, गोविंद, श्याम करण जसवंत सिंह रवि शंकर, दिलीप कुमार, प्रेम नारायण, सूर्यकुमार, वीरपाल व केशव कुमार आदि ग्रामीण छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

अध्ययन के लिए कर्नाटक के पार्षदों का दल पहुंचा अयोध्या

अयोध्या। नगर निगम अयोध्या की कार्यप्रणाली एवं नवाचारों के अध्ययन के लिए कर्नाटक के हुबली धरवाड़ नगर निगम के पार्षदों एवं अधिकारियों का दल रामनगरी पहुंचा। नगर निगम कार्यालय में महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी एवं नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने दल का भगवान राम की मूर्ति एवं अंग वस्त्र भेंट कर स्वागत किया और उन्हें नगर निगम से जुड़ी जानकारियां दीं।

हुबली से अध्ययन के लिए अयोध्या आए दल में नगर नियोजन अधिकारी प्रज्ञनय प्रकाश, शंकर शिल्के, लक्ष्मी हिंदसागेरी, निलव्वा वाई. अरावल, शंबू गोंउंडा रुद्र गोउंडा सलमानी, शिवकुमार पी. रायगोउंडार, गणेश एम मुढ़ावेल, माननिया प्रसाद आदि शामिल थे। दल ने नगर निगम में अधिकारियों से मुलाकात कर अयोध्या में किया जा रहे नवाचारों की जानकारी प्राप्त की। नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार पांडे ने बताया कि इस दौरान उन्हें नगर की सफाई व्यवस्था, मार्ग प्रकाश व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था तथा निर्माण कार्य में किए जा रहे नवाचार की जानकारी दी गई। नगर आयुक्त ने वित्तीय तंत्र एवं कुशल शहरी शासन के मॉडल से दल को परिचित कराया। इस दौरान टीम ने नगर की सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के बारे में महापौर से खास जानकारी प्राप्त की। टीम ने हुबली में संपर्क अधिकारी की नियुक्ति के लिए नगर निगम में उनकी भूमिका के बारे में भी जानकारी हासिल की।

इस मौके पर पार्षद विजेंद्र सिंह, अनुज दास, संतोष सिंह, विशाल पाल, अनिल सिंह, अभय श्रीवास्तव, सलमान हैदर, धर्मेंद्र मिश्र, अपर नगर आयुक्त डॉ. नागेंद्र नाथ, सहायक अभियंता राजपति यादव, भाजपा नेता अभय सिंह आदि मौजूद रहे।

100 आंगनबाड़ी केंद्रों पर सबसे कमजोर बच्चों की होगी जांच, आज से चलेगा ग्रोथ मेजरमेंट अभियान

लखीमपुर खीरी। संभव अभियान 5.0 के तहत लखीमपुर खीरी में कमजोर और नाटे बच्चों की पहचान और उनके पोषण स्तर के यथार्थ मूल्यांकन के लिए बड़ा कदम उठाया गया है।

जिले के 100 ऐसे आंगनबाड़ी केंद्रों को चिह्नित किया गया है, जहां सर्वाधिक संख्या में स्टंटिंग (नाटापन) से पीड़ित 0 से 5 वर्ष तक के बच्चे हैं। इन केंद्रों पर 15 जुलाई से ग्रोथ मेजरमेंट (लंबाई, ऊंचाई व वजन) का कार्य शुरू किया जाएगा। इससे पहले सोमवार को अटल सभागार में डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल की अध्यक्षता में नोडल अधिकारियों के लिए विशेष प्रशिक्षण आयोजित किया गया, जिसमें लखनऊ से ऑनलाइन माध्यम से जुड़कर मेजरमेंट प्रक्रिया के सभी बिंदुओं पर जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण की अध्यक्षता करते हुए डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कहा कि पोषण ही बच्चे के संपूर्ण विकास की बुनियाद है। अगर ग्रोथ मॉनिटरिंग डिवाइस में कोई तकनीकी दिक्कत आती है, तो तुरंत दूसरी मशीन से रिप्लेस किया जाए। किसी भी हाल में अभियान की रफ्तार न रुके। हर नोडल अधिकारी समय से केंद्र पहुंचे और कोई भी बच्चा मापन से वंचित न रहे। बच्चों को केंद्र लाने की जिम्मेदारी सहायिका की होगी, जिसकी निगरानी सीडीपीओ करेंगे। डीएम ने कहा कि सभी अफसर जिम्मेदारी को निजी रुचि से निभाएं।

डीपीओ भारत प्रसाद ने बताया कि नोडल अधिकारी संबंधित आंगनबाड़ी केंद्रों पर उपलब्ध कराई गई नामवार सूची के अनुसार बच्चों का वजन एवं ऊंचाई अपने सामने मापेंगे। यदि पोषण ट्रैकर पर दर्ज पुराने आंकड़ों में कोई अंतर पाया गया तो संशोधित आंकड़े पोषण ट्रैकर पर अपडेट किए जाएंगे और रिपोर्ट में इस अंतर का स्पष्ट उल्लेख भी किया जाएगा। यदि कोई बच्चा 15 जुलाई को मेजरमेंट से छूट जाता है तो उसका मापन 16 जुलाई को किया जाएगा, जिससे कोई भी बच्चा इससे वंचित न रहे।

जिले में ग्रोथ मेजरमेंट के लिए मजबूत इंतजाम किए गए हैं। हर आंगनबाड़ी केंद्र पर एक नोडल अधिकारी तैनात किया गया है, जबकि बच्चों के मापन की जिम्मेदारी सीएचओ को दी गई है। 4-5 केंद्रों पर एक सेक्टर अधिकारी नियुक्त किया गया है, जिनमें खंड शिक्षा अधिकारी और आपूर्ति निरीक्षक शामिल हैं। ब्लॉक स्तर पर बीडीओ को पर्यवेक्षक बनाया गया है। लॉजिस्टिक सपोर्ट के लिए सीडीपीओ और मुख्य सेविकाएं जिम्मेदार होंगी। सभी 100 केंद्रों पर ग्रोथ मॉनिटरिंग डिवाइस उपलब्ध करा दी गई हैं।

मापन कार्य को सुव्यवस्थित ढंग से संचालित करने के लिए जनपद स्तर पर एक वॉर रूम भी स्थापित किया गया है। किसी भी समस्या की स्थिति में संबंधित अधिकारी दूरभाष नंबर 05872-314989 या मोबाइल नंबर 9451564101, 9415513172 पर संपर्क कर सकते हैं। इस प्रशिक्षण कार्यशाला में सभी बीडीओ, बीईओ, आपूर्ति निरीक्षक, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की यूएई के विदेश व्यापार राज्यमंत्री डॉ. जेयूदी से हुई आर्थिक और औद्योगिक सहयोग चर्चा

समग्र आर्थिक साझेदारी समझौता से बढ़ेगा भारत और यूएई व्यापार : डॉ. मोहन यादव

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को दुबई में एक महत्वपूर्ण बैठक के दौरान यूएई के विदेश व्यापार राज्य मंत्री डॉ. थानी बिन अहमद अल जेयूदी के साथ भारत-यूएई समग्र आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) के तहत आर्थिक और औद्योगिक सहयोग को विस्तार देने पर गहन चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत-यूएई सीईपीए एक मजबूत आर्थिक आधार प्रदान करता है और मध्य प्रदेश इस साझेदारी का पूर्ण लाभ उठाकर निवेश, व्यापार एवं तकनीकी सहयोग के नए द्वार खोलने के लिए तैयार है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश की भौगोलिक स्थिति, उन्नत बुनियादी ढांचे और बेहतर उद्योग नीति समर्थन ने इसे लॉजिस्टिक्स, मैन्युफैक्चरिंग और खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में एक उभरते निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित किया है। विशेष रूप से ऑटोमोबाइल, फार्मा, टेक्सटाइल, रक्षा विनिर्माण और स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्रों में यूएई के निवेश का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश देश का अग्रणी सोयाबीन, दाल और जैविक उत्पादक राज्य है। उन्होंने खाद्य प्रसंस्करण और कृषि-तकनीक में यूएई के साथ मिलकर काम करने की इच्छा जताई, जिससे भारत और खाड़ी देशों के बीच कृषि आपूर्ति श्रृंखला को सशक्त किया जा सके। मुख्यमंत्री ने यूएई के विदेश व्यापार राज्य मंत्री डॉ. जेयूदी को सौर ऊर्जा, स्मार्ट ऑटोमेशन, एम्बेडेड इलेक्ट्रॉनिक्स और इंडस्ट्री 4.0 जैसे क्षेत्रों में यूएई की विशेषज्ञता को आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मध्य प्रदेश में तेजी से विकसित हो रही नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं यूएई के निवेशकों के लिए निवेश का आकर्षक अवसर हैं। उन्होंने बताया कि धार में पीएम मित्रा पार्क (वस्त्र), तामोट और बिलौआ में प्लास्टिक पार्क, उज्जैन में मेडिकल डिवाइस पार्क, पीथमपुर में ऑटो, भोपाल में इलेक्ट्रॉनिक्स, और देवास में फार्मा क्लस्टर यूएई के निवेशकों के लिए तैयार हैं, जहां अधोसंरचना के साथ मध्य प्रदेश सरकार की उद्योग मित्र पॉलिसी उनका स्वागत करने के लिये तैयार है। मुख्यमंत्री ने बताया कि सिंगापुर के सहयोग से भोपाल स्थित "ग्लोबल स्किल पार्क", विकसित हो रहा है। यह पार्क लॉजिस्टिक्स, हॉस्पिटैलिटी, हेल्थकेयर और मेकाट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षित मानव संसाधन उपलब्ध कराएगा जो यूएई की आवश्यकताओं के अनुरूप होगा। मध्य प्रदेश की पर्यटन क्षमता, खनिज संपदा (हीरा, तांबा, बॉक्साइट, चूना पत्थर) और डब्ल्यूएचओ-जीएमपी व यूएसएफडीए प्रमाणित फार्मा इकाइयां अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के लिए सुनहरा अवसर प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में निवेश आकर्षित करने के लिये राज्य की नवीन औद्योगिक नीति 2025 में कई अहम बदलाव किए गए हैं।

यूएई जैसे रणनीतिक साझेदारों के लिए रियायती भूमि, 100 प्रतिशत एसजीएसटी प्रतिपूर्ति और पूंजीगत अनुदान जैसे विशेष प्रावधान किये गये हैं जो मध्य प्रदेश के साथ निवेश को सशक्त बनाती है। मध्य प्रदेश को आई2यू2 (इंडिया, इजराइल, यूएई और अमेरिका) की रणनीतिक साझेदारी के तहत क्लीन टेक्नोलॉजी, फूड कॉरिडोर और इंडस्ट्रियल इनोवेशन क्षेत्रों में पायलट प्रोजेक्ट्स के लिये उपयुक्त बताया। यह बैठक न केवल भारत-यूएई सीईपीए को धरातल पर उतारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल थी, बल्कि मध्य प्रदेश को वैश्विक निवेश मानचित्र पर एक निर्णायक भूमिका में स्थापित करने की ओर बढ़ता कदम भी साबित हुआ है।

खुदरा महंगाई दर जून में घटकर 77 महीने के निचले स्तर 2.10 फीसदी पर

नई दिल्ली। थोक महंगाई के बाद खुदरा महंगाई दर में भारी गिरावट आई है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा महंगाई दर जून महीने में घटकर 77 महीने के निचले स्तर 2.10 फीसदी पर आ गई है। मई में यह 2.82 फीसदी और जून, 2024 में 5.08 फीसदी के स्तर पर थी।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने सोमवार को जारी आंकड़ों के आधार पर बताया कि सब्जियों, दालों, मांस और दूध सहित खाद्य पदार्थों की कीमतों में नरमी से सीपीआई पर आधारित खुदरा महंगाई दर जून महीने में घटकर 2.10 फीसदी पर आ गई, जो 77 महीने का निचला स्तर है। मई में यह 2.82 फीसदी और अप्रैल में 3.16 फीसदी रही थी, जबकि जून, 2024 में यह 5.08 फीसदी के स्तर पर थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के मुताबिक मई की तुलना में जून में खुदरा महंगाई दर में 72 आधार अंकों की गिरावट है। यह जनवरी, 2019 के बाद सालाना आधार पर सबसे कम महंगाई दर है। इससे पहले जनवरी, 2019 में खुदरा महंगाई दर 1.97 फीसदी की सबसे न्यूनतम दर दर्ज की गई थी।

एनएसओ ने कहा कि जून महीने में खुदरा महंगाई दर में उल्लेखनीय गिरावट मुख्य रूप से अनुकूल आधार प्रभाव और सब्जियों, दालों और उत्पादों, मांस और मछली, अनाज और अन्य उत्पादों, चीनी और मिष्ठान्न, दूध और उत्पादों और मसालों की कीमतों में नरमी के कारण कारण है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने 4 से 6 जून तक हुई आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की तीन दिवसीय द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा बैठक में चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए खुदरा महंगाई दर का अनुमान चार फीसदी से घटाकर 3.7 फीसदी कर दिया था। आरबीआई ने अप्रैल-जून तिमाही के लिए महंगाई दर के अनुमान को 3.6 फीसदी से घटाकर 2.9 फीसदी कर दिया है।

अमेरिका और यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौतों पर बातचीत जारी: वाणिज्य सचिव

नई दिल्ली। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने सोमवार को कहा कि यूरोपीय संघ (ईयू) और अमेरिका के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौतों पर बातचीत का दौर जारी है। बर्थवाल ने कहा कि भारत द्वारा किए जा रहे मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) देश में वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी) को बढ़ावा देने के प्रमुख प्रयासों में से एक हैं। उन्होंने यहां 'सीआईआई जीसीसी व्यवसाय सम्मेलन' को संबोधित करते हुए कहा, 'ब्रिटेन के साथ एफटीए की घोषणा हाल ही में (छह मई को) की गई है। यूरोपीय संघ के साथ बातचीत चल रही है और अमेरिका के साथ इसपर चर्चाएं जारी हैं।" भारत और अमेरिका एक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत कर रहे हैं। दोनों देशों का लक्ष्य इस साल सितंबर-अक्टूबर तक समझौते के पहले चरण को पूरा करना है। इसी तरह, भारत और यूरोपीय संघ भी एफटीए को अंतिम रूप देने को लेकर बातचीत कर रहे हैं। भारत और 27 देशों के यूरोपीय संघ ने आठ वर्षों से अधिक के अंतराल के बाद जून, 2022 में एक व्यापक मुक्त व्यापार समझौते, एक निवेश संरक्षण समझौते और भौगोलिक संकेतकों (जीआई) पर एक समझौते के लिए बातचीत फिर से शुरू की थी। भारत और यूरोपीय संघ इस वर्ष के अंत तक मुक्त व्यापार समझौते को पूरा करने का लक्ष्य बना रहे हैं। वाणिज्य सचिव ने कहा कि आज के व्यापार समझौते पारंपरिक मुक्त व्यापार समझौतों से अलग हैं क्योंकि वे पारंपरिक व्यापार तक ही सीमित होते थे। उन्होंने कहा कि नए समझौते कई व्यापार समझौतों का एक अधिक जटिल समूह हैं जिनमें सेवाएं भी शामिल हैं। अब इन समझौतों में नियमों और मानकों में सामंजस्य स्थापित करने और कोई विवाद होने की स्थिति में उसके समाधान के लिए एक संस्थागत तंत्र का भी प्रावधान होता है। बर्थवाल ने कहा कि वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी) के लिए ये महत्वपूर्ण पहलू हैं। उन्होंने कहा कि आधुनिक एफटीए नवाचार गलियारे का मार्ग प्रशस्त करेंगे, जिससे भारत में जीसीसी की राह सुगम होगी। उन्होंने कहा कि नए व्यापार समझौतों में कई मुद्दों के समाहित होने की वजह से इन समझौतों पर बातचीत की प्रक्रिया पूरी होने में समय लग रहा है। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौते में नवाचार पर भी एक अध्याय शामिल किया गया है, जो पहले नहीं था।

नये वैश्विक व्यापार परिदृश्य का स्वरूप तय कर रहा भारत: अरविंद विरमानी

नई दिल्ली। नीति आयोग के सदस्य डॉ. अरविंद विरमानी ने सोमवार को कहा कि भारत न सिर्फ वैश्विक अर्थव्यस्था में अपनी स्थित मजबूत कर रहा है, बल्कि उसे नया स्वरूप देने में अहम भूमिका निभा रहा है। डॉ. विरमानी ने नई दिल्ली में वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के लिए ₹ट्रेड वॉच क्वार्टरली₹ प्रकाशन का तीसरा संस्करण जारी करने के अवसर पर यह बात कही।

डॉ. विरमानी ने अपने संबोधन में नवीनतम व्यापार गतिशीलता को गहन विश्लेषणात्मक गहराई के साथ प्रस्तुत करने वाले एक व्यापक व्यापार प्रकाशन के लिए पूरी टीम को बधाई दी। वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही के लिए ट्रेड वॉच क्वार्टरली का नवीनतम संस्करण जारी करते हुए उन्होंने कहा कि भारत की उभरती हुई व्यापार भागीदारी, बढ़ती प्रतिस्पर्धा, नवाचार और संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे प्रमुख बाजारों में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने के रणनीतिक प्रयासों द्वारा संचालित अर्थव्यवस्था की गहन प्रगति को दर्शाती है, जो अमेरिकी व्यापार नीति में हाल के बदलावों के अनुरूप है। डॉ. विरमानी ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि ऐसे समय में जब भू-राजनीतिक बदलावों, तकनीकी परिवर्तन और नीतिगत अनिश्चितता के कारण वैश्विक व्यापार का स्वरूप बदल रहा है। उन्होंने कहा कि यह संस्करण नीति निर्माताओं, उद्योग और शिक्षा जगत के लिए एक मूल्यवान संसाधन के रूप में कार्य करता है।

यह समग्र व्यापार सुगमता को बढ़ाने और वैश्विक बाजारों में मजबूत भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए दूरदर्शी सुझाव प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि ट्रेड वॉच क्वार्टरली का नवीनतम संस्करण भारत के व्यापारिक और सेवा व्यापार का समय पर और डेटा-समृद्ध विश्लेषण प्रदान करता है। इसके साथ ही विकसित हो रही अमेरिकी व्यापार नीतियों और भारत के लिए उनके निहितार्थों की गहन पड़ताल करता है। इस तिमाही के लिए भारत की व्यापार स्थिति का व्यापक विश्लेषण प्रस्तुत करने के अलावा इस संस्करण का विषयगत खंड अमेरिकी टैरिफ संरचनाओं में हालिया बदलावों पर केंद्रित है, जो अंतरराष्ट्रीय व्यापार के पुनर्गठन और भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता पर इसके प्रभावों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करता है।

नीति आयोग ने एक बयान में कहा कि उभरती अमेरिकी व्यापार नीति, विशेष रूप से अप्रैल 2025 से लागू नई टैरिफ व्यवस्था पर विषयगत ध्यान केंद्रित करते हुए यह रिपोर्ट HS-2 और HS-4 स्तरों पर भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता का विश्लेषण करती है, जो अमेरिका में बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने के प्रमुख अवसरों की पहचान करती है। यह नीति निर्माताओं, उद्योग जगत के नेताओं और शोधकर्ताओं को उभरते वैश्विक व्यापार पुनर्गठन के लिए त्वरित और सूचित प्रतिक्रियाएं तैयार करने में सहायता के लिए डेटा-आधारित अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

आयकर विभाग का फर्जी कर कटौती मामले में 200 से अधिक ठिकानों पर छापा

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने सोमवार को देशभर में उन 200 से ज्यादा ठिकानों पर छापेमारी की है, जिन्होंने कथित तौर पर करदाताओं को राजनीतिक चंदे, ट्यूशन फीस और चिकित्सा व्यय सहित विभिन्न मदों में फर्जी कटौती का दावा करने में मदद की। आयकर विभाग ने इस तलाशी अभियान में फर्जी कर कटौती में मदद करने के आरोपितों और संस्थाओं को निशाना बनाया है। आयकर विभाग की ये कार्रवाई तब हुई, जब उन्हें धारा 80-जीजीसी के तहत कई बिचौलियों के कई फर्जी बिल मिले हैं। आयकर अधिनियम की इस धारा में करदाताओं को राजनीतिक दलों या किसी चुनावी ट्रस्ट को दिए गए दान पर कटौती का प्रावधान है। आयकर विभाग फर्जी चिकित्सा व्यय और ट्यूशन फीस की कटौती के संबंध में तलाशी ले रहा है। ऐसी शिकायतें मिली थीं कि कई बिचौलिए नियमित रूप से फर्जी बिलों पर कटौती का दावा कर रहे थे। ये फर्जी बिल बिचौलियों को पांच से 10 फीसदी तक के कमीशन पर दिए जाते थे। ये कर चोर मुख्य रूप से राजधानी शहरों से हैं, जहां लोग नियमित रूप से ट्यूशन फीस और चिकित्सा व्यय पर तथा राजनीतिक चंदे के माध्यम से धोखाधड़ी से कटौती का दावा कर रहे हैं।

शुल्क में कटौती के बावजूद जून में भारत का कच्चे तेल का आयात 15.49 लाख टन पर स्थिर

नई दिल्ली। भारत का वनस्पति तेल आयात जून में पिछले साल के इसी महीने की तुलना में 15.49 लाख टन पर स्थिर रहा है, जबकि कच्चे खाद्य तेलों की खेप में 25% से अधिक की वृद्धि हुई है। उद्योग निकाय सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ने सोमवार को यह जानकारी दी। कच्चे तेल के आयात में यह वृद्धि सरकार द्वारा कच्चे पाम तेल, कच्चे सोयाबीन तेल और कच्चे सूरजमुखी तेल सहित कच्चे खाद्य तेलों पर मूल सीमा शुल्क को 31 मई से 20% से घटाकर 10% करने के बाद हुई है। जून, 2024 में खाद्य और अखाद्य दोनों प्रकार के वनस्पति तेलों का कुल आयात 15.50 लाख टन रहा था। खाद्य तेल श्रेणी में, कच्चे सूरजमुखी तेलों को छोड़कर, अन्य कच्चे खाद्य तेलों आयात जून, 2025 में 25.64% बढ़कर 11.51 लाख टन हो गया, जो एक साल पहले जून में 9.16 लाख टन था।

चांदी 5,000 रुपये की छलांग के साथ 1.15 लाख रुपये के नए शिखर पर, सोना भी मजबूत

नई दिल्ली। अमेरिकी शुल्क धमकियों को लेकर अनिश्चितताओं के बीच डॉलर की कमजोरी के बाद निवेशकों के सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख करने से सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में चांदी की कीमतें 5,000 रुपये के जोरदार उछाल के साथ 1,15,000 रुपये प्रति किलोग्राम के नए शिखर पर पहुंच गईं।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी। शनिवार को चांदी 4,500 रुपये बढ़कर 1,10,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंची थी। संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत और 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 200-200 रुपये बढ़कर क्रमशः 99,570 रुपये और 99,000 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) पर पहुंच गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, "चांदी की कीमतें बढ़कर घरेलू बाजार में नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई हैं। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी लगभग 14 साल के उच्चतम स्तर पर है। यह तेजी सोने के विकल्पों के प्रति निवेशकों की रुचि में बदलाव के कारण है।" इसके अलावा, जिंस एक्सचेंज में चांदी वायदा 2,135 रुपये या 1.88 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,15,136 रुपये प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंच गया। इस बीच, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में अगस्त डिलिवरी वाले सबसे अधिक कारोबार वाला सोने का अनुबंध 518 रुपये या 0.53 प्रतिशत बढ़कर 98,336 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। एलकेपी सिक्योरिटीज के उपाध्यक्ष, शोध विश्लेषक (जिंस और मुद्रा) जतिन त्रिवेदी ने कहा, "वैश्विक शुल्क को लेकर तनाव के नए सिरे से बढ़ने से सोने की कीमतों में सकारात्मक रुख देखा गया।

अमेरिका द्वारा यूरोपीय संघ, कनाडा और मेक्सिको सहित व्यापारिक साझेदारों पर अतिरिक्त शुल्क लगाने और डॉलर इंडेक्स में व्यापक कमजोरी के कारण सोना एक पसंदीदा सुरक्षित निवेश गंतव्य बन गया है।" अंतरराष्ट्रीय बाजारों में हाजिर चांदी 1.71 प्रतिशत बढ़कर 39.02 डॉलर प्रति औंस हो गई। वैश्विक बाजारों में हाजिर सोना मामूली बढ़कर 3,371.14 डॉलर प्रति औंस हो गया।

भारत से इस साल 10 लाख कुशल श्रमिकों को अपने औद्योगिक क्षेत्रों में रोजगार के लिए बुलाएगा रूस

मॉस्को। रूस अपने औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिकों की कमी को दूर करने के लिए इस साल के अंततक भारत से करीब 10 लाख कुशल कार्यबल को अपने यहां काम करने का मौका देगा।

रूस के एक दिग्गज कारोबारी ने यह जानकारी दी है। रूसी उद्योग मंडल 'यूरल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री' के प्रमुख आंद्रेई बेसेदिन ने समाचार एजेंसी रॉसबिजनेसकंसल्टिंग के साथ बातचीत में भारत से कुशल कामगारों को मंगाने की योजना की जानकारी दी। बेसेदिन ने कहा, "जहां तक मुझे पता है, साल के अंततक भारत से 10 लाख विशेषज्ञ कामगार रूस आएंगे। इनमें रूस का स्वेर्दलोव्स्क क्षेत्र भी शामिल है। इससे संबंधित मामलों को देखने के लिए येकातेरिनबर्ग में एक नया महावाणिज्य दूतावास खुल रहा है।" बेसेदिन ने कहा कि भारतीय पेशेवरों के आने से स्वेर्दलोव्स्क क्षेत्र में बेहद काबिल कार्यबल की कमी पूरी हो जाएगी। यूराल पर्वत में स्थित स्वेर्दलोव्स्क क्षेत्र भारी उद्योग एवं सैन्य-औद्योगिक परिसरों का केंद्र है। इसमें विश्व प्रसिद्ध यूरालमाश और टी-90 श्रृंखला के टैंक बनाने वाली कंपनी यूराल वैगन जावोद भी शामिल हैं।

बेसेदिन ने कहा कि इस क्षेत्र में स्थित औद्योगिक उद्यमों को उत्पादन की मात्रा बढ़ाने की जरूरत है, लेकिन यहां पर समुचित मात्रा में कुशल श्रमिकों की कमी है। उन्होंने इसके पीछे कुछ श्रमिकों के यूक्रेन में जारी रूसी सैन्य अभियान में तैनात होने और रूसी युवाओं के कारखानों में नहीं जाने की प्रवृत्ति को अहम कारण बताया।

रुपया 22 पैसे टूटकर 86.02 प्रति डॉलर पर

मुंबई। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और अमेरिकी मुद्रा के मजबूत होने से रुपया सोमवार को 22 पैसे टूटकर 86.02 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी की निकासी तथा भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में किसी भी प्रकार की सफलता में देरी से स्थानीय मुद्रा पर दबाव बढ़ा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.96 प्रति डॉलर पर खुला।

दिन में 85.92 से 86.05 प्रति डॉलर के सीमित दायरे में कारोबार के बाद अंत में यह 86.02 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। यह पिछले बंद भाव से 22 पैसे की गिरावट है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.80 पर बंद हुआ था। फिनरेक्स ट्रेजरी एडवाइजर्स एलएलपी के कोष प्रमुख एवं कार्यकारी निदेशक अनिल कुमार भंसाली ने कहा, " भारत-अमेरिका व्यापार समझौता अभी तक नहीं हो पाया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दो सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों यूरोपीय संघ और मेक्सिको पर शुल्क लगा दिए हैं, जिससे भारतीय रुपये में फिर से गिरावट आई है। डॉलर सूचकांक में तेजी आई और पूरे दिन रुपये में गिरावट रही जबकि एशियाई मुद्राएं थोड़ी कमजोर रहीं।" उन्होंने कहा, " रुपये के मंगलवार को 85.75 से 86.25 के बीच रहने के आसार हैं क्योंकि निवेशकों को अभी अमेरिकी के खुदरा मुद्रास्फीति आंकड़ों का इंतजार है।" इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 प्रतिशत की बढ़त के साथ 97.82 पर पहुंच गया। घरेलू शेयर बाजारों में सेंसेक्स 247.01 अंक की गिरावट के साथ 82,253.46 अंक पर जबकि निफ्टी 67.55 अंक फिसलकर 25,082.30 अंक पर बंद हुआ।

शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुक्रवार को बिकवाल रहे और उन्होंने शुद्ध रूप से 5,104.22 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे।

कर्नाटक बैंक ने राघवेंद्र एस. भट को अंतरिम प्रबंध निदेशक और सीईओ नियुक्त किया

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के ऋणप्रदाता कर्नाटक बैंक ने सोमवार को कहा कि उसने राघवेंद्र श्रीनिवास भट को तीन महीने के लिए अपना अंतरिम प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। कर्नाटक बैंक ने शेयर बाजारों को दी सूचना में कहा कि यह नियुक्ति 16 जुलाई, 2025 से तीन महीने की अवधि के लिए या नियमित एमडी और सीईओ की नियुक्ति, जो भी पहले हो, तक प्रभावी होगी। यह कदम श्रीकृष्णन हरिहर शर्मा द्वारा 29 जून को मुंबई स्थानांतरित होने के अपने फैसले सहित व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए एमडी और सीईओ के पद से इस्तीफा देने के बाद उठाया गया है। इसके अलावा, कार्यकारी निदेशक शेखर राव ने मंगलुरु स्थानांतरित होने में असमर्थता और अन्य व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए पद छोड़ दिया था।

शेयर बाजार में चौथे दिन गिरावट जारी, सेंसेक्स 247 अंक टूटा, निफ्टी 68 अंक के नुकसान में

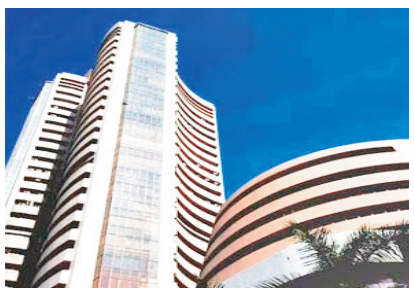

मुंबई। स्थानीय शेयर बाजार में सोमवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में गिरावट रही और बीएसई सेंसेक्स 247 अंक के नुकसान में रहा। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 68 अंक टूट गया। आईटी शेयरों में बिकवाली और विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी से बाजार नुकसान में रहा।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 247.01 अंक यानी 0.30 प्रतिशत की गिरावट के साथ 82,253.46 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, एक समय यह 490.09 अंक टूटकर 82,010.38 अंक तक आ गया था। पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 67.55 अंक यानी 0.27 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,082.30 अंक पर बंद हुआ। नौ जुलाई से अबतक की चार कारोबारी सत्रों में सेंसेक्स लगभग 1,460 अंक यानी 1.75 प्रतिशत और निफ्टी 440 अंक यानी 1.73 प्रतिशत नीचे आ चुका है। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में एशियन पेंट्स में सबसे अधिक 1.58 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके अलावा टेक महिंद्रा, बजाज फाइनेंस, इन्फोसिस, एचसीएल टेक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, लार्सन एंड टुब्रो और टाटा मोटर्स के शेयर भी नुकसान में रहे। दूसरी तरफ लाभ में रहने वाले शेयरों में इटर्नल (पूर्व में जोमैटो), टाइटन, महिंद्रा एंड महिंद्रा और आईटीसी शामिल है।

शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 5,104.22 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। हालांकि, मझोली कंपनियों से संबंधित मिडकैप और छोटी कंपनियों से जुड़े स्मॉलकैप सूचकांक में क्रमशः 0.71 प्रतिशत और 1.04 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, "घरेलू बाजार में गिरावट का दौर जारी रहा। इसका कारण शुल्क को लेकर चिंता और कंपनियों के तिमाही वित्तीय परिणाम की हल्की शुरुआत है। ऐसे में निवेशक तीन साल के ऊंचे मूल्यांकन के बीच कारोबार को लेकर अधिक संवेदनशीलता दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि, स्वास्थ्य सेवा, रियल्टी, उपभोक्ता और सोच-विचार कर किये जाने वाले खर्च से जुड़े क्षेत्रों में तेजी के साथ शेयर-आधारित कार्यवाही जारी है।

जबकि वित्त वर्ष 2025-26 में आमदनी में गिरावट के जोखिम के कारण सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों का प्रदर्शन प्रभावित हुआ है। वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारी के अनुसार, अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर एक और दौर की वार्ता के लिए भारतीय अधिकारियों का दल अमेरिका पहुंच गया है।

सावन के पहले सोमवार पर शिवालय और मंदिरों में उमड़ा आस्था का सैलाब

नोएडा। सावन माह के पहले सोमवार को गौतमबुद्ध नगर के मंदिरों में भक्तों की जबरदस्त भीड़ उमड़ पड़ी। शिवभक्त सुबह चार बजे से ही मंदिरों की ओर रुख करने लगे। विशेष रूप से भाईपुर ब्रह्मनान गांव स्थित ऐतिहासिक नानकेश्वर महादेव मंदिर में श्रद्धालुओं का सैलाब देखा गया। भीड़ की व्यवस्था के लिए मंदिर समिति और पुलिस प्रशासन ने पूरी तैयारियां की थीं। मंदिर के महंत रामकुमार मिश्रा ने बताया कि सुबह चार बजे मंदिर के कपाट खोले गए और रुद्राभिषेक का शुभारंभ हुआ। ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों से भीड़ की निगरानी की जा रही है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि मंदिर में 20 से 23 जुलाई तक चार दिवसीय महाशिवरात्रि मेला का आयोजन किया जाएगा।

इसी क्रम में, सेक्टर-19 स्थित सनातन धर्म मंदिर में भी भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। मंदिर के महासचिव संजय बाली ने बताया कि मंदिर को फूलों और रंग-बिरंगी लाइटों से सजाया गया है। भगवान शिव और माता पार्वती की मूर्ति के लिए विशेष पोशाक भी तैयार कराई गई है। इसके अलावा, सेक्टर-2 लाल मंदिर, सेक्टर-100 वोडा महादेव मंदिर, सेक्टर-14ए शनि मंदिर, सेक्टर-71 सर्फाबाद, सेक्टर-40, 63 वाजिदपुर, सेक्टर-168, 159, और बदौली, होशियारपुर, सहित अन्य प्राचीन शिवालयों में भी श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। पुलिस कमिश्नरेट के मीडिया प्रभारी ने बताया कि शिव भक्तों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था की गई है। पुलिस अधिकारी सुबह से ही अलग-अलग मंदिरों का दौरा कर व्यवस्था का निरीक्षण कर रहे हैं।

कांग्रेस का प्रदर्शनः अजय राय के समर्थन में राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

नोएडा। वाराणसी में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय व पूर्व मंत्री सहित 10 नेताओं पर दर्ज फर्जी मुकदमों के विरोध में सोमवार को नोएडा के कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय, सेक्टर-19 पर जोरदार प्रदर्शन किया।

महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट विवेक भदौरिया को सौंपा। प्रदर्शन के दौरान मुकेश यादव ने कहा कि वाराणसी में जलभराव, सीवर जाम और व्यापारियों की समस्याओं को उजागर करने के लिए निकाली गई पोल खोल यात्रा पर फर्जी मुकदमे दर्ज करना लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन है। भाजपा की डबल इंजन सरकार केवल नारेबाजी कर जनता को गुमराह कर रही है, जबकि जमीनी स्तर पर विकास की स्थिति दयनीय है।

प्रवक्ता पवन शर्मा ने कहा कि विपक्ष की आवाज़ को दबाने के लिए सत्ता का दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी का हर कार्यकर्ता लोकतंत्र की रक्षा के लिए इस दमनकारी नीति का विरोध करता रहेगा। प्रदर्शन में मुकेश यादव, लियाकत चौधरी, पवन शर्मा, राजकुमार भारती, सतेंद्र शर्मा, ललित आवान, यतेंद्र शर्मा, विक्रम चौधरी, एसएस सिसोदिया, दयाशंकर पांडेय, रामकुमार शर्मा, कैप्टन पीएस रावत, सतीश पांचाल, अरुण प्रधान, वासिम खान समेत कई कार्यकर्ता शामिल रहे।

घर के बाहर खेल रहे मासूम को ट्रैक्टर ने कुचला

नोएडा। ककराला गांव में घर के बाहर खेल रहे एक छह वर्षीय मासूम को ट्रैक्टर ने कुचल दिया। चालक ट्रैक्टर लेकर बच्चे के ऊपर से गुजर गया। चीख पुकार सुनकर लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई, तभी चालक ट्रैक्टर मौके पर छोड़कर फरार हो गया। लोगों ने मामले की सूचना नोएडा पुलिस को दी। नोएडा की फेस टू थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ट्रैक्टर को जब्त कर लिया। वहीं बच्चे के शव को कब्जे में लेकर नोएडा पुलिस ने पोस्टमार्ट के लिए भेज दिया है।

नोएडा के ककराला गांव में घर के बाहर खेल रहे बच्चे को एक सप्ताह पूर्व ट्रैक्टर के चालक ने तेजी व लापरवाही से कुचल दिया था। इसमें बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद परिजन शव लेकर अपने गृह जनपद चले गए। अंतिम संस्कार कर लौटने के बाद पीड़ित पिता ने चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। नोएडा पुलिस का कहना है कि पिता की शिकायत पर अज्ञात चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। नोएडा पुलिस का कहना है कि टीम का गठन कर दिया गया है, जल्द ही ट्रैक्टर चालक को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पीड़ित चांद परिवार समेत नोएडा के ककराला गांव में किराए पर रहते है। वह मूलरूप से जिला बुलंदशहर की कांशीराम कॉलोनी का रहने वाला है। उनका छह वर्षीय पुत्र मोहम्मद उमर आठ जुलाई की सुबह घर के निकट चौराहे के पास खेल रहा था, तभी एक ट्रैक्टर के चालक ने लापरवाही से चलाते हुए उसे टक्कर मारकर घायल कर दिया। लहूलुहान अवस्था में स्थानीय लोगों ने उसे यथार्थ अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजन को सौंप दिया। पीड़ित ने ट्रैक्टर चलाने वाले आरोपी के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। थाना प्रभारी निरीक्षक का कहना है कि शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

रोजगार मेलाः विभिन्न कंपनियों में 109 युवक और युवतियों को मिला रोजगार

नोएडा। जनपद गौतमबुद्ध नगर के बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार देने के मकसद से राजकीय आईटीआई सेक्टर-31 नोएडा में में रोजगार मेले का आयोजन किया गया। रोजगार मेले में हाईस्कूल, इंटरमीडिएट एवं आईटीआई पास 465 अभ्यार्थी शामिल हुए। जिसमें से योग्यतानुसार 109 युवक-युवतियां रोजगार पाने में सफल रहे। रोजगार मेले में 22 कंपनियों ने 109 अभ्यर्थियों का रोजगार के लिए चयन किया। वहीं रोजगार प्राप्त करने वाले युवक-युवतियों के चेहरे खिल उठे। इस दौरान अभ्यार्थियों ने रोजगार मिलने पर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार व्यक्त किया।

रोजगार मेले का शुभारंभ भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपालकृष्ण अग्रवाल, डीएम मनीष कुमार वर्मा एवं मुख्य विकास अधिकारी विद्यनाथ शुक्ल द्वारा किया गया। इस दौरान डीएम और मुख्य विकास अधिकारी ने रोजगार के लिए चयन होने वाले अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित कर उनको शुभकामनाएं प्रेषित की। साथ ही डीएम ने उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के अधिकारियों से कहा कि समय-समय पर इस तरह के रोजगार मेलों का आयोजन कराया जाए। जिससे अधिक से अधिक बेरोजगार युवकों को रोजगार प्राप्त हो सके। पत्रकारों से बातचीत करते हुए उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन गौतमबुद्ध नगर के जिला समन्वक पुष्पेंद्र सिंह ने बताया कि रोजगार मेले में समस्त राजकीय और निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों से किसी भी ट्रेड में आईटीआई पास तथा दसवीं एवं 12वीं पास अभ्यर्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

उन्होंने बताया कि रोजगार मेले में 22 कंपनियों द्वारा उपस्थित होकर युवाओं का रोजगार के लिए साक्षात्कार लिया गया। रोजगार मेले में 465 युवाओं ने उपस्थित होकर रोजगार मेले का लाभ उठाया, जिसमें से 109 युवाओं का रोजगार के लिए चयन किया है। उन्होंने कहा जनपद में इसी प्रकार आगे भी रोजगार मेले आयोजित कराए जायेंगे जिससे जनपद के बेरोजगार युवक-युवतियों को अधिक से अधिक संख्या में रोजगार उपलब्ध हो सकें।

विश्वविद्यालय में नए सत्र का शुभारंभ

नोएडा। एमिटी विश्वविद्यालय में सोमवार से छात्रों का नया सत्र शुरू हुआ। द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें छात्रों ने सामूहिक रूप से पूजन किया। इस दौरान वाइस चांसलर डॉ. बलविंदर शुक्ला ने कहा कि हर नए कार्य का प्रारंभ ईश्वर के आशीर्वाद के साथ करना चाहिए। इससे आपको सफलता अवश्य मिलेगी। एमिटी विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर डॉ. बलविंदर शुक्ला ने एमिटी शिक्षण समूह के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार चौहान का मानना है कि हर नये कार्य का प्रारंभ ईश्वर के आर्शीवाद के साथ करना चाहिए आपको सफलता अवश्य मिलेगी इसलिए एमिटी में आज द्वितीय वर्ष से प्री फाइनल वर्ष के छात्रों के नये सत्र का प्रारंभ हवन करके किया जा रहा है। एमिटी के हर छात्रों को हम सफल और उनके सपनों को पूर्ण करते हुए देखना चाहते है। जीवन में लक्ष्य हासिल करने के लिए उसके प्रति समर्पित होना आवश्यक है इसलिए अपने अकांक्षाओं का अवलोकन और लक्ष्य का निर्धारण करें।

बाजार जा रहे युवक के साथ मारपीट

ग्रेटर नोएडा। जेवर के थोरा गांव में बाजार जा रहे एक युवक को रास्ते में रोककर मारपीट की गई। पीड़ित के भाई ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस के मुताबिक थोरा गांव के रहने वाले महेश ने बताया कि रविवार को उसका भाई विजय घर से बाजार जा रहा था। इस बीच रास्ते में गांव के रहने वाले कालू ने उसे रोक लिया। बिना वजह गाली गलौज की। विरोध करने पर विजय को बुरी तरह पीटा गया। घायल विजय का अस्पताल में इलाज चल रहा है। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि पुलिस मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच में जुटी है।

पुलिस ने शराब, गांजा और असलहा सहित 22 बदमाशों को गिरफ्तार किया

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर कमिश्नरेट पुलिस ने नोएडा और ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के विभिन्न स्थानों से 22 अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से अवैध हथियार, मादक पदार्थ, चोरी की बाइक और अन्य सामान बरामद किया गया है। थाना प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार ने बताया कि एक सूचना के आधार पर राजू यादव और राजन कुमार को गिरफ्तार किया गया। इनके कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल और दो मोबाइल फोन बरामद हुए। पूछताछ में पता चला कि ये वाहन चोरी और लूटपाट की घटनाओं में शामिल हैं।

एक अन्य सूचना पर थाना पुलिस ने रंजीत और अंकित सिंह को गिरफ्तार किया, जिनके पास से अवैध चाकू बरामद हुआ। थाना फेस-1 के प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार मान ने बताया कि अरमान को भी अवैध चाकू के साथ गिरफ्तार किया गया। विशाल को गांजा (1 किलो 240 ग्राम) के साथ गिरफ्तार किया गया, जबकि करण, आकाश, सुमित के पास से देसी शराब और चाकू बरामद हुए। थाना सेक्टर-24 के प्रभारी निरीक्षक विद्युत गोयल ने कहा कि अरुण कुमार को अवैध चाकू के साथ गिरफ्तार किया गया। वहीं, विशाल को 28 पव्वा देसी शराब के साथ पकड़ा गया। थाना बादलपुर से धर्मेंद्र पुत्र मनीष को चाकू के साथ गिरफ्तार किया गया।

थाना सेक्टर-63 के प्रभारी निरीक्षक अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि कृष्ण और शनि को चोरी की नीयत से अवैध चाकू के साथ पकड़ा गया। दया शंकर को भी अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया गया। इसी थाने की पुलिस ने गढ़ी गोल चक्कर के पास से 110 पव्वा अवैध शराब के साथ विक्की नामक शराब तस्कर को भी गिरफ्तार किया। थाना सेक्टर-20 के प्रभारी निरीक्षक डीपी शुक्ल ने बताया कि कलुआ को 23 पव्वा हरियाणा मार्का देसी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया।

दीप सिंह को 28 पव्वा देसी शराब के साथ पकड़ा गया। थाना बीटा-दो के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि उमेश कुमार को अवैध चाकू के साथ गिरफ्तार किया गया। थाना सेक्टर-49 के प्रभारी अनुज कुमार सैनी ने कहा कि राहुल वर्मा को देसी तमंचा और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया। थाना नॉलेज पार्क के प्रभारी निरीक्षक सर्वेश कुमार सिंह ने बताया कि आमिर को भी देसी तमंचा और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया, जो लूटपाट की फिराक में था। पुलिस अब बाकी आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है और अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए सतर्कता बढ़ा दी गई है।

सड़क पर लावारिस मिली बच्ची को परिजनों से मिलाया

नोएडा। सड़क पर लावारिस हालत में मिली बच्ची के परिजनों को तलाशकर पुलिस ने उनके सुपुर्द किया। सोशल मीडिया पर लोगों ने पुलिस के सराहनीय पहल की सराहना की है। सेक्टर-20 थाना प्रभारी ने बताया कि रविवार शाम को पीआरवी के माध्यम से सूचना मिली कि थानाक्षेत्र में दो साल की एक बच्ची लावारिस हालत में मिली है।

वह न तो अपना नाम बता पा रही है और न ही घर का पता उसे याद है। इसके बाद पुलिस ने बच्ची को अपने संरक्षण में ले लिया और टीम बनाकर उसके परिजनों की तलाश शुरू कर दी। एक महिला पुलिसकर्मी समेत चार पुलिसकर्मियों थानाक्षेत्र के गांवों और सेक्टरों में बच्ची को लेकर घूमने लगे।

स्थानीय लोगों से बच्ची के परिजनों के बारे में जानकारी एकत्रित करते रहे। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद बच्ची के परिजनों की जानकारी पुलिस टीम को मिल गई। इसके बाद बच्ची को उनके सुपुर्द कर दिया गया। परिजन भी बच्ची को तलाश रहे थे। बच्ची के परिजनों द्वारा पुलिस टीम का आभार व्यक्त करते हुए प्रशंसा की गई।

आपातकाल संघर्ष गाथा कार्यक्रम आयोजित

ग्रेटर नोएडा। राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के उपलक्ष्य में एबीवीपी द्वारा आपातकाल की विभीषिका के 50 वर्ष पूर्ण होने पर आपातकाल संघर्ष गाथा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आपातकाल के समय संघर्ष करने वाले लोगों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एमएलसी श्रीचंद शर्मा ने कहा कि आपातकाल भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का सबसे काला अध्याय था।

अंतिम निवास में गूंजेगा महामृत्युंजय मंत्र का जाप

नोएडा। लोगों को गंभीर रोगों तथा अकाल मौत से बचाने का जीवनदायिनी शंकर भगवान का महामृत्युंजय मंत्र का जाप अब नोएडा के अंतिम निवास (श्मशान घाट) में भी अनवरत गूंजेगा। नोएडा के निवासियों को निरोग रखने तथा रोग व अकाल मौत से बचाने की कामना को लेकर सेक्टर-94 स्थित अंतिम निवास पर महामृत्युंजय जाप शुरू होगा। यह जाप रोजाना सालों-साल अनवरत चलता रहेगा।

अंतिम निवास को रमणीक व अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस करने में दशकों से जुटी संस्था नोएडा लोक मंच ने आज से अब महामृत्युंजय जाप शुरू करने की तैयारी की है। नोएडा लोकमंच के महासचिव महेश सक्सेना ने बताया कि आज अंतिम निवास परिसर में शिव शंकर कृपा निवास का शुभारंभ किया जा रहा है। जहां पर रोजाना चित्रकूट के प्रकाण्ड पंडितों के द्वारा सुबह 6-9 बजे तथा शाम को 6-8 बजे तक महामृत्युंजय जाप किया जाएगा। इस बीच की अवधि के दौरान स्पीकर के जरिए लगातार महामृत्युंजय मंत्र की ध्वनि बजती रहेगी। उन्होंने बताया कि रोजाना करीब 4-5 माला इस मंत्र का जाप होगा। इस तरह 60 दिनों यानी करीब दो माह में सवा लाख महामृत्युंजय का जाप होगा। सवा लाख मंत्र का जाप पूरा होने पर उद्यापन किया जाएगा। यह प्रक्रिया अनवरत रहेगी।

महेश सक्सेना ने बताया कि यदि किसी के घर में कोई व्यक्ति गंभीर बीमारी से पीड़ित है तथा वह महामृत्युंजय जाप कराना चाहता है। तो वह पीड़ित व्यक्ति की फोटो तथा उसका विवरण लेकर अंतिम निवास आ जाए।

उनका भी प्रकांड पंडितों द्वारा महामृत्युंजय जाप करा दिया जाएगा ताकि वे स्वस्थ्य हो सकें तथा अकाल मौत आदि से उबर सकें। यह कार्य आमजन हिताय व मानवता के निहितार्थ किया जा रहा है। शहर के गणमान्य लोगों ने इस पहल की काफी सराहना की तथा कहा कि सेक्टर-94 का अंतिम निवास शायद देश का पहला श्मशान होगा जहां पर अन्य अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ महामृत्युंजय का जाप हमेशा गूंजेगा।

बता दें कि अंतिम निवास में अंतिम क्रिया की वीडियोग्राफी, पार्थिव शरीर को स्नान कराने के लिए कई पवित्र नदियों के जल से युक्त जलाशय, स्पीकर से हमेशा धार्मिक कीर्तन-भजन तथा लकड़ी के अलावा सीएनजी शवदाह की भी व्यवस्था है।

एनसीआर में लूट और चोरी की 200 वारदातों में शामिल तीन शातिर बदमाश मुठभेड़ में गिरफ्तार

नोएडा। एनसीआर के कई जिलों में संगठित गिरोह बनाकर लूट और चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले तीन कुख्यात बदमाशों को थाना फेस-1 पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। चेकिंग के दौरान जब पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो बदमाशों ने पुलिस पार्टी पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश गोली लगने से घायल हो गया, जबकि उसके दो साथी कांबिंग के दौरान पकड़े गए।

थाना फेस-1 पुलिस सेक्टर-14ए के पास चेकिंग कर रही थी, तभी चिल्ला की तरफ से एक मोटरसाइकिल पर सवार तीन युवक आते दिखे। पुलिस ने रुकने का इशारा किया, लेकिन वे भागने लगे। पुलिस ने पीछा कर उन्हें घेर लिया, जिसके बाद बदमाशों ने जान से मारने की नीयत से फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी फायरिंग में एक बदमाश नीरज उर्फ भैया (28 वर्ष), निवासी शशि गार्डन घायल हो गया।

उसके पास से तीन लूटे हुए मोबाइल फोन, एक देसी तमंचा, कारतूस और चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की गई। घायल नीरज को उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया गया। उसके दो साथी संतोष पुत्र ज्ञान सिंह (22 वर्ष) और गुलशन पुत्र ब्रह्मपाल (20 वर्ष) को पुलिस ने कांबिंग कर गिरफ्तार किया। इनके पास से एक-एक चाकू और चोरी के मोबाइल फोन बरामद किए गए। पुलिस पूछताछ में बदमाशों ने खुलासा किया कि वे गैंग बनाकर एनसीआर क्षेत्र में 200 से ज्यादा चोरी और लूट की घटनाएं कर चुके हैं। ये लोग मोटरसाइकिल से निकलकर एक के बाद एक वारदात को अंजाम देते थे। इनके खिलाफ एनसीआर के विभिन्न थानों में दर्जनों मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस इनके अन्य आपराधिक रिकॉर्ड की जांच कर रही है।

तीसरे दिन बॉक्स ऑफिस पर चमकी 'मालिक' कमाई में दिखा ज़ोरदार उछाल

अभिनेता राजकुमार राव इन दिनों अपनी हालिया रिलीज 'मालिक' को लेकर सुर्खियों में हैं। 11 जुलाई को सिनेमाघरों में आई इस फिल्म को जहां समीक्षकों ने सराहा, वहीं दर्शकों ने भी राजकुमार के नए गैंगस्टर लुक को काफी पसंद किया। हालांकि फिल्म की ओपनिंग थोड़ी धीमी रही, लेकिन वीकेंड पर इसकी कमाई में अच्छी बढ़त देखने को मिली है। पहली बार इस अंदाज़ में नजर आए राजकुमार राव को दर्शकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है, और फिल्म की रफ्तार अब धीरे-धीरे पकड़ने लगी है। अब फिल्म की तीसरे दिन की कमाई सामने आ गई है। बॉक्स ऑफिस डेटा ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक राजकुमार राव की फिल्म 'मालिक' ने रिलीज के तीसरे दिन 5.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया। फिल्म ने पहले दिन 3.75 करोड़ रुपये की कमाई की थी, जबकि दूसरे दिन इसमें उछाल आया और इसने 5.25 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। इसी रफ्तार को बरकरार रखते हुए तीसरे दिन भी फिल्म ने 5.25 करोड़ रुपये की कमाई दर्ज की। इस तरह 'मालिक' ने तीन दिनों में कुल 14.25 करोड़ रुपये का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन कर लिया है। अब नजरें इस पर टिकी हैं कि फिल्म वीकडेज में कितनी मजबूती के साथ टिक पाती है। 'मालिक' में राजकुमार राव पहली बार अभिनेत्री मानुषी छिल्लर के साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आए हैं, और दोनों की जोड़ी को दर्शकों से खूब सराहना मिल रही है। उनकी केमिस्ट्री फिल्म की खास बातों में से एक बन चुकी है। फिल्म में प्रोसेनजीत चटर्जी, हुमा कुरैशी और सौरभ शुक्ला जैसे दमदार कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आते हैं, जो कहानी को और भी गहराई देते हैं। इस एक्शन-ड्रामा फिल्म का निर्देशन पुलकित ने किया है, जबकि इसका निर्माण कुमार तौरानी ने टिप्स फिल्म्स के बैनर तले किया है। 'मालिक' में राजकुमार राव एक बिल्कुल नए अवतार में दिखाई दे रहे हैं, जहां उनका एक्शन अवतार दर्शकों को खासा प्रभावित कर रहा है।

'मालिक' में राजकुमार राव पहली बार अभिनेत्री मानुषी छिल्लर के साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आए हैं

'द फैमिली मैन-3' की शूटिंग पूरी, इस साल अंत तक होगी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर रिलीज

काफी वक्त से दर्शक बेसब्री से मनोज बाजपेयी की चर्चित वेब सीरीज़ 'द फैमिली मैन' के तीसरे सीजन का इंतज़ार कर रहे हैं। इस बार कहानी और भी दिलचस्प होने जा रही है, क्योंकि सीजन-3 में जयदीप अहलावत और निमरत कौर की एंट्री हो चुकी है, जिससे उत्साह और भी बढ़ गया है। कुछ दिन पहले मेकर्स ने 'द फैमिली मैन-3' का पहला वीडियो टीज़र रिलीज़ किया था, जिसमें मनोज बाजपेयी समेत कई प्रमुख किरदारों की झलक देखने को मिली थी। अब खुद मनोज बाजपेयी ने बताया है कि यह सीरीज कब तक दर्शकों के सामने आने वाली है। रिपोर्ट्स के मुताबिक मनोज बाजपेयी ने खुलासा किया है कि 'द फैमिली मैन-3' की शूटिंग पूरी हो चुकी है और यह बहुप्रतीक्षित सीरीज इस साल अक्टूबर के अंत या नवंबर के पहले हफ्ते में स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर रिलीज की जा सकती है। मनोज ने कहा, ₹शूटिंग खत्म हो गई है। जब हमने इस सफर की शुरुआत की थी, तब अंदाज़ा नहीं था कि 'द फैमिली मैन' को इतना ज़बरदस्त प्यार मिलेगा। क्या यह मेरा सबसे लोकप्रिय काम है? मैं कहूंगा, हां, बिल्कुल।₹ मनोज बाजपेयी ने आगे कहा, ₹फिलहाल मैं इतना ही कहूंगा कि अगर आपको 'द फैमिली मैन' के पहले और दूसरे सीजन पसंद आए हैं, तो तीसरा सीजन आपको बिल्कुल भी निराश नहीं करेगा। इस बार सीरीज की जान जयदीप अहलावत हैं। मैं हमेशा से ऐसे कलाकारों के साथ काम करना चाहता था।₹ 'द फैमिली मैन-3' में एक बार फिर प्रियामणि और शारिब हाशमी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस सीरीज़ का निर्माण राज और डीके की मशहूर जोड़ी ने अपने बैनर डी2आर फिल्म्स के तहत किया है, जो इससे पहले भी शो को बड़ी सफलता दिला चुके हैं।

बॉक्स ऑफिस पर नहीं चला 'आंखों की गुस्ताखियां' जादू

बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 1.2 करोड़ रुपये

विक्रांत मैसी की फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' 11 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। रिलीज से पहले फिल्म को लेकर दर्शकों और निर्माताओं दोनों को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर इसका प्रदर्शन बेहद कमजोर रहा। पहले दिन से ही फिल्म की कमाई लाखों में सिमटी रह गई। हालात ऐसे हैं कि वीकेंड पर भी फिल्म की बॉक्स ऑफिस रफ्तार में कोई खास इजाफा देखने को नहीं मिला। अब सभी की नजर इस पर है कि 'आंखों की गुस्ताखियां' ने अब तक कुल कितनी कमाई की है और क्या आने वाले दिनों में यह नुकसान की भरपाई कर पाएगी। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के अनुसार विक्रांत मैसी और शनाया कपूर स्टारर 'आंखों की गुस्ताखियां' ने रिलीज के तीसरे दिन यानी रविवार को सिर्फ 41 लाख रुपये की कमाई की। इसके साथ ही फिल्म का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन अब 1.2 करोड़ रुपये तक पहुंच पाया है। फिल्म ने अपने पहले दिन 30 लाख रुपये की बेहद कमजोर ओपनिंग दर्ज की थी, जबकि दूसरे दिन मामूली बढ़त के साथ 49 लाख रुपये का कलेक्शन किया गया।

बॉक्स ऑफिस पर 'मेट्रो... इन दिनों' का जलवा बरकरार

घरेलू कलेक्शन 41.59 करोड़ रुपये

सारा अली खान और आदित्य रॉय कपूर की फिल्म 'मेट्रो... इन दिनों' को सिनेमाघरों में रिलीज हुए 10 दिन पूरे हो चुके हैं। फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों दोनों से सराहना मिली, जिसका सीधा असर इसके बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर भी नजर आया। हालांकि, वीकडेज़ में फिल्म की रफ्तार थोड़ी धीमी रही, लेकिन वीकेंड पर 'मेट्रो... इन दिनों' ने बढ़िया कमाई करते हुए अच्छा प्रदर्शन किया। अब सभी की निगाहें इस पर टिकी हैं कि रिलीज़ के 10वें दिन यानी दूसरे रविवार को फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कैसा प्रदर्शन किया। बॉक्स ऑफिस रिपोर्ट के अनुसार, 'मेट्रो... इन दिनों' ने अपने रिलीज़ के 10वें दिन, यानी दूसरे रविवार को 4.83 करोड़ रुपये की कमाई की। इसके साथ ही फिल्म का कुल घरेलू कलेक्शन अब 41.59 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। करीब 40 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने अब अपनी लागत निकाल ली है और मुनाफे की ओर बढ़ रही है। इस म्यूज़िकल रोमांटिक ड्रामा में सारा अली खान और आदित्य रॉय कपूर के साथ पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा, अली फजल, फातिमा सना शेख, अनुपम खेर और नीना गुप्ता जैसे मंझे हुए कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं, जिन्होंने फिल्म की कहानी को और भी प्रभावशाली बना दिया है। 'मेट्रो... इन दिनों' के निर्देशक ही नहीं, अनुराग बसु इस फिल्म के लेखक भी हैं। उन्होंने निर्माता भूषण कुमार के साथ मिलकर इस प्रोजेक्ट का प्रोडक्शन भी संभाला है। फिल्म की कहानी अलग-अलग शहरों में रहने वाले विभिन्न उम्र और पृष्ठभूमि के लोगों के प्यार, रिश्तों और जज़्बातों की परतें खोलती है। यह भावनात्मक सफर मुंबई, पुणे, बेंगलुरु, दिल्ली और कोलकाता जैसे शहरों से होकर गुजरता है, जो इसे और भी ज़्यादा जुड़ाव भरा बनाता है। गौरतलब है कि सिनेमाघरों में सफलता के बाद 'मेट्रो... इन दिनों' जल्द ही नेटफ्लिक्स पर भी स्ट्रीम की जाएगी, जिससे इसे और व्यापक दर्शक वर्ग तक पहुंचने का मौका मिलेगा।

बच्चों और युवाओं में भी तेजी से बढ़ रही है पेट की समस्याएं

कब्ज एक ऐसी आम समस्या है, जिसके बारे में बात करते हुए हम हिचकते हैं। आधुनिक जीवनशैली व खान-पान की गलत आदतों के कारण यह समस्या बच्चों और युवाओं में भी तेजी से बढ़ रही है। लंबे समय तक इसकी उपेक्षा दर्द के साथ-साथ कई शारीरिक समस्याओं का कारण भी बन सकती है। इस असुविधा से कैसे पाएं राहत, बता रहे हैं हम...

बुढ़ापे में सताने वाली कब्ज की बीमारी अब युवाओं की भी परेशानी बन गयी है, जिसकी बड़ी वजह है अस्त-व्यस्त जीवनशैली और खान-पान की अनियमितता। ज्ञात आंकड़ों के मुताबिक शहरों में रहने वाली आबादी में से 14: कब्ज की गंभीर समस्या से पीड़ति है, जिनमें छोटे व बड़े सभी आयु वर्ग के लोग शामिल हैं। हालांकि कब्ज की समस्या उम्र के साथ बढ़ती है, पर ज्यादातर मामलों में बहुत अधिक मांसाहार करना, अधिक तला-भुना व जंक फूड खाना और तरल पदार्थों की कमी कब्ज का कारण बनते हैं। यही वजह है कि 10 वर्ष से कम उम्र के बच्चों में भी इसके मामले तेजी से बढ़ रहे हैं।

क्या है कब्ज?

अदीवा हॉस्पिटल में गैस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट डॉ. निर्मल कुमार कहते हैं, कब्ज का होना या न होना व्यक्ति के शरीर व खान-पान पर निर्भर करता है। सामान्य रूप से कुछ लोग दिन में दो से तीन बार मल त्यागते हैं तो कुछ एक बार। यहां तक कि कुछ लोगों में हर रोज मल त्याग न करना भी सामान्य स्थिति है। पर कब्ज की स्थिति तब आती है, जब व्यक्ति अपने सामान्य रुटीन को छोड़ कर अधिक दिन तक मल त्याग नहीं करता। पूरे सप्ताह में एक बार भी मल त्याग न करना कब्ज की गंभीरता को बताता है। दो सप्ताह तक यह स्थिति बने रहने पर चिकित्सक से संपर्क करना चाहिए। दर्द के अलावा कब्ज का रहना कई अन्य विकार भी उत्पन्न कर सकता है।

कब्ज के कारण होने वाले रोग

कब्ज की लंबे समय तक उपेक्षा करना बवासीर, बादी, अल्सर तथा भगंदर का कारण बनता है। ज्यादा समय तक कब्ज रहने से मल सख्त हो जाता है, जो बवासीर की समस्या को बढ़ाता है, जिससे मल बाहर निकलते समय खून निकलने लगता है। गंभीर रूप से कब्ज पीड़ति रहने वालों में स्ट्रोक व खून के थक्के जमने के मामले भी बढ़ जाते हैं।

कब्ज का उपचार

एक अध्ययन के मुताबिक कब्ज से पीड़ति 80 प्रतिशत लोग समस्या गंभीर होने पर उपचार के लिए जाते हैं। कब्ज कई तरह से ठीक किया जा सकता है, जिनमें एलोपैथी व आयुर्वेदिक दवाएं, संतुलित आहार, योग व व्यायाम तथा खान-पान में सुधार प्रमुख हैं।

इनके अलावा इन कारणों से भी होता है कब्ज...

- पार्किन्सन व लकवे के रोगियों में भी कब्ज की शिकायत अधिक देखने को मिलती है।
- टॉयलेट की जरूरत महसूस होने पर तमाम वजह से टालते रहना कब्ज करता है।
- धूम्रपान, तंबाकू व नशीली दवाओं का अधिक सेवन भी कब्ज बढ़ाता है। जरूरत से ज्यादा कोल्ड ड्रिंक या एल्कोहल लेना कब्ज करता है।
- भूख से काफी कम और भोजन को चबा-चबा कर न खाना भी कब्ज बढ़ाता है।

नियमित करें योग व व्यायाम:-

कब्ज पीड़तिों को नियमित 30 मिनट का व्यायाम करना चाहिए। शुरुआत हफ्ते में 3 दिन 20 मिनट व्यायाम करने से करें। कब्ज के लिए पैदल चलना, दौड़ना, भागना, तैराकी, रस्सी कूदना, डांस आदि भी कारगर साबित होते हैं। यदि आप व्यायाम के लिए समय नहीं निकाल पाते तो अपनी रोजमर्रा की आदतों में सुधार लाएं, जैसे लिफ्ट की जगह सीढ़ी का इस्तेमाल करें, बच्चों के साथ आउटडोर गेम्स खेलें, दिन भर में तीन बार कम से कम 10 मिनट पैदल चलें।
प्राणा योगा से योग विशेषज्ञ दीपक झा बताते हैं कि कब्ज दूर करने में योगासन प्रक्रिया कारगर साबित होती है। नियमित योगासन करने से बाउल मूवमेंट को सामान्य रखने में मदद मिलती है। कब्ज की स्थिति में ये व्यायाम करें...

मयूरासन:

यह पाचन प्रणाली को दुरुस्त करता है। हानिकारक खान-पान के प्रभाव को खत्म करके मल त्याग प्रक्रिया को सरल बना देता है। इस आसन से कब्ज की पुरानी समस्या भी दूर हो जाती है।

अर्धमत्स्येन्द्रासन:

यह आसन पाचन ग्रन्थि, यकृत, तिल्ली, गुर्दे, पेट तथा मलाशय की संपूर्ण प्रक्रिया को संतुलित रखता है।

पवनमुक्तासन:

यह आसन शरीर में एकत्रित गैस को निकालने में मदद करता है, जो कब्ज के मरीज को होने वाली एक बड़ी समस्या है। इस आसन से पाचन प्रणाली दुरुस्त होती है।

बद्घाकोनासन:

इस आसन से पाचन प्रणाली में सुधार होता है, गैस निकलती है, पेट का दर्द, पेट का फूलना आदि पेट से संबंधित सभी रोग दूर हो जाते हैं। कब्ज की समस्या नहीं होती।

संतुलित आहार

फिटनेस एवं न्यूट्रिशन एक्सपर्ट किरण साहनी बताती हैं, सही डाइट कब्ज का सबसे बढ़िया उपचार है। फलों का नियमित सेवन करना जरूरी है। डाइट में अमरूद, पपीता, अनार, आम, अंजीर, नाशपाती और संतरा आदि को शामिल करना चाहिए। कब्ज गंभीर होने पर रोज सुबह पानी में भिगोई हुई अंजीर व किशमिश और रात में मुनक्का खाने से आराम मिलता है।

- पालक में फाइबर की प्रचुरता होती है। कब्ज पीड़तिों को नियमित एक गिलास पालक का रस पीना चाहिए। हरी सब्जियों का अधिक सेवन करना चाहिए तथा अधिक मसालेदार खाने से बचना चाहिए। मैदा, ब्रेड और चावल की जगह गेहूं, आटा, जौ आदि अनाज खाने चाहिए।
- रात को सोने से पहले एक चम्मच शहद को एक गिलास पानी के साथ मिला कर नियमित रूप से पीने से भी कब्ज में आराम मिलता है। इन कारणों से हो सकता है कब्ज रसौली (आंत में गांठ): रसौली या आंत में किसी तरह की रुकावट आने के कारण कब्ज हो सकता है। यदि दर्द है तो डॉक्टरी परामर्श लें। इस स्थिति में ऑपरेशन भी करना पड़ता है।

आज का राशिफल

मेष राशि :-सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे।

वृषभ राशि :- किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां आज पैदा होगी। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें।

मिथुन राशि :- प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा।

कर्क राशि :- कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी।

सिंह राशि :- व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा।

कन्या राशि :-प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है।

तुला राशि :- महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक राशि :-आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं।

धनु राशि :- कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंग।

मकर राशि :-सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है।

कुम्भ राशि :- लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा।

मीन राशि :- दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे।

-ज्योतिषाचार्य: पंडित जितेंद्र तिवारी

चेल्सी ने PSG को हराकर जीता फीफा क्लब वर्ल्ड कप 2025 का खिताब

ईस्ट रदरफोर्ड। कोल पामर के दो गोल और एक शानदार असिस्ट की बदौलत चेल्सी ने सोमवार (भारतीय समयानुसार) फीफा क्लब वर्ल्ड कप 2025 के फाइनल में पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) को 3-0 से हराकर नया इतिहास रच दिया। यह पहली बार है जब 32 टीमों के इस नए प्रारूप में क्लब वर्ल्ड कप खेला गया और चेल्सी इसका पहला विजेता बना। यूईएफए चैंपियंस लीग जीतने के बाद अमेरिका पहुंची पीएसजी इस मुकाबले की प्रबल दावेदार मानी जा रही थी, खासकर सेमीफाइनल में रियल मैड्रिड को 4-0 से हराने के बाद। लेकिन फाइनल में चेल्सी ने पहले हाफ में ही 3-0 की बढ़त बना ली, जिससे मैच पूरी तरह एकतरफा हो गया।

मैच के 22वें मिनट में मॉलो गुस्टो की सहायता से कोल पामर ने पहला गोल किया। 30वें मिनट में पामर ने एक बार फिर गेंद को गोल में डालकर स्कोर 2-0 कर दिया। फिर 43वें मिनट में पामर ने शानदार पास देकर जोआओ पेड्रो को गोल कराया और स्कोर 3-0 कर दिया। जोआओ पेड्रो, जिन्हें टूर्नामेंट के दौरान ब्राइटन से साइन किया गया था, सेमीफाइनल में भी फ्लुमिनेंस के खिलाफ दो गोल कर चुके थे। फाइनल में उन्होंने भी अपनी चमक बिखेरी।पीएसजी की टीम, जो इससे पहले अपने पिछले आठ मैचों में सिर्फ एक गोल खा चुकी थी, चेल्सी के सामने पूरी तरह बिखर गई। मैच के अंत में जोआओ नेवेस को मार्क कुकुरेला के बाल खींचने पर वीएआर रिव्यू के बाद लाल कार्ड दिखाया गया। यह जीत चेल्सी के लिए बेहद खास रही, क्योंकि इस सीजन में उसने यूईएफए कांफ्रेंस लीग भी जीती और प्रीमियर लीग में चौथे स्थान पर रही। क्लब को इस जीत के साथ करीब 125 मिलियन अमेरिकी डॉलर की इनामी राशि भी मिलेगी। 81,118 दर्शकों की मौजूदगी में खेले गए इस मुकाबले में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रम्प भी मौजूद रहे। फाइनल में पहली बार हाफ-टाइम शो का आयोजन किया गया, जिसने मुकाबले को सुपर बाउल जैसा अनुभव दिया। भले ही पीएसजी इस खिताब को नहीं जीत पाई, लेकिन चैंपियंस लीग और फ्रेंच लीग-कप डबल जीतना उसके सीजन की बड़ी उपलब्धि रही। अब लुइस एनरिक की टीम एक महीने के विश्राम के बाद यूईएफए सुपर कप में टोटनहम हॉटस्पर के खिलाफ भिड़ेगी।

जडेजा के नाबाद अर्धशतक के बावजूद 22 रन से हारा भारत

लंदन। रविंद्र जडेजा के नाबाद जुझारू अर्धशतक के बावजूद भारत को यहां लार्ड्स में तीसरे क्रिकेट टेस्ट के पांचवें और अंतिम दिन सोमवार को यहां 22 रन से हार का सामना करना पड़ा जिससे इंग्लैंड ने पांच मैच की श्रृंखला में 2-1 की बढ़त बना ली। स्पिनर शोएब बशीर (छह रन पर एक विकेट) ने मोहम्मद सिराज (04) को बोल्ड करके इंग्लैंड को जीत दिलाई। इंग्लैंड के 193 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत चार साल बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी कर रहे जोफ्रा आर्चर (55 रन पर तीन विकेट), कप्तान बेन स्टोक्स (48 रन पर तीन विकेट) और ब्राइडन कार्स (30 रन पर दो विकेट) की तूफानी गेंदबाजी के सामने 74.5 ओवर में 170 रन पर आउट हो गया। क्रिस वोक्स (21 रन पर एक विकेट) ने भी एक विकेट चटकाया।

आर्चर ने अपना पिछला टेस्ट फरवरी 2021 में अहमदाबाद में भारत के खिलाफ ही खेला था। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने 82 रन तक सात विकेट गंवा दिए थे लेकिन जडेजा (नाबाद 61 रन, 181 गेंद, चार चौके, एक छक्का) ने नितीश कुमार रेड्डी (13) के साथ आठवें विकेट के लिए 91 गेंद में 30, जसप्रीत बुमराह (05) के साथ नौवें विकेट के लिए 132 गेंद में 35 और सिराज के साथ अंतिम विकेट के लिए 80 गेंद में 23 रन की साझेदारी करके अप्रत्याशित जीत की उम्मीद जगाई थी लेकिन टीम को हार से नहीं बचा पाए। श्रृंखला का चौथा टेस्ट मैनचेस्टर में 23 जुलाई से खेला जाएगा। इंग्लैंड ने पहला टेस्ट पांच विकेट से जीता था जिसके बाद भारत ने जोरदार वापसी करते हुए बर्मिंघम में दूसरा टेस्ट 336 रन से अपने नाम करके श्रृंखला बराबर की थी। भारत ने दिन की शुरुआत चार विकेट पर 58 रन से की। टीम को तेजी से टूटती और असमान उछाल वाली पिच पर 135 रन की और जरूरत थी।

भारत को 1932 के बाद से इस प्रतिष्ठित मैदान पर अपनी चौथी जीत के लिए बल्लेबाजों से आक्रामक प्रदर्शन की जरूरत थी लेकिन ऐसा नहीं हो सका। लंच के बाद जडेजा और बुमराह ने पारी को आगे बढ़ाया। बुमराह ने आर्चर की गेंद को पुल करके चौके के साथ खाता खोला। अंपायर ने वोक्स की गेंद पर 26 रन के स्कोर पर जडेजा को पगबाधा आउट दिया लेकिन डीआरएस लेने पर फैसला बदलना पड़ा क्योंकि गेंद जब पैड से टकराई जो विकेट की लाइन में नहीं थी। जडेजा ने अगली गेंद पर छक्का जड़कर दबाव कम किया।

जडेजा और बुमराह ने 22 ओवर तक इंग्लैंड के गेंदबाजों को सफलता से महरूम रखा। स्टोक्स ने बुमराह को आउट करके इस साझेदारी को तोड़ा जो उनकी गेंद को पुल करने की कोशिश में स्थानापन्न खिलाड़ी सैम कुक को कैच दे बैठे। बुमराह ने 54 गेंद का सामना किया जिसमें से 52 गेंद खाली खेली। जडेजा ने स्टोक्स पर लगातार दो चौकों के साथ 150 गेंद में लगातार चौथा अर्धशतक पूरा किया। सिराज कुछ परेशानी के बावजूद चाय तक अपना विकेट बचाने में सफल रहे।

महिला विश्व कप: दिव्या, हम्पी अंतिम-16 में

बातुमी (जॉर्जिया)। महिला ग्रैंडमास्टर दिव्या देशमुख और ग्रैंडमास्टर बनने वाली देश की पहली महिला खिलाड़ी कोनेरू हम्पी ने यहां विपरीत अंदाज में फिडे महिला विश्व कप शतरंज टूर्नामेंट के अंतिम-16 में जगह बनाई। दिव्या को अंतिम 16 में पहुंचने के लिए आधा अंक की जरूरत थी जो उन्होंने सर्बिया की टेओडोरा इंजाक के खिलाफ ड्रॉ खेल कर हासिल कर लिया लेकिन हम्पी को पोलैंड की कुलोन क्लॉडिया को हराने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी। भारत की जहां दो खिलाड़ियों ने अंतिम 16 में अपनी जगह पक्की कर ली है वहीं तीन अन्य भारतीय खिलाड़ी डी हरिका, वंतिका अग्रवाल और आर वैशाली भी अंतिम-16 में जगह बना सकती हैं, लेकिन यह सब टाईब्रेकर में उनके प्रदर्शन पर निर्भर करेगा। ग्रैंडमास्टर हरिका ने यूनान की त्सोलाकिडोउ स्टावरौला के साथ लगातार ड्रॉ खेलकर खुद को प्री-क्वार्टर फाइनल की दौड़ में बनाए रखा, जबकि वंतिका रूस की कैटरीना लागनो पर पहले दौर की जीत के बाद दूसरे दौर में हार गई जिससे स्कोर बराबर हो गया। इस प्रतियोगिता में विजेता को 50,000 अमेरिकी डॉलर की इनामी राशि मिलेगी। इसके अलावा शीर्ष तीन में रहने वाली खिलाड़ी अगले कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करेंगी।

राष्ट्रीय खेल शासन विधेयक मानसून सत्र में पेश किया जाएगा: मांडविया

नई दिल्ली। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को कहा कि राष्ट्रीय खेल शासन विधेयक 21 जुलाई से शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र के दौरान पेश किया जाएगा। मांडविया ने युवा मामलों के विभाग की नशा के खिलाफ पहल शुरू करने के लिए आयोजित कार्यक्रम के इतर मीडिया से बातचीत में सरकार के इस रुख को भी दोहराया कि बहुपक्षीय खेल आयोजनों के लिए पाकिस्तान के खिलाड़ियों को भारत आने से नहीं रोका जाएगा। मांडविया ने कहा कि आगामी सत्र के दौरान यह विधेयक संसद में पेश किया जाएगा। मैं कुछ दिनों में इससे जुड़े और विवरण दूंगा। यह विधेयक देश के खेल प्रशासकों के लिए अधिक जवाबदेही सुनिश्चित करना चाहता है, जिसमें एक नियामक बोर्ड का प्रावधान होगा। इस बोर्ड के पास राष्ट्रीय खेल संघों (एनएसएफ) को मान्यता देने और सुशासन से संबंधित प्रावधानों के पालन के आधार पर उन्हें धन आवंटित करने की शक्ति होगी। यह बोर्ड उच्चतम शासन, वित्तीय और नैतिक मानकों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए भी जिम्मेदार होगा। इसके साथ ही मसौदा खेल विधेयक में शासन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए आचार आयोगों और विवाद समाधान आयोगों की स्थापना का प्रस्ताव है। नियामक बोर्ड के गठन को लेकर हालांकि विवाद चल रहा है और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने भी इसका विरोध किया है। आईओए का मानना है कि नियामक बोर्ड के गठन से एनएफएस के लिए नोडल निकाय के रूप में उसकी स्थिति को कमजोर करेगा। मांडविया ने सरकार के इस रुख को फिर से दोहराया है कि अप्रैल में पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच संबंधों में आई गिरावट के बावजूद भारत में अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में पाकिस्तान की भागीदारी को रोका नहीं जाएगा। अगले महीने होने वाला पुरुषों का एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट (बिहार), नवंबर-दिसंबर में होने वाला एफआईएच जूनियर विश्व कप (तमिलनाडु) और सितंबर-अक्टूबर में होने वाला जूनियर निशानेबाजी विश्व कप (नयी दिल्ली) प्रमुख खेल आयोजन हैं जिनमें पाकिस्तान के खिलाड़ियों की भागीदारी अपेक्षित है। खेल मंत्री ने कहा कि हमारा रुख स्पष्ट है। हमें किसी भी अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन में पाकिस्तान के साथ खेलने में कोई समस्या नहीं है, चाहे वह क्रिकेट हो, हॉकी हो या कोई अन्य खेल।

लेकिन जब द्विपक्षीय मुकाबलों की बात आती है तो सरकार के रुख के बारे में सभी को पता है। पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) ने भारत में होने वाले दो टूर्नामेंटों में अपनी भागीदारी के लिए अपनी सरकार से मंजूरी मांगी है अभी हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि उसे मंजूरी मिली है या नहीं। मांडविया ने कहा कि हमने पाकिस्तान को बता दिया है कि हम उन्हें एशिया कप और जूनियर हॉकी विश्व कप टूर्नामेंट के लिए वीजा देंगे। अब यह उनकी सरकार पर निर्भर करता है कि वे टीमें भेजते हैं या नहीं। हमें कोई समस्या नहीं है।उन्होंने कहा, कि दोनों अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट हैं और भाग लेने वाली हर टीम के साथ समान व्यवहार किया जाएगा। एशिया कप 27 अगस्त से सात सितंबर तक राजगीर में आयोजित किया जाएगा, जबकि जूनियर विश्व कप 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक निर्धारित है।

पाकिस्तान को अनुमति देने का सरकार का निर्णय ओलंपिक चार्टर पर आधारित है जो राजनीतिक कारणों से किसी देश के खिलाड़ी की भागीदारी से इनकार को प्रतिबंधित करता है। यह मेजबान देश के लिए भविष्य में मेजबानी अधिकारों के निलंबन का कारण बन सकता है। भारत वर्तमान में 2036 ओलंपिक खेल और 2030 राष्ट्रमंडल खेल की मेजबानी की दौड़ में है।

अदिति 28वें स्थान पर रहीं, ग्रेस किम ने खिताब जीता

ऐक्स-लेस-बेन्स (फ्रांस)। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक अंतिम दौर में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई और दो ओवर 73 का स्कोर बनाकर यहां अमुंडी एवियन चैंपियनशिप में संयुक्त 28वें स्थान पर रहीं। अदिति का कुल स्कोर पांच अंडर 279 रहा। वह शीर्ष 10 खिलाड़ियों में जगह नहीं बना सकी लेकिन इस प्रतियोगिता में उन्होंने अपना दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। वह एक साल पहले इस प्रतियोगिता में संयुक्त 17वें स्थान पर रही थीं। अदिति ने लगातार नौ पार के साथ शुरुआत की और फिर लगातार चार बोगी कीं, जिससे शीर्ष 10 में जगह बनाने की उनकी उम्मीदें धूमिल हो गईं। उन्होंने 17वें और 18वें होल पर बर्डी लगाकर वापसी की, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

MI न्यूयॉर्क ने वाशिंगटन फ्रीडम को हराकर एमएलसी ट्रॉफी जीती

डलास (अमेरिका)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक के शानदार अर्धशतक की मदद से एमआई न्यूयॉर्क ने यहां ग्रैंड प्रेयरी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में वाशिंगटन फ्रीडम को पांच रन से हराकर तीन साल में अपनी दूसरी मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) ट्रॉफी जीती। डी कॉक की 46 गेंदों पर छह चौकों और चार छक्कों की मदद से खेली गई 77 रन की पारी की बदौलत आईपीएल फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियंस के स्वामित्व वाली एमआई न्यूयॉर्क ने 20 ओवर में सात विकेट पर 180 रन का चुनौती पूर्ण स्कोर बनाया।

इसके जवाब में न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज रचिन रविंद्र के तेज तर्रार 70 रन (41 गेंद) और उनके हमवतन ग्लेन फिलिप्स के नाबाद 48 रन के बावजूद वाशिंगटन फ्रीडम की टीम चार विकेट पर 175 रन ही बना सकी। यह मुंबई इंडियंस का विश्व स्तर पर 13वां और 2025 में तीसरा खिताब है।

इससे पहले इस साल की शुरुआत में एमआई केपटाउन की टीम एसए20 और मुंबई इंडियंस की महिला टीम महिला प्रीमियर लीग में चैंपियन बनी थी।

भारतीय धाविका याराजी की हुई एसीएल सर्जरी, वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025 में खेलना संदिग्ध

नई दिल्ली। भारतीय एथलेटिक्स की स्टार और 100 मीटर हर्डल्स की एशियाई चैम्पियन ज्योति याराजी ने अपने दाएं घुटने में एंटीरियर क्रूशिएट लिगामेंट (एसीएल) की चोट के चलते सर्जरी करवाई है। इस बात की पुष्टि खुद याराजी ने रविवार को इंस्टाग्राम के जरिए की। याराजी को यह चोट एक प्रशिक्षण सत्र के दौरान लगी थी। उन्होंने इंस्टाग्राम पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि मैं यह बताते हुए खुश हूं कि शुक्रवार को मैंने डॉ. दिनशॉ परडीवाला के साथ सफलतापूर्वक अपने दाएं घुटने की

उन्होंने आगे कहा कि पिछले कुछ हफ्ते मेरे लिए काफी मुश्किल रहे हैं, क्योंकि यह चोट मुझे उस चीज से दूर कर रही है जिसे मैं सबसे ज्यादा पसंद करती हूं।" गौरतलब है कि याराजी ने एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 12.96 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता था। हालांकि वह वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025 में हिस्सा लेना संदिग्ध माना जा रहा है।

चैंपियनशिप के लिए स्वतः क्वालिफाई करने वाले 12.73 सेकंड के समय से पीछे रह गई थीं, फिर भी वह रैंकिंग के आधार पर क्वालिफिकेशन की दौड़ में बनी हुई थीं।

फिलहाल वह रैंकिंग कोटा के तहत पात्र एथलीटों में 12वें स्थान पर थीं और 24 अगस्त की समयसीमा से पहले उन्हें और स्पर्धाओं में भाग लेकर अपनी स्थिति बनाए रखनी थी। लेकिन अब चोट और सर्जरी के कारण उनका

सिराज पर मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया

लंदन। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज पर यहां लार्ड्स में तीसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट का विकेट लेने के बाद आक्रामक प्रतिक्रिया के लिए सोमवार को मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया और उनके खाते में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया।

इस टेस्ट में चार विकेट लेने वाले सिराज को खिलाड़ियों और उनके सहयोगी स्टाफ से जुड़ी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 के उल्लंघन का दोषी पाया गया जो किसी अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान बल्लेबाज को आउट करने के बाद उसके खिलाफ दिखाई गई आक्रामक प्रतिक्रिया से संबंधित है। सिराज ने रविवार को इंग्लैंड की दूसरी पारी में डकेट को 12 रन पर आउट करने के बाद उनके प्रति आक्रामक रवैया अपनाया तथा अपना कंधा उनके कंधे से भी टकराया।

आईसीसी ने एक बयान में कहा कि भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज पर लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच के दौरान आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन के बाद मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। बयान में कहा गया है कि सिराज ने विकेट लेने के बाद फॉलो-थ्रू में बल्लेबाज के करीब जाकर जश्न मनाया और जब डकेट पवेलियन लौटने लगे तो उनके शरीर को स्पर्श भी किया।

जुर्माने के अलावा सिराज के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ दिया गया है। यह उनका 24 महीने की अवधि में दूसरा अपराध था, जिससे उनके डिमेरिट अंकों की संख्या दो हो गई है। जब कोई खिलाड़ी 24 महीने की अवधि में चार या अधिक डिमेरिट अंक तक पहुंच जाता है तो उन्हें निलंबन अंक में बदल दिया जाता है और खिलाड़ी पर प्रतिबंध लगा दिया जाता है।

सात्विक-चिराग की निगाह खिताब तथा सिंधू और लक्ष्य की फॉर्म में वापसी पर

तोक्यो। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी मंगलवार से यहां शुरू हो रहे जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में अपने अच्छे प्रदर्शन को जारी रखने और खिताबी सूखे को खत्म करने की कोशिश करेगी। वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज सात्विक और चिराग की जोड़ी इस सत्र में तीन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंची है। इसके अलावा उन्होंने पिछले महीने इंडोनेशिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में भी जगह बनाई थी लेकिन इस सत्र में अभी तक खिताब नहीं जीत पाए हैं।

जनवरी में मलेशिया और इंडिया ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद यह स्टार जोड़ी सात्विक की स्वास्थ्य समस्याओं और चिराग की पीठ की चोट के कारण कई सप्ताह तक बाहर रही। उन्होंने पूरी तरह से फिट होने के बाद अच्छी वापसी की तथा सिंगापुर ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाई और इंडोनेशिया में क्वार्टर फाइनल में पहुंचे। जापान ओपन में यह जोड़ी अपने अभियान की शुरुआत कोरिया के कांग मिन ह्युक और की डोंग जू के खिलाफ करेगी। एकल वर्ग में लक्ष्य सेन और पीवी सिंधू 950,000 डॉलर इनामी प्रतियोगिता में अपनी फॉर्म फिर से हासिल करने की उम्मीद करेंगे। लक्ष्य इस सत्र में कई बार पहले दौर में ही बाहर हो गए हैं। वर्तमान सत्र में उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन ऑल इंग्लैंड में क्वार्टर फ़ाइनल में पहुंचना रहा।

सिंगापुर ओपन में लिन चुन-यी के खिलाफ पीठ की चोट के कारण रिटायर होने के बाद उन्होंने इंडोनेशिया में दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी शी यू की के खिलाफ हार के दौरान वापसी की झलक दिखाई। यह 23 वर्षीय खिलाड़ी अपने पहले मैच में चीन के वांग झेंग जिंग का सामना करेगा। विश्व में 16वीं रैंकिंग वाली सिंधू के लिए जनवरी में इंडिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचना 2025 में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। पूर्व विश्व चैंपियन इस साल चार बार पहले दौर और तीन बार दूसरे दौर से बाहर हो चुकी हैं। वह कोरिया की सिम यू जिन के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगी।

भारत के अन्य खिलाड़ियों में इस वर्ष की शुरुआत में ताइपे ओपन सेमीफाइनलिस्ट रहीं उन्नति हुड्डा का सामना पहले दौर में थाईलैंड की सातवीं वरीयता प्राप्त पोर्नपावी चोचुवोंग से, जबकि अनुपमा उपाध्याय का सामना हमवतन भारतीय रक्षिता रामराज से होगा। पुरुष युगल में हरिहरन अम्साकरुनन और रुबन कुमार रेथिनासाबापथी का सामना कोरिया के तीसरी वरीयता प्राप्त किम वोन हो और सियो सेउंग जे से होगा। महिला युगल जोड़ी कविप्रिया सेल्वम-सिमरन सिंघी और पांडा बहनें - रुतपर्णा और श्वेतपर्णा भी टूर्नामेंट में अपनी चुनौती पेश करेंगे।

मार्क मार्केज़ ने जीता जर्मन मोटोजीपी,एलेक्स पर चैंपियनशिप बढ़त को किया और मजबूत

सैक्सनरिंग। डुकाटी राइडर मार्क मार्केज़ ने एक बार फिर साबित कर दिया कि उन्हें 'किंग ऑफ सैक्सनरिंग' क्यों कहा जाता है। अपने 200वें मोटोजीपी रेस में हिस्सा लेते हुए मार्केज़ ने रविवार को जर्मन ग्रां प्री का खिताब जीत लिया। यह एक ऐसी रेस थी, जो अंत तक सिर्फ 10 राइडर्स के पूरा कर पाने के चलते रसर्वाइवल टेस्टर बन गई।

यह सैक्सनरिंग पर मार्क की नौवीं मोटोजीपी जीत थी, जिसके साथ ही उन्होंने अपने भाई एलेक्स मार्केज़ पर चैंपियनशिप की बढ़त को 83 अंकों तक पहुंचा दिया। एलेक्स ने दूसरी पोजिशन हासिल की, जबकि मार्क के डुकाटी टीममेट फ्रांसेस्को बगनैया तीसरे स्थान पर रहे और अब वह चैंपियनशिप में 147 अंक पीछे हैं। एलेक्स ने इस रेस में पांचवीं ग्रिड पोजिशन से शुरुआत की थी और यह उनका 100वां मोटोजीपी रेस था। खास बात यह रही कि वह अभी भी डच ग्रां प्री में हाथ में आई फ्रैक्चर और सर्जरी से उबर ही रहे हैं, इसके बावजूद उन्होंने दमदार प्रदर्शन किया। रेस के दौरान कई राइडर्स पहले मोड़ (टर्न-1) पर क्रैश हुए, जिनमें वीआर46 रेसिंग के फाबियो डी जियानन्तोनियो और एप्रिलिया के मार्को बेज़ेकी जैसे दावेदार शामिल थे, जो उस समय दूसरे स्थान पर चल रहे थे। हालांकि दिन पूरी तरह मार्क मार्केज़ के नाम रहा। उन्होंने अपने चहेते ट्रैक पर जीत का जश्न कुछ खास अंदाज में मनाया – बाइक पर खड़े होकर, डांस करते हुए उन्होंने चेकर फ्लैग पार किया।

यह लगातार चौथा वीकेंड रहा जब उन्होंने स्प्रिंट और मुख्य रेस दोनों जीते। मार्क ने कहा कि सैक्सनरिंग पर एक और जीत हासिल करना बेहद खास है। शुरुआत से ही मुझे आत्मविश्वास था, क्योंकि हम लगातार तीन जीत के साथ यहां आए थे। अब हम कह सकते हैं कि आधा सीजन पूरा हो चुका है, लेकिन अगले हिस्से में भी हमें पूरी तरह फोकस रहना होगा।

वरुण आरोन SRH के गेंदबाजे कोच बने

हैदराबाद। भारतीय टीम के पूर्व तेज गेंदबाज वरुण आरोन को सनराइजर्स हैदराबाद ने 2026 के आईपीएल सत्र के लिए अपना गेंदबाजी कोच नियुक्त किया। आरोन न्यूजीलैंड के बाएं हाथ के पूर्व तेज गेंदबाज जेम्स फ्रैंकलिन की जगह लेंगे। सनराइजर्स ने अपने 'एक्स' पर लिखा, " हमारे कोचिंग स्टाफ में एक शानदार इजाफा। वरुण का हमारे नये गेंदबाजी कोच के रूप में स्वागत है। आरोन ने 2011 और 2015 के बीच भारत के लिए नौ टेस्ट और उतने ही वनडे खेले थे। पैंतीस साल के आरोन ने अपना आखिरी प्रतिस्पर्धी मैच इसी साल पांच जनवरी को जयपुर में गोवा के खिलाफ झारखंड के लिए विजय हजारे ट्रॉफी का खेल था। झारखंड के इस 50 ओवर के घरेलू टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में पहुंचने में विफल रहने पर उन्होंने संन्यास की घोषणा कर दी थी। उन्होंने पिछले साल चेन्नई में एमआरएफ पेस फाउंडेशन में आस्ट्रेलिया के दिग्गज ग्लेन मैकग्राथ के साथ एक कोच के रूप में कुछ समय के लिए काम किया था।

भारत के विदेश मंत्री ने की चीन के उपराष्ट्रपति झेंग से मुलाकात

भारत-चीन संबंधों के सामान्य होने से पारस्परिक लाभ होगा: जयशंकर

बीजिंग। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को चीन के उपराष्ट्रपति हान झेंग से कहा कि भारत-चीन संबंधों के निरंतर सामान्य बने रहने से पारस्परिक रूप से लाभकारी परिणाम प्राप्त हो सकते हैं और 'जटिल' वैश्विक स्थिति के मद्देनजर दोनों पड़ोसी देशों के बीच विचारों का खुला आदान-प्रदान बहुत महत्वपूर्ण है।

जयशंकर ने अपनी दो देशों की यात्रा के दूसरे और अंतिम चरण में सिंगापुर से बीजिंग पहुंचने के कुछ समय बाद झेंग से बातचीत की। वह चीन के शहर तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन की यात्रा पर हैं। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर 2020 में हुए सैन्य गतिरोध और इसके पश्चात दोनों देशों के संबंधों में आए गंभीर तनाव के बाद जयशंकर की यह पहली चीन यात्रा है।

बैठक में अपने आरंभिक वक्तव्य में जयशंकर ने कहा कि जैसा कि आपने उल्लेख किया, पिछले साल अक्टूबर में कजान में प्रधानमंत्री (नरेंद्र) मोदी और राष्ट्रपति शी चिनफिंग की मुलाकात के बाद से हमारे द्विपक्षीय संबंधों में लगातार सुधार हो रहा है। टेलीविजन पर प्रसारित संदेश में उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि इस यात्रा में मेरी चर्चाएं इसी सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ेंगी। पिछले कुछ महीनों में, भारत और चीन ने द्विपक्षीय संबंधों को सुधारने के लिए कई उपाय शुरू किए हैं, जो जून 2020 में दोनों सेनाओं के बीच घातक झड़पों के बाद गंभीर रूप से बिगड़ गए थे।

विदेश मंत्री ने भारत-चीन कूटनीतिक संबंधों की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि कैलाश मानसरोवर यात्रा की बहाली की भारत में भी व्यापक रूप से सराहना की जा रही है। हमारे संबंधों के निरंतर सामान्य होने से पारस्परिक रूप से लाभकारी परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। जयशंकर ने कहा कि आज हम जिस अंतरराष्ट्रीय स्थिति में मिल रहे हैं, वह बहुत जटिल है। पड़ोसी देशों और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के रूप में, भारत और चीन के बीच विचारों और दृष्टिकोणों का खुला आदान-प्रदान बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि मैं इस यात्रा के दौरान ऐसी चर्चाओं की आशा करता हूं।

विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने उपराष्ट्रपति झेंग से बातचीत में एससीओ की चीन की अध्यक्षता के प्रति भारत का समर्थन व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हमारे द्विपक्षीय संबंधों में सुधार का संज्ञान लिया। और यह विश्वास जताया कि मेरी यात्रा के दौरान बातचीत सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ेगी। जयशंकर की इस यात्रा से तीन सप्ताह से भी कम समय पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीनी बंदरगाह शहर किंगदाओ की यात्रा की थी। चीन शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) का वर्तमान अध्यक्ष है और इस नाते इस समूह की बैठकों की मेजबानी कर रहा है।

जयशंकर के साथ बैठक में हान ने कहा कि राष्ट्रपति चिनफिंग ने गत अक्टूबर में कजान में प्रधानमंत्री मोदी के साथ सफल बैठक की थी, जिससे चीन-भारत संबंध एक नए मुकाम पर पहुंचे। हान ने कहा कि चीन और भारत दोनों ही प्रमुख विकासशील देश और 'ग्लोबल साउथ' के महत्वपूर्ण सदस्य हैं। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों के लिए एक-दूसरे की सफलता में योगदान देने वाले साझेदार बनना सही विकल्प है।

चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, हान ने दोनों पक्षों से दोनों देशों के नेताओं द्वारा बनाई गई महत्वपूर्ण सहमति को क्रियान्वित करने, उच्चस्तरीय मार्गदर्शन का पालन करने, व्यावहारिक सहयोग को लगातार आगे बढ़ाने, एक-दूसरे की चिंताओं का सम्मान करने तथा चीन-भारत संबंधों के सतत और स्थिर विकास को बढ़ावा देने का आह्वान किया।

पाकिस्तानी एयरलाइन की गलती से यात्री कराची की जगह सऊदी अरब पहुंचा

कराची। पाकिस्तान में एक निजी एयरलाइन की एक विचित्र गलती के कारण लाहौर से कराची जाने वाला एक यात्री सऊदी अरब पहुंच गया और बाद में उन्हें वापस पाकिस्तान भेजा गया। यह घटना सात जुलाई को हुई, जब कराची के इलेक्ट्रिकल इंजीनियर मलिक शाहजैन 'एयरसियाल' की उड़ान में लाहौर से सवार हुए। नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के एक अधिकारी ने कहा कि वे इस असामान्य घटना की जांच कर रहे हैं।

अधिकारी ने कहा कि गलती से किसी यात्री का गलत उड़ान में चढ़ जाना तो हो सकता है, लेकिन हमारे सामने ऐसा कोई मामला नहीं आया है, जहां कोई घरेलू यात्री किसी अंतरराष्ट्रीय उड़ान में चढ़ गया हो। शाहजैन के अनुसार, सात जुलाई की रात को जब उन्हें पता चला कि उनका बच्चा बीमार पड़ गया है, तो वह लाहौर से कराची लौट रहे थे। वह वक्त पर हवाई अड्डे पहुंचे और अपना पहले से बुक किया हुआ बोर्डिंग पास दिखाया, जिसके बाद उन्हें लाउंज और प्रस्थान द्वार की ओर भेज दिया गया। शाहजैन ने कहा कि 'एयरसियाल' के दो विमान टर्मिनल पर थे, एक कराची जा रहा था और दूसरा जेद्दा।

कर्मचारियों ने बिना ठीक से जांच किए मुझे अंतरराष्ट्रीय उड़ान में बिठा दिया और मुझे इसका एहसास तब हुआ, जब दो घंटे की उड़ान के बाद भी हम नहीं उतरे। यात्री जेद्दा में उतरा, जबकि उसका सामान कराची पहुंच गया। जेद्दा हवाई अड्डे पर, आव्रजन अधिकारियों ने शाहजैन से घंटों पूछताछ की, उसके बाद उन्हें एहसास हुआ कि वह बिना किसी गलती के वहां उतरा था और उन्होंने एयरलाइन को उसे कराची जाने वाली अगली उड़ान में बैठाने का निर्देश दिया। हालांकि, एयरलाइन के यात्री को वापस लाहौर भेजने के बाद भी शाहजैन की मुसीबतें खत्म नहीं हुईं और उनसे कहा गया कि उन्हें कराची के लिए टिकट की व्यवस्था करनी होगी।

इंजीनियर का दावा है कि एयरलाइन स्टाफ ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है कि उन्होंने उन्हें लाहौर से जेद्दा जाने वाली अंतरराष्ट्रीय उड़ान में बैठा दिया, जबकि उन्हें लाहौर से कराची जाना था। शाहजैन ने कहा कि अब तक एयरलाइन ने मेरी परेशानी के लिए कोई स्पष्टीकरण जारी नहीं किया है या माफी नहीं मांगी है। 'एयरसियाल' पाकिस्तान की निजी एयरलाइन है।

इजराइल के हवाई हमले में हमास के 3 खूंखार आतंकवादी समेत 10 मारे गए

तेल अवीव। इजराइल रक्षा बल (आईडीएफ) ने खुफिया जानकारी के आधार पर हवाई हमला कर हमास के 10 आतंकियों का मार गिराया। इनमें रियाद असिलाह, सैम अबू सुनयना और महमूद सुरैया प्रमुख हैं। आईडीएफ ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल में आज यह सूचना साझा की। आईडीएफ के अनुसार, रियाद असिलाह हमास की सैन्य शाखा का एक आतंकवादी है। वह पूर्वी यरुशलम में हमास का प्रमुख आधार रहा है। इन तीनों के अलावा सातों आतंकवादियों ने यहूदिया और सामरिया में हमलों को बढ़ावा दिया।

द टाइम्स ऑफ इजराइल अखबार ने सुरक्षा एजेंसियों के हवाले से खबर में कहा है कि 2011 के शालित समझौते के तहत गाजा में निर्वासित 10 हमास आतंकवादी पिछले हफ्ते हवाई हमले में मारे गए। शिन बेट सुरक्षा एजेंसी और आईडीएफ ने कहा कि इन आतंकवादियों ने कई इजराइलियों की जान ली है। शिन बेट का कहना है कि मारे गए अधिकतर आतंकवादी हमास के वेस्ट बैंक मुख्यालय के सदस्य हैं। रियाद अस्सिला और बासेम अबू सानिना ने 1998 में यरुशलम में इजराइली नागरिक हैम करमन की हत्या कर दी थी।

दोनों को 2011 के एक समझौते के तहत गाजा में निर्वासित किया गया था। इस निर्वासन के तहत इजराइल ने बंदी आईडीएफ सैनिक गिलाद शालित के बदले 1,027 आतंकवादियों को रिहा किया था। मारे गए आतंकियों में मोहम्मद सारिया भी शामिल है। शिन बेट का कहना है कि सारिया ने 1996 में आईडीएफ सैनिक स्टाफ सार्जेंट एहुद (उदी) ताल की हत्या कर दी थी।

डोनाल्ड ट्रंप 17 से 19 सितंबर तक ब्रिटेन का दौरा करेंगे

लंदन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 17 से 19 सितंबर तक ब्रिटेन का दौरा करेंगे और इस दौरान महाराजा चार्ल्स तृतीय और महारानी कैमिला 'विंडसर कैसल' में उनकी मेजबानी करेंगे। 'बकिंघम पैलेस' ने सोमवार को यह जानकारी दी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीअर स्टॉर्मर ने राजकीय यात्रा के लिए महाराजा की तरफ से निमंत्रण पत्र फरवरी में 'व्हाइट हाउस' (अमेरिकी राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) में हुई एक बैठक के दौरान डोनाल्ड ट्रंप को सौंपा था। ट्रंप दूसरी बार राजकीय दौरे पर ब्रिटेन आएंगे।

इससे पूर्व वह 2019 में अपने पहले कार्यकाल में ब्रिटेन आए थे, तब उनकी मेजबानी तत्कालीन महारानी एलिजाबेथ द्वितीय ने की थी। 'बकिंघम पैलेस' के बयान में कहा गया है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप के साथ, 17 सितंबर से 19 सितंबर तक ब्रिटेन की राजकीय यात्रा के लिए महाराजा का निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। बयान में कहा गया कि महाराजा विंडसर कैसल में राष्ट्रपति ट्रंप और उनकी पत्नी की मेजबानी करेंगे। शाही परिवार ने पिछले हफ्ते फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की राजकीय यात्रा की 'विंडसर कैसल' में मेजबानी की थी।

पाकिस्तान: इमरान की पार्टी सड़कों पर उतरी, जेल से रिहाई के लिए 'करो या मरो' आंदोलन शुरू

लाहौर। पाकिस्तान में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक और अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान की रिहाई के लिए आंदोलन शुरू हो चुका है। कार्यकर्ता और समर्थक सड़कों पर उतर चुके हैं। पीटीआई के प्रमुख नेता और खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने मौजूदा शासकों के खिलाफ शुरू किए गए आंदोलन को 'करो या मरो' करार दिया है।

पाकिस्तान टुडे अखबार की खबर के अनुसार गंडापुर ने लाहौर में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हमें 90 दिनों में तय करना होगा कि राजनीति करनी है या नहीं। हमारे सामने आज करो या मरो जैसी स्थिति है। संवाददाता सम्मेलन में उनके साथ पार्टी के प्रमुख नेता सलमान अकरम राजा भी मौजूद थे। गंडापुर ने कहा कि पार्टी का आंदोलन 5 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान इमरान खान की रिहाई के लिए सरकार की नाक में दम कर दिया जाएगा। इससे पहले भी मुल्क में इमरान की रिहाई के लिए पार्टी आंदोलन कर चुकी है। पिछले साल आंदोलन के दौरान 9 मई को जमकर बवाल हुआ था। नवंबर, 2024 के इस्लामाबाद विरोध प्रदर्शन की जांच के लिए तो न्यायिक आयोग का गठन भी किया जा चुका है। इमरान खान को 2022 में अविश्वास प्रस्ताव के जरिए प्रधानमंत्री के पद से हटा दिया गया था। इस समय पीटीआई का तत्कालीन पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) और पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के नेतृत्व वाली वर्तमान गठबंधन सरकार के साथ टकराव चल रहा है। इमरान के अलावा पार्टी के नेता शाह महमूद कुरैशी, यास्मीन राशिद, एजाज चौधरी आदि काफी समय से जेल में बंद हैं। जेल में बंद इन नेताओं ने सरकार से कई मर्बता बातचीत की मांग की। इसके बाद सरकार ने भी बातचीत की पहल की। मगर बात नहीं बनी। इससे निराश इमरान खान ने कुछ दिन पहले कहा था कि अब किसी से भी कोई बातचीत नहीं होगी। सिर्फ सड़कों पर विरोध प्रदर्शन होगा। गंडापुर ने कहा कि हम पार्टी संस्थापक की तकरीर पर पाकिस्तान के लोगों के लिए युद्ध लड़ रहे हैं। पीटीआई खिलाफ फासीवादी अभियान चलाया जा रहा है।

इंडोनेशिया में 6.7 तीव्रता का भूकंप, सुनामी के खतरे की आशंका नहीं जताई गई

जकार्ता (इंडोनेशिया)। इंडोनेशिया में आज रिक्टर स्केल पर 6.7 तीव्रता के भूकंप से धरती तो डोली, लेकिन कोई नुकसान नहीं हुआ। इसके बावजूद सुनामी के खतरे की आशंका नहीं जताई गई है। इंडोनेशिया रिंग ऑफ फायर में स्थित है, जिसे भूकंप और ज्वालामुखी गतिविधि के लिए अत्यधिक संवेदनशील माना जाता है। सिंगापुर के अखबार द स्ट्रेट्स टाइम्स की खबर के अनुसार अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) ने बताया कि 14 जुलाई को पूर्वी इंडोनेशिया में 6.7 तीव्रता का भूकंप आया। पश्चिमी इंडोनेशिया समयानुसार दोपहर 12:49 बजे (सिंगापुर समयानुसार दोपहर 1:49 बजे) आए इस भूकंप का केंद्र पूर्वी मालुकु प्रांत के तुआल शहर से लगभग 177 किलोमीटर पश्चिम में 66 किलोमीटर की गहराई पर था। प्रशांत सुनामी चेतावनी केंद्र ने कहा कि इससे सुनामी का कोई खतरा नहीं है। इंडोनेशिया की भू-भौतिकी एजेंसी ने सोशल मीडिया पोस्ट में इसकी पुष्टि की है। एजेंसी ने साफ किया है कि देश में कहीं से भी किसी भी तरह के नुकसान की सूचना नहीं है। यह विशाल द्वीपसमूह राष्ट्र (इंडोनेशिया) प्रशांत महासागर के 'रिंग ऑफ फायर' पर स्थित है। इस वजह से इंडोनेशिया में शक्तिशाली भूकंप आते रहते हैं। यहां टेक्टोनिक प्लेटें टकराने से तीव्र भूकंपीय गतिविधि होती है। 'रिंग ऑफ फायर' का दायरा जापान से दक्षिण-पूर्व एशिया होते हुए प्रशांत बेसिन तक फैला हुआ है।

चीन में भारतीय आयुर्वेद से लोगों को लाभ पहुंचा रहे भारतीय चिकित्सक दंपति

बीजिंग। आयुर्वेद में विशेषज्ञता रखने वाले केरल के एक चिकित्सक दंपति स्थानीय लोगों को प्राचीन भारतीय चिकित्सा पद्धति के लाभों का अनुभव कराने के लिए एक नया मंच प्रदान करके चीन में लोकप्रियता हासिल कर रहे हैं। डॉ. चांगमपल्ली किजक्किलाथ मोहम्मद शफीक और उनकी पत्नी, डॉ. डेन (36), अलग-अलग सांस्कृतिक और धार्मिक पृष्ठभूमि से आते हैं लेकिन उन्होंने आयुर्वेद उपचार पद्धति का एक साझा, महत्वाकांक्षी मार्ग चुना है।

उनका मानना है कि आयुर्वेद और पारंपरिक चीनी चिकित्सा (टीसीएम) में कई समानताएं हैं और इसकी वजह विशेष रूप से जड़ी बूटी वाले नुस्खों और समग्र उपचार पर इनका जोर होने के कारण है। वे मिलकर चीन में भारत की प्राचीन स्वास्थ्य पद्धति को लोकप्रिय

बनाने और आयुर्वेद तथा टीसीएम के बीच एक सांस्कृतिक सेतु बनाने का प्रयास कर रहे हैं। डॉ. शफीक 600 साल पुराने 'चांगमपल्ली गुरुक्कल' नामक पारंपरिक आयुर्वेद परिवार से हैं। परिवार के सदस्य मूल रूप से तुलु ब्राह्मण थे, जो अतीत में शाही परिवारों के चिकित्सक के रूप में कार्यरत थे। डॉ. शफीक कहते हैं कि उनके परिवार के कुछ सदस्यों ने इस्लाम धर्म अपना लिया है, जबकि अन्य हिंदू बने हुए हैं। वह आयुर्वेद में अपने कार्य को अपनी पैतृक जड़ों से जुड़े रहने के रूप में देखते हैं।

दूसरी ओर, डॉ. डेन एक ईसाई परिवार से हैं। उन्होंने तिरुवनंतपुरम स्थित केरल विश्वविद्यालय के आयुर्वेद महाविद्यालय में अध्ययन किया, जहां उनकी मुलाकात डॉ. शफीक से हुई। डॉ. शफीक का चीन प्रवास 2016 में शुरू हुआ, जब उन्होंने अपने शुरुआती करियर में पुडुचेरी में सेवाएं देते हुए आयुर्वेदिक उपचार चाहने वाले कई चीनी रोगियों का इलाज शुरू किया।

ऑस्ट्रेलिया में अब तक का सबसे बड़ा सैन्य अभ्यास शुरू

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया में अब तक का सबसे बड़ा युद्ध अभ्यास 'टैलिसमैन सेबर' शुरू हो चुका है। इस सैन्य अभ्यास के दौरान चीनी जासूसी जहाजों द्वारा निगरानी किए जाने की संभावना जताई जा रही है। 'टैलिसमैन सेबर' अभ्यास की शुरुआत 2005 में अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के बीच एक द्विवार्षिक संयुक्त सैन्य अभ्यास के रूप में हुई थी।

ऑस्ट्रेलिया के रक्षा विभाग ने रविवार को बताया कि इस वर्ष यह अभ्यास पहले से कहीं अधिक व्यापक होगा, जिसमें 19 देशों के 35,000 से अधिक सैन्यकर्मी भाग ले रहे हैं और यह अभ्यास तीन सप्ताह तक

चलेगा। इन देशों में कनाडा, फिजी, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, जापान, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, नॉर्वे, पापुआ न्यू गिनी, फिलीपीन, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, थाईलैंड, टोंगा और ब्रिटेन शामिल हैं। मलेशिया और वियतनाम भी इस अभ्यास में पर्यवेक्षक के रूप में भाग ले रहे हैं।

यह अभ्यास ऑस्ट्रेलिया के निकटतम पड़ोसी देश पापुआ न्यू गिनी में भी आयोजित किया जाएगा। और यह पहली बार है जब 'टैलिसमैन सेबर' का आयोजन ऑस्ट्रेलिया के बाहर होगा। ऑस्ट्रेलिया के रक्षा उद्योग मंत्री पैट कॉनरॉय ने कहा कि पिछले चार 'टैलिसमैन सेबर' अभ्यासों के दौरान चीनी निगरानी जहाजों ने ऑस्ट्रेलियाई तट के पास नौसैनिक अभ्यासों पर नजर रखी है और संभावना है कि वे वर्तमान अभ्यास की भी निगरानी करेंगे।

यूक्रेन को अमेरिका पैट्रियट वायु रक्षा हथियार देगा

वाशिंगटन। यूक्रेन और रूस युद्ध को रुकवा पाने से निराश राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि अमेरिका अब चुप नहीं बैठेगा। वह यूक्रेन को पैट्रियट वायु रक्षा हथियार भेजेगा। यहां यह महत्वपूर्ण है कि ट्रंप युद्ध रोकने के संबंध में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से कई बार चर्चा कर चुके हैं।

अमेरिका की समाचार वेबसाइट द हिल्स की खबर के अनुसार, ट्रंप ने वाशिंगटन पहुंचे पर ज्वाइंट बेस एंड्रयूज में पत्रकारों से कहा कि मैं यह नहीं बता पाऊंगा कि यूक्रेन को आपूर्ति की जाने वाले पैट्रियट वायु रक्षा हथियारों की कितनी संख्या होगी। यूक्रेन को ऐसे हथियारों की इस समय जरूरत है। इसका पूरा खर्च यूरोपीय संघ उठाएगा। उन्होंने कहा कि पुतिन दिन में अच्छी बातें करते हैं। शाम को बम गिरा देते हैं। यह विचलित करने वाला रवैया है। ट्रंप ने कहा कि सोमवार को व्हाइट हाउस में उनकी नाटो महासचिव मार्क रूट से मुलाका होनी है।

इससे पहले ट्रंप ने गुरुवार को कहा था कि यूक्रेन को हथियार भेजने के लिए नाटो के साथ एक समझौता हुआ है। इसका खामियाजा सैन्य गठबंधन को भुगतना पड़ेगा। ट्रंप ने इस महीने की शुरुआत में पुतिन से बातचीत के बाद कहा था कि पूर्वी यूरोप में तीन साल से चल रहे युद्ध को समाप्त करने की दिशा में कोई प्रगति नहीं हुई है। यहां दिलचस्प बात यह है कि पिछले सप्ताह रक्षा विभाग ने अमेरिकी सैन्य भंडार के कम होने की चिंताओं का हवाला देते हुए यूक्रेन को कुछ वायु रक्षा मिसाइलों और गोला-बारूद की आपूर्ति रोक दी थी। व्हाइट हाउस ने इसकी पुष्टि भी की थी। दो-चार दिन बात ट्रंप ने अपना रुख बदला। इसके बाद पेंटागन ने मंगलवार को कहा यूक्रेन को अतिरिक्त रक्षात्मक हथियार भेजे जाएंगे। हैरानी इस बात पर है कि ट्रंप ने का था कि उन्हें नहीं पता कि हथियारों की आपूर्ति रोकने की मंजूरी किसने दी।

अमेरिका के यूक्रेन को पैट्रियट मिसाइलें देने के वादे के बाद ट्रंप के दूत कीव पहुंचे

कीव। यूक्रेन और रूस के लिए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत और सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल कीथ केलॉग सोमवार को यूक्रेन की राजधानी कीव पहुंचे। यूक्रेन के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पिछले सप्ताह ट्रंप ने संकेत दिया था कि वह सोमवार को रूस को लेकर एक महत्वपूर्ण बयान देंगे। ट्रंप ने रविवार देर रात कहा कि पुतिन अच्छी बातें करते हैं और फिर सब पर बमबारी कर देते हैं। उन्होंने यह भी पुष्टि की कि अमेरिका यूक्रेन को रूस के तेज होते हवाई हमलों से बचाने के लिए अमेरिका-निर्मित पैट्रियट वायु रक्षा मिसाइलें भेज रहा है, जिसकी उसे सख्त जरूरत है। ट्रंप के करीबी सहयोगी और दक्षिण कैरोलिना से सीनेट के रिपब्लिकन सदस्य लिंडसे ग्राहम ने रविवार को कहा कि यह संघर्ष एक निर्णायक मोड़ की ओर बढ़ रहा है, क्योंकि ट्रंप अब यूक्रेन को रूस के पूर्ण पैमाने पर किए गए आक्रमण के खिलाफ लड़ने में मदद देने में दिलचस्पी दिखा रहे हैं। यह वही मुद्दा है जिसे ट्रंप पहले अमेरिकी करदाताओं के पैसे की बर्बादी बताकर खारिज कर चुके थे। इसके साथ ही, नाटो (उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन) के महासचिव मार्क रुट सोमवार और मंगलवार को वॉशिंगटन में रहेंगे। उनकी योजना राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, विदेश मंत्री मार्को रूबियो, रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और अमेरिकी संसदों के साथ बातचीत करने की है। यूक्रेन के राष्ट्रपति कार्यालय के प्रमुख एंड्री यरमाक ने कहा कि कीथ केलॉग की कीव यात्रा के दौरान बातचीत में रक्षा, सुरक्षा को मजबूत करना, हथियार, प्रतिबंध, लोगों की सुरक्षा और अमेरिका-यूक्रेन सहयोग को बढ़ावा देने जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी।

पृथ्वी पर मंगल ग्रह का सबसे बड़ा टुकड़ा न्यूयॉर्क में नीलामी के लिए रखा जाएगा

न्यूयॉर्क। बिक्री के लिए 54 पाउंड (25 किलोग्राम) का एक पत्थर। अनुमानित नीलामी मूल्य 20 लाख से 40 लाख डॉलर के बीच। इतना महंगा क्यों? यह पृथ्वी पर पाया गया मंगल ग्रह का अब तक का सबसे बड़ा टुकड़ा है। न्यूयॉर्क में नीलामी घर 'सोथबी' बुधवार को प्राकृतिक इतिहास थीम पर आधारित नीलामी के एक भाग के रूप में 'एनडब्ल्यूए 16788' नामक वस्तु को बिक्री के लिए रखेगा। इसके साथ ही एक किशोर 'सेराटोसॉरस डायनासोर' का कंकाल भी नीलामी के लिए रखा जाएगा, जो छह फुट से अधिक ऊंचा और लगभग 11 फुट लंबा है।

नीलामी घर के अनुसार, ऐसा माना जाता है कि यह उल्कापिंड एक विशाल क्षुद्रग्रह की टक्कर के चलते मंगल ग्रह की सतह से उड़कर 14 करोड़ मील की दूरी तय करके पृथ्वी पर पहुंचा, जहां यह सहारा रेगिस्तान में गिर पड़ा। सोथबी का कहना है कि मंगल ग्रह का यह टुकड़ा नवंबर 2023 में नाइजर में मिला था। नीलामी घर के अनुसार, लाल, भूरे और स्लेटी रंग का यह टुकड़ा पृथ्वी पर इससे पहले पाए गए मंगल ग्रह के सबसे बड़े टुकड़े से भी लगभग 70 प्रतिशत बड़ा है और यह इस ग्रह पर वर्तमान में मौजूद समस्त मंगल ग्रहीय सामग्री का लगभग सात प्रतिशत है।

सोथबी में विज्ञान और प्राकृतिक इतिहास की उपाध्यक्ष कैसंड्रा हैटन ने एक साक्षात्कार में कहा कि यह हमें मिला मंगल ग्रह का अब तक का सबसे बड़ा टुकड़ा है। यह उस आकार से दोगुने से भी अधिक है जिसे हम पहले मंगल ग्रह का सबसे बड़ा टुकड़ा मानते थे। यह एक दुर्लभ खोज भी है। सोथबी का कहना है कि पृथ्वी पर पाए गए 77,000 से ज्यादा आधिकारिक तौर पर मान्यता प्राप्त उल्कापिंडों में से केवल 400 ही मंगल ग्रह के उल्कापिंड हैं। हैटन ने कहा कि लाल ग्रह के अवशेष का एक छोटा सा टुकड़ा लिया गया और उसे एक विशेष प्रयोगशाला में भेजा गया, जहां पुष्टि हुई कि यह मंगल ग्रह का टुकड़ा है।

उन्होंने बताया कि इसकी तुलना 1976 में मंगल ग्रह पर उतरे वाइकिंग अंतरिक्ष यान के दौरान खोजे गए मंगल ग्रह के उल्कापिंडों की विशिष्ट रासायनिक संरचना से की गई। सोथबी के अनुसार, जांच में पाया गया कि यह एक 'ओलिवाइन-माइक्रोगैब्रोइक शेरगोटाइट' है, जो मंगल ग्रह की मैग्मा के धीमे-धीमे ठंडा होने से बनी एक प्रकार की चट्टान है। इसने कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि मंगल ग्रह का यह उल्कापिंड पृथ्वी से कब टकराया, लेकिन परीक्षण से पता चलता है कि संभवतः यह हाल के वर्षों में हुआ होगा। सोथबी के अनुसार, किशोर सेराटोसॉरस नासिकॉर्निस डायनासोर का कंकाल 1996 में लारामी, व्योमिंग के पास बोन केबिन क्वारी में पाया गया था। विशेषज्ञों ने कंकाल को पुनः रूप देने के लिए लगभग 140 जीवाश्म हड्डियों को कुछ गढ़ी हुई सामग्रियों के साथ जोड़ा और इसे इस प्रकार स्थापित किया कि यह प्रदर्शनी के लिए तैयार हो जाए।

नीलामी घर ने कहा कि यह कंकाल लगभग 15 करोड़ साल पहले, जुरासिक काल के उत्तरार्ध का माना जाता है तथा इसकी नीलामी का अनुमान मूल्य 40 लाख से 60 लाख डॉलर है। बुधवार की नीलामी सोथबी के गीक वीक 2025 का हिस्सा है और इसमें 122 वस्तुएं शामिल हैं, जिनमें अन्य उल्कापिंड, जीवाश्म और रत्न-गुणवत्ता वाले खनिज शामिल हैं।